प.बंगाल में भूस्खलन-बाढ़ से मरने वालों की संख्या 28 हुई, बचाव कार्य जारी
-12

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मासिक आधार पर घटी
-12

फ्रांस : प्रधानमंत्री लेकोर्नू ने महीने भर से कम समय में दिया इस्तीफा
-13

एकदिवसीय महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया
-14

आज का मौसम

33.0° अधिकतम तापमान

24.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.03

सूर्यास्त 05.50

अमृत विचार

कानपुर नगर

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 09:17 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 47, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

सोना प्रति 10 ग्राम 1.23 लाख के नए शिखर पर, चांदी में 7,400 का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमतें 2,700 रुपये की छलांग लगाते हुए 1,23,300 रुपये के नए उच्चस्तर पर पहुंच गईं। यह उछाल विदेशी बाजारों में सुरक्षित निवेश की मांग और रुपये में कमजोरी के कारण आया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने बताया कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना उछलकर 1,23,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। इस तरह इसके भाव में एक ही कारोबारी सत्र में 2,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की बड़ी तेजी दर्ज की गई। चांदी की कीमतों में भी जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह 7,400 रुपये उछलकर 1,57,400

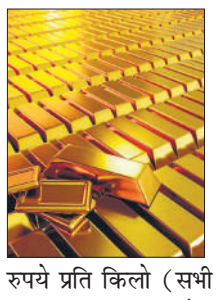

- चांदी 1,57,400 रुपये प्रति किलो (सभी करों सहित) के नए उच्चस्तर पर

रुपये प्रति किलो (सभी करों सहित) के नए उच्च स्तर पर पहुंच गई। शुक्रवार को चांदी की कीमत 1,50,000 रुपये प्रति किलो थी। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना दो प्रतिशत बढ़कर 3,949.58 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं चांदी एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ 48.75 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

बिहार चुनाव : 6 और 11 नवंबर को वोटिंग, 14 को परिणाम

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए आगामी 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतगणना 14 नवंबर होगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पहले चरण में 121 व दूसरे चरण में 122 सीट के लिए मतदान होगा। विधानसभा की कुल 243 सीट हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने यह भी बताया कि चुनाव के लिए अधिसूचना 10 अक्टूबर को जारी होगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर को होगी, 18 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 20 अक्टूबर तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते हैं। दूसरे चरण के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी होगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर को होगी, 21 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 23 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। उनके अनुसार, राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 3.92 करोड़ और महिला मतदाता 3.50 करोड़ हैं। 14 लाख मतदाता बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार मतदान कर सकेंगे। बिहार की वर्तमान विसा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग से अक्टूबर के अंत में छठ पर्व के तुरंत बाद चुनाव कराने का आग्रह किया था, ताकि अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके, क्योंकि बड़ी संख्या में राज्य के बाहर काम करने वाले लोग उस दौरान त्योहारों के लिए घर लौटते हैं। राज्य में वर्ष 2020 के चुनाव कोविड-19 महामारी की पृष्ठभूमि में तीन चरणों में हुए थे।

कुमार ने एसआईआर की प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि किसी का नाम छूट गया है, तो नामांकन की तिथि से 10 दिन पहले तक अपना नाम जुड़वा सकते हैं। कुमार ने कहा, इस बार बिहार विधानसभा चुनाव न केवल मतदाताओं के लिए बहुत ही सुगम और सरल होंगे, न केवल कानून व्यवस्था पर पूर्ण निगरानी रखी जाएगी, बल्कि पूर्ण पारदर्शी तरीके से होने वाले ये चुनाव सबसे अच्छे चुनाव परिलक्षित हों, ऐसी आयोग की मंशा है।

- दो चरणों में होगा विधानसभा चुनाव पहले चरण में 121 और दूसरे चरण में 122 सीट के लिए मतदान

सात राज्यों की 8 सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

सीईसी ज्ञानेश ने घोषणा की कि जम्मू कश्मीर, ओडिशा, झारखंड, मिजोरम, पंजाब, तेलंगाना और राजस्थान की आठ विधानसभा सीट के लिए 11 नवंबर को उपचुनाव कराए जाएंगे तथा मतगणना 14 नवंबर को होगी। झारखंड की घाटशिला विस सीट रामदास सोरेन के निधन के कारण रिक्त हो गयी थी। पंजाब की तरनतारन सीट कश्मीर सिंह सोहल के निधन के बाद खाली हो गई। जम्मू कश्मीर में दो विस क्षेत्र - बडगाम और नगरोटा - अक्टूबर 2024 से रिक्त हैं। बडगाम सीट 2024 के विस चुनावों के तुरंत बाद रिक्त हो गई थी, जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गांदरबल सीट को अपने पास रखने का फैसला किया था। यह सीट 21 अक्टूबर, 2024 से रिक्त है। नगरोटा सीट विधायक देवेंद्र सिंह राणा के निधन के बाद 31 अक्टूबर, 2024 को रिक्त हुई थी। राजस्थान के अंता में उपचुनाव धमकी दिए जाने के एक मामले में भाजपा विधायक कंवरलाल को दोषी ठहराए जाने के बाद मई में अयोग्य घोषित किए जाने के बाद आवश्यक हो गया।

न्यूज ब्रीफ

रघुवीर लाल कानपुर के नए पुलिस कमिश्नर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने चार आईपीएस के तबादले सोमवार को किये गये। एडीजी सुरक्षा के पद पर तैनात रहे रघुवीर लाल को कानपुर का नया पुलिस कमिश्नर बनाया गया है।

वहीं, डीजी अभियोजन, सीआईडी का अतिरिक्त प्रभार देख रहे दिपेश जुनेजा को सिर्फ अभियोजन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सोमवार को जारी आदेश के अनुसार डीजी साइबर क्राइम बिनोद कुमार सिंह को सीआईडी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। लखनऊ परिक्षेत्र के आईजी तरूण गाबा को आईजी सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके पास लखनऊ परिक्षेत्र की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी रहेगी।

भारतवंशी किशोरी को बहादुरी पदक

लंदन। नॉटिंघम में दो वर्ष पहले चाकू से किए गए हमले में अपनी सहेली को बचाने का प्रयास करते समय जान गंवाने वाली ब्रिटिश-भारतीय किशोरी ग्रेस ओ' 'मैली-कुमार को सोमवार को जॉर्ज मेडल से सम्मानित किया गया। यह सम्मान बहादुरी के लिए ब्रिटेन के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक है। जून 2023 में यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम से लौट रही ग्रेस और बार्नाबी वेबर की एक चाकूधारी व्यक्ति ने हत्या कर दी थी।

सनातन धर्म की शरण में ही शांति और सौहार्द : योगी

सीएम ने काशी से दिया सनातन संस्कृति व स्वच्छ भारत से सशक्त समाज का संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

अमृत विचार। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को काशी में दो अलग-अलग कार्यक्रमों में सनातन संस्कृति, स्वच्छता और सामाजिक समरसता का मजबूत संदेश दिया। कहा कि शांति व सौहार्द का मार्ग प्रशस्त करना है तो सबको सनातन धर्म की शरण में आना पड़ेगा। संस्कृत के बिना कोई कार्य नहीं चल सकता, इसलिए आने वाले समय में सरकार संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए कई नए कार्यक्रम शुरू करने जा रही है।

वहीं, स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह में कहा कि कोई भी सफाईकर्मी का शोषण नहीं कर पाएगा, जल्द ही उनके खाते में सीधे 16 से 20 हजार रुपये पहुंचेंगे। योगी ने श्री अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम में लैपटॉप और सिलाई मशीनों का वितरण के साथ पौधरोपण और गोशाला में गायों को गुड़-फल खिलाकर गोसेवा की। योगी ने कहा कि आने वाले समय में संस्कृत के विद्यार्थियों के लिए विशिष्ट छात्रवृत्ति, आवास व भोजन भत्ता और शोध अनुदान की व्यवस्था की जाएगी।

वाराणसी के श्री अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम में छात्रा को लैपटॉप देते मुख्यमंत्री योगी।

- मुख्यमंत्री बोले- स्वच्छता कर्मियों का कोई शोषण नहीं कर पाएगा, जल्द मिलेंगे 20 हजार रुपये

समाज को तोड़ना के काम सपा-कांग्रेस का

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का काम समाज को जोड़ना है, जबकि सपा और कांग्रेस का काम तोड़ना। उन्होंने आह्वान किया कि इस दीपावली हर गरीब के घर मिठाई जरूर पहुंचे। सीएम योगी ने कहा कि वाराणसी स्वच्छता रैंकिंग में 41वें से 17वें स्थान पर पहुंची है। लक्ष्य है कि काशी देश की टॉप-5 स्वच्छतम शहरों में शामिल हो। सीएम बोले-हर काशीवासी की जिम्मेदारी है कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए। सिंगल यूज प्लास्टिक से बचें और अपने घर की गंदगी सड़क पर न फेंकें।

स्वच्छता मित्रों पर फूल बरसाए

स्वच्छता मित्र सम्मान समारोह में योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में स्वच्छ भारत अभियान ने नारी गरिमा और भारत की छवि को नई ऊंचाई दी। अब स्वच्छता कर्मियों को सरकारी पोर्टल के माध्यम से 16 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह का भुगतान सीधे बैंक खाते में किया जाएगा। उन्होंने सफाई मित्रों पर पुष्पवर्षा कर कहा कि जो दूसरों के लिए कार्य करता है, उसकी सरकार चिंता करती है। उन्होंने घोषणा की कि सभी स्वच्छता कर्मियों को 5 लाख तक के आयुष्मान कार्ड से स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी। नीलम, रानी देवी, रूपा, मानसी, प्रियांशु, दीपक कुमार, शत्रुघ्न कुमार, सूरज कुमार और टिंकू को सीएम ने सम्मानित किया।

जयपुर के सरकारी अस्पताल में लगी भीषण आग, 8 जिंदा जले

जयपुर, एजेंसी

जयपुर के सरकारी सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में रविवार देर रात आग लगने से, गंभीर रूप से बीमार 8 मरीजों की मौत हो गई। आग लगने का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी डॉ. अनुराग धाकड़ ने बताया कि जब स्टोर रूम में आग लगी, तब न्यूरो गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में 11 मरीजों का इलाज हो रहा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने दुख व्यक्त करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राजस्थान के जयपुर में एक अस्पताल में आग लगने की घटना में हुई, जान-माल की हानि अत्यंत दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। डॉ. धाकड़ ने बताया कि चौदह अन्य मरीजों को एक अलग आईसीयू में भर्ती कराया गया था और सभी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। आईसीयू में भर्ती मरीजों की हालत गंभीर है। जिस आईसीयू में आग लगी वहां न्यूरो के मरीज भी भर्ती थे। राज्य सरकार ने घटना की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। जयपुर की टोंक रोड पर स्थित एसएमएस अस्पताल राज्य का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है जहां राज्य भर के साथ-साथ अन्य राज्यों से भी मरीज इलाज के लिए आते हैं।

जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में आग की घटना के बाद जला पड़ा सामान।

- सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में रविवार देर रात लगी आग
- प्रधानमंत्री ने दुख जताया, कर्मचारियों पर चेतावनी की अनदेखी का आरोप

आग लगते ही धुआं तेजी से पूरी मंजिल पर फैल गया

जिस ट्रॉमा सेंटर में आग लगी, वह व्यस्त टोंक रोड पर मुख्य अस्पताल भवन के सामने स्थित है। आग लगने से इमारत में अफरा-तफरी मच गई, धुआं तेजी से पूरी मंजिल पर फैल गया और मरीजों और उनके परिजनों में दहशत फैल गई। आग में कई दस्तावेज, आईसीयू उपकरण व अन्य सामान जलकर खाक हो गए। अस्पताल के कर्मचारियों और मरीजों के तीमारदारों ने मरीजों को बाहर निकाला। यहां तक कि उन्हें उनके बिस्तरों सहित इमारत से बाहर भी पहुंचाया गया। पुलिस बाद में पहुंची, लेकिन भारी धुएं के कारण वे तुरंत इमारत में नहीं जा सके। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम ने जायजा लेने के लिए ट्रामा सेंटर का दौरा किया।

पूर्व गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी और उनके बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर तिकुनिया कांड के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा, उनके पिता पूर्व गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी और निघासन ब्लॉक प्रमुख पति व भाजपा नेता अमनदीप सिंह के खिलाफ पढुआ थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोप है कि इन तीनों ने तिकुनिया कांड के गवाह को धमकाने और उसकी गवाही प्रभावित करने का प्रयास किया।

पढुआ थाना क्षेत्र के गांव भैरमपुर निवासी बलजिंदर सिंह तिकुनिया कांड का चश्मदीद गवाह है। वह घटना में घायल भी हुआ था।

- सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पढुआ थाने में दर्ज हुई एफआईआर, तिकुनिया कांड के गवाह को धमकाने का आरोप

बलजिंदर सिंह ने अपनी तहरीर में बताया कि उसकी गवाही 16 अक्टूबर 2023 को कोर्ट में होनी थी। आरोप है कि 15 अगस्त 2023 को निघासन ब्लॉक प्रमुख पति अमनदीप सिंह उसके घर पहुंचे और अजय मिश्रा टेनी व आशीष मिश्रा के कहने पर उससे गवाही बदलने की मांग की। गवाही न बदलने पर उसे गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी गई। बलजिंदर के मुताबिक उसने यह बातचीत अपने फोन में रिकॉर्ड कर ली थी।

तीन वैज्ञानिकों को मिला मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम। मैरी ई ब्रुनको, फ्रेड रैमस्डेल और शिमॉन साकागुची को 'पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस' से संबंधित उनकी खोजों के लिए इस साल का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार देने की सोमवार को घोषणा की गई। ब्रुनको (64) सिएटल स्थित इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी में कार्यक्रम प्रबंधक हैं। 64 वर्षीय रैमस्डेल सैन फ्रांसिस्को स्थित सोनोमा बायोथेरेप्यूटिक्स के वैज्ञानिक सलाहकार हैं, वहीं 74 वर्षीय साकागुची जापान के ओसाका विवि के इम्यूनोलॉजी फ्रंटियर रिसर्च सेंटर में प्रोफेसर हैं। प्रतिरक्षा प्रणाली में हानिकारक कारकों का पता लगाने और उनसे लड़ने के लिए कई प्रणालियां होती हैं। टी कोशिकाओं जैसे प्रतिरक्षा योद्धाओं को हानिकारक कारकों की पहचान करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

- मनुष्य की प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित खोज के लिए मिला पुरस्कार

कोर्ट में सीजेआई की ओर जूता उछालने का प्रयास

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को कार्यवाही के दौरान एक वकील ने सीजेआई बीआर गवई की ओर जूता उछालने की कोशिश की। घटना के बाद सीजीआई ने संयम बनाए रखा और अदालत कक्ष में उपस्थित वकीलों से अपनी दलीलें जारी रखने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, इन सब बातों से विचलित मत होइए। हम विचलित नहीं हैं। इन बातों का मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता। वकीलों के अनुसार, यह घटना उस समय घटी जब प्रधान न्यायाधीश और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ वकीलों द्वारा उल्लेख किए गए मामलों की सुनवाई कर रही थी। आरोपी वकील की पहचान बाद में मयूर विहार निवासी राकेश किशोर (71) के रूप में की गई। वकील को कोर्ट रूम से तुरंत बाहर ले जाया गया। जब वकील को ले जाया जा रहा था, तो उसे चिल्लाते हुए सुना गया, सनातन का अपमान नहीं सहेंगे। खजुराहो में भगवान विष्णु की मूर्ति पुनर्स्थापना के संबंध में याचिका खारिज होने से वकील खिन्न था। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) ने आरोपी वकील राकेश किशोर को सोमवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। पुलिस ने औपचारिक शिकायत दर्ज न होने पर वकील को छोड़ दिया।

सीजेआई गवई

आरोपी वकील राकेश

- आरोपी वकील ने कहा- सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान
- सीजेआई ने बनाए रखा संयम, वकील को निलंबित किया गया

मोदी ने गवई से की बात कहा- हर भारतीय नाराज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई से बात कर एक वकील द्वारा उन पर जूता फेंकने के प्रयास की निंदा की और कहा कि इस हमले से हर भारतीय नाराज है। उन्होंने कहा, हमारे समाज में इस तरह के निंदनीय कृत्यों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने घटना के बाद शांति बनाए रखने के लिए गवई की प्रशंसा की।

मौलाना तौकीर के करीबियों के बरातघर ई-स्कूटी शोरूम और कार गैराज सील

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शहर में 26 सितंबर को हुए बवाल के मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर के करीबियों पर पुलिस-प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने सोमवार को तौकीर रजा के करीबी सपा के पूर्व पार्षद का बेग बरातघर, सपा पार्षद का ई-स्कूटी शोरूम और एक कार गैराज को सील कर दिया है। आरोप है कि ये सभी प्रतिष्ठान बिना नक्शा पास कराए अवैध रूप से बनाए गए भवनों में संचालित किए जा रहे थे।

बीडीए की टीम दोपहर करीब 2 बजे इज्जत नगर थाना क्षेत्र के फरीदापुर चौधरी वार्ड पहुंची। यहां शिकारपुरा मोहल्ले में बना सपा के पूर्व पार्षद वाजिद बेग का आलीशान बेग मैरिज हाल को सील कर दिया। इसके बाद तीन बजे के करीब वीर सावरकर नगर स्थित नाजिर खान का कार गैराज पर भी सीलिंग की कार्रवाई की गई है। वहीं, शाम चार बजे कोहाड़ापीर स्थित सपा पार्षद अब्दुल कय्यूम मुन्ना के ई-स्कूटी शोरूम को भी बीडीए ने सील कर दिया है। बीडीए अफसरों के अनुसार, इन सभी निर्माणों में मानकों की अनदेखी की गई है। वहीं, बिजली चोरी के मुकदमे में पांच घरों पर एक करोड़ से अधिक की वसूली को लेकर चल अचल संपत्ति कुर्क करने के लिए कुर्की नोटिस चस्पा किया है।

सील की कार्रवाई करता टीम का सदस्य।

- सपा के पूर्व पार्षद के बेग मैरिज हाल और सपा पार्षद के ई-स्कूटी शोरूम पर कार्रवाई

गर्व के पल | समंदर की गहराई में छिपी दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढकर मारता है आईएनएस अन्द्रोथ

नौसेना की बढ़ी ताकत, पनडुब्बी रोधी युद्धपोत अन्द्रोथ बेड़े में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

अत्याधुनिक स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्धपोत अन्द्रोथ सोमवार को विशाखापतनम में नौसेना के बेड़े में शामिल हो गया। इसके शामिल होने से नौसेना की मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। यह समंदर की गहराई में छिपी दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढकर मारता है।

आईएनएस अन्द्रोथ सोलह पनडुब्बी रोधी पोतों में से दूसरा पोत है। इस युद्धपोत में 80 प्रतिशत साजो - सामान स्वदेशी हैं और यह सरकार के आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण तथा भारत की बढ़ती समुद्री ताकत का ज्वलंत प्रतीक है। अन्द्रोथ नाम का रणनीतिक और प्रतीकात्मक महत्व है और यह लक्षद्वीप द्वीपसमूह के अन्द्रोथ द्वीप से लिया गया है। अन्द्रोथ का लोकार्पण पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में किया गया। इस अवसर पर नौसेना के अनेक वरिष्ठ अधिकारी, युद्धपोत को बनाने वाली कंपनी मेसर्स गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स कोलकाता के प्रतिनिधि और अनेक गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। यह द्वीप भारत की विशाल समुद्री क्षेत्रों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अपने पिछले अवतार में आईएनएस अन्द्रोथ (पी 69) ने सेवामुक्त होने से पहले 27 वर्षों से अधिक समय तक राष्ट्र की विशिष्ट सेवा की। इस युद्धपोत की लंबाई 77 मीटर और वजन लगभग 1500 टन है और इसे विशेष रूप से तटीय और उथले पानी में पनडुब्बी रोधी अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है। अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी पोत उन्नत हथियारों, सेंसरों और संचार प्रणालियों से सुसज्जित है।

80 प्रतिशत साजो सामान स्वदेशी

इस युद्धपोत में 80 प्रतिशत साजो - सामान स्वदेशी है। उन्नत हथियार प्रणाली, सेंसर सूट, आधुनिक संचार प्रणालियों और वाटरजेट प्रणोदन से लैस अन्द्रोथ पानी के भीतर के खतरों का सटीकता से पता लगाने, उन्हें ट्रैक करने और उन्हें बेअसर करने में सक्षम है। इसकी अत्याधुनिक क्षमताएं इसे विभिन्न प्रकार के खतरों से निपटने के लिए समुद्री निगरानी, खोज एवं बचाव अभियान, और तटीय रक्षा मिशनों को अंजाम देने में भी सक्षम बनाती हैं। अन्द्रोथ भारत की समुद्री सुरक्षा संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है। यह पोत न केवल नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाएगा

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

नोटिस पर 16 दलों ने हाजिर होकर दी सफाई

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में पंजीकृत जिन राजनीतिक दलों को आवश्यक अभिलेखों के साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश थे, उनमें से सोमवार को सुनवाई के दौरान 16 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने हाजिरी दी और अपना पक्ष रखा। इस दौरान इन दलों ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के समक्ष अपने दल के तीन वर्षों 2021-22, 22-23 व 23- 24 की वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट और निर्वाचन व्यय विवरण प्रस्तुत किया। इससे पहले मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा की ओर से उत्तर प्रदेश के पते पर पंजीकृत ऐसे 127 राजनीतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिन्होंने बीते तीन वित्तीय वर्षों से अपनी वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट एवं निर्वाचन व्यय विवरणी निर्धारित समय सीमा तक प्रस्तुत नहीं किया था।

सपा से भी आवेदन बल्क में लेने की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि वाराणसी मंडल के सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया जाए कि वे सपा जिलाध्यक्षों और समर्थकों से भी स्नातक-शिक्षक एमएलसी चुनाव के आवेदन प्रारूप-18 और प्रारूप-19 बल्क में स्वीकार करें, ताकि चुनाव निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हो सके। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने यह शिकायत व मांग सोमवार को लखनऊ में प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपे गए एक ज्ञापन के माध्यम से की है। ज्ञापन में सपा का आरोप है कि वर्तमान में वाराणसी मंडल के जिलाधिकारी सत्तारूढ़ दल के समर्थकों से एक साथ कई (बड़ी संख्या) आवेदन स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन सपा जिलाध्यक्षों व समर्थकों के साथ पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाते हुए उनके आवेदन बल्क में नहीं लिए जा रहे हैं।

बसपा रैली में पांच लाख लोगों के आने का अनुमान

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा सुप्रीमो मायावती के नेतृत्व में होने जा रही बहुप्रतीक्षित महारैली में 5 लाख लोगों को भीड़ जुटाने की संभावना प्रकट की गई है। रैली को लेकर पार्टी के जोनल कोऑर्डिनेटर, कोऑर्डिनेटर और भारी संख्या में पदाधिकारी राजधानी स्थित कांशीराम स्मारक स्थल में तैयारी में जुट गए हैं। दिलचस्प यह है कि लखनऊ के सबसे बड़े इस रैली स्थल को बसपा ही अपने समर्थकों से पूरा भर पाती है। अगर 9 अक्टूबर को बसपा ने पुनः ऐसा कर दिखाया तो यह उसकी उपलब्धि होगी, क्योंकि पार्क की क्षमता भी 5 लाख लोगों की मानी जाती है।

31 तक जमा करना होगा शुल्क

अमृत विचार, लखनऊ : जीएनएम एवं एएनएम प्रशिक्षण केन्द्रों में सितंबर माह में संपन्न परीक्षा में बिना शुल्क जमा किए शामिल होने वाले अंतिम वर्ष के परीक्षार्थियों के शुल्क को टैक्स समेत से 31 अक्टूबर तक जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। स्टेट मेडिकल फैकल्टी कार्यालय में पंजीयन शुल्क रसीद जमा न होने की स्थिति में रजिस्ट्रेशन नहीं किए जाएंगे। उक्त निर्देश उप्र .स्टेट मेडिकल फैकल्टी के सचिव डॉ .अनुराग श्रीवास्तव ने सभी जीएनएम और एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र के प्रबन्धकों को दिए हैं।

लापरवाह अधिकारियों को मिलेगी नोटिस

अमृत विचार, लखनऊ : पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने निर्देश दिए कि योजनाओं में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। सभी अधिकारी और कर्मचारी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन पर पूरा ध्यान दें ताकि पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय से पहुंचे। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री, सोमवार को नवीन भवन, सचिवालय में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधियों से वार्ता कर लंबित कार्यों को शीघ्र निपटाया जाए।

छात्राएं सीख रहीं आत्मरक्षा के गुर

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन शक्ति 5.0 अभियान नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को नई दिशा दे रहा है। अंतरराष्ट्रीय बालिका सप्ताह के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग प्रदेशभर में सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप के माध्यम से छात्राओं और महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए जा रहे हैं, साथ ही संबंधित कानूनों की जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाया जा रहा है। इस अभियान के जरिए योगी सरकार अब तक 13.58 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचकर जागरूकता फैला चुकी है।

यूएई-ओमान में 10,855 पदों के लिए होगी भर्ती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोरखपुर में 14-15 अक्टूबर को रोजगार महाकुंभ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मिशन रोजगार के तहत प्रदेश के युवाओं को विदेशों में नौकरी के अवसर देने के लिए गोरखपुर में 14-15 अक्टूबर को 'रोजगार महाकुंभ-2025' आयोजित किया जा रहा है। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में होने वाले इस मेगा जॉब फेयर में यूएई और ओमान की कंपनियों में 10,855 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों का वेतन 24,000 से 1.20 लाख प्रतिमाह तक होगा।

सेवायोजन विभाग के अनुसार, युवाओं को चयन के बाद मुफ्त आवास, भोजन और आकर्षक पैकेज की सुविधा मिलेगी। भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और डिजिटल होगी, जिसमें क्यूआर कोड युक्त एडमिट कार्ड अनिवार्य रहेगा। प्रमुख पदों में कंस्ट्रक्शन वर्कर, सुपरवाइजर, ड्राइवर, कार्पेंटर और हेल्पर शामिल हैं। सेवायोजन विभाग ने युवाओं से rojgaarsangam.up.gov.in पर तत्काल पंजीकरण की अपील की है।

एनसीआरबी रिपोर्ट में दिखा योगी मॉडल का असर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तीन पूर्व डीजीपी बोले, फोर्स वही है, बदला है सिस्टम और नीति

अमृत विचार : राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2023 रिपोर्ट ने उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में हुए प्रभावकारी बदलाव को रेखांकित किया है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में अपराध दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। इस पर राज्य के तीन पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार, देवेंद्र सिंह चौहान और विक्रम सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति, मिशन शक्ति और ऑपरेशन कनविक्शन जैसी पहलों को यूपी की सफलता का आधार बताया है।

हाल ही में सेवानिवृत हुए डीजीपी प्रशांत कुमार ने कहा कि योगी सरकार की नीतियों से अपराध दर में जबरदस्त कमी आई है। एनसीआरबी के अनुसार, भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के अपराधों में यूपी 20वें स्थान पर, हत्या में 29वें, रेप में 22वें और पॉक्सो मामलों में 20वें स्थान पर है। उन्होंने कहा कि 25 करोड़ की आबादी वाले प्रदेश में यह उपलब्धि योगी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और यूपी पुलिस के सशक्तिकरण का परिणाम है। उन्होंने बताया कि पुलिस बल में 2.20 लाख नई भर्तियां, 1.53 लाख प्रोन्नतियां और महिला पुलिसकर्मियों की संख्या में तीन गुना वृद्धि ने व्यवस्था को नई ऊर्जा दी है।

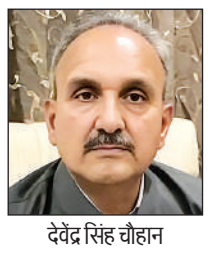

देवेंद्र सिंह चौहान

विक्रम सिंह

प्रशांत कुमार

वर्ष 2022 में डीजीपी रहे देवेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि 'योगी मॉडल' ने पुलिसिंग को सिस्टम आधारित बना दिया है। एफआईआर से लेकर सजा तक फाइव-टियर सुपरविजन सिस्टम मुख्यमंत्री से लेकर एसपी स्तर तक लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से यूपी में एक भी सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ, दलितों पर अपराध राष्ट्रीय औसत से कम है और पुलिस अधिकारियों को अब स्थायित्व मिलने से जवाबदेही बढ़ी है। चौहान के मुताबिक, मिशन शक्ति और एंटी रोमियो स्क्वॉड ने महिलाओं में आत्मविश्वास जगाया है, अब वे रात में भी निडर होकर काम कर रही हैं।

प्रदेश के डीजीपी रह चुके विक्रम सिंह कहते हैं कि कभी 'क्राइम कैपिटल' कहे जाने वाले यूपी ने आज अपराध दर के मामले में कई राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। हत्या दर यूपी में 1.4 प्रति लाख (राष्ट्रीय औसत 2.1) है, जबकि अपहरण-फिरौती लगभग शून्य है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के 'मिट्टी में मिला दूंगा' वाले शब्दों ने अपराधियों की रीढ़ तोड़ दी। अब पुलिस पर न राजनीतिक दबाव है, न अपराधियों की पैरवी। जनता और महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस कर रही हैं।

यूपी बनेगा वैश्विक फूड बास्केट : योगी

वाराणसी में आयोजित डायरेक्ट सीडेड राइस कॉन्क्लेव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/वाराणसी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश को भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक फूड बास्केट के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया गया है। तकनीक और गुणवत्ता वाले बीजों की समय पर उपलब्धता से प्रदेश तीन गुना अधिक उत्पादन करने की क्षमता रखता है। मुख्यमंत्री ने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे अब 'लैब टू लैंड' मॉडल अपनाएं ताकि नई तकनीक खेत तक पहुंचे।

योगी वाराणसी में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र में आयोजित डायरेक्ट सीडेड राइस (डीसीआर) कॉन्क्लेव में बोल रहे थे। सीएम ने इस अवसर पर ई-सीडर और प्रिसिजन हिल सीडर जैसे अत्याधुनिक कृषि उपकरणों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश ने 2029-30 तक वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का लक्ष्य तय किया है, जिसमें कृषि क्षेत्र प्रमुख भूमिका निभाएगा। इसके लिए आईआरआरआई और सीआईपी जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के सहयोग से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल, दयाशंकर मिश्र दयालु, बलदेव सिंह औलख, प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र कुमार, डीजी ईरी यवोन पिंटो, डीजी सीआईपी डॉ. साइमन हेक, श्रीलंका के कृषि सचिव डीबी विक्रमसिंघे और बड़ी संख्या में कृषि वैज्ञानिक मौजूद रहे।

धान की सीधी बुवाई, जीरो टिलेज गेहूं और समृद्ध धान नेटवर्क पर आधारित प्रकाशन सामग्री का विमोचन करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही व अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान की महानिदेशक ईरी यवोन पिंटो।

खाद्यान्न उत्पादन में पांच गुना वृद्धि

योगी ने कहा कि आजादी के बाद जहां प्रदेश में 11.77 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन होता था, वहीं अब यह बढ़कर 60 ट्रिलियन टन तक पहुंच गया है। खेती का रकबा 170 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 240 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो कृषि क्रांति का प्रमाण है।

लखनऊ में बनेगा सीड पार्क

मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के नाम पर 250 एकड़ में सीड पार्क विकसित किया जाएगा, जहां जलवायु अनुकूल बीज तैयार किए जाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही आगरा में इंटरनेशनल पोटेटो सेंटर स्थापित होगा।

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं समस्याएं

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। प्रदेश भर से आये फरियादियों के पास मुख्यमंत्री स्वयं पहुंचे, उनकी समस्या पूछी, प्रार्थना पत्र लिया और अफसरों को निर्देश दिए कि निश्चित समयावधि में सभी की समस्याओं का उचित निस्तारण कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर चेहरे पर खुशी और संतुष्टि ही सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कालीदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर सोमवार सुबह जनता दर्शन में प्रदेश के 50 से अधिक पीड़ित पहुंचे। ''जनता दर्शन'' में लोग पुलिस, बिजली, राजस्व से जुड़े प्रकरण, नौकरी, आर्थिक सहायता आदि की मांग को लेकर पहुंचे थे। योगी ने कहा कि किसी के चेहरे पर खुशी लाना ही ईश्वर की सेवा है। प्रदेश सरकार हर पीड़ित को खुशहाल करने की भावना से कार्य कर रही है।

जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी।

मुजाहिदीन आर्मी बनाने वाले आरोपियों की आठ दिन की रिमांड मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : देश में हिंसात्मक जिहाद व शरीयत कानून लागू कराने की साजिश रचने वाले पांच आरोपियों की पुलिस कस्टडी रिमांड को कोर्ट ने मंजूरी दे दी है। सोमवार को हुए सुनवाई में कोर्ट ने आठ दिन की रिमांड मंजूर की है। जिसकी अवधि मंगलवार से शुरू होगी। आरोपियों ने मुजाहिदीन आर्मी तैयार की थी। इसके लिए पूरे देश के युवकों से सोशल मीडिया पर संपर्क कर रहे थे। एटीएस ने मुजाहिदीन आर्मी बनाकर, लोकतांत्रिक व्यवस्था को हटाकर शरीयत कानून कायम करने का मंसूबा रखने वाले गिरोह का खुलासा किया था। इस गिरोह के सरगना मो. रजा को 30 सितंबर को केरल के मल्लपुरम से गिरफ्तार किया था। वहीं, चार सहयोगियों को यूपी के चार जिलों से 29 सितंबर को दबोचा था।

व्यक्तिगत निगरानी में डीएम कराएं परीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपीपीएससी पीसीएस परीक्षा को लेकर मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

अमृत विचार : 12 अक्टूबर को होने जा रही यूपीपीएससी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को लेकर प्रदेश सभी 75 जिलों में कुल 1435 परीक्षा केंद्रों की तैयारी लगभग पूरी है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली सुबह 9.30 से 11.30 तक और दूसरी पाली 2.30 से 4.30 तक है। इसमें कुल 6,26,387 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।

राज्य के जिन 1435 परीक्षा केंद्रों पर यह परीक्षा आयोजित होगी, उनमें 248 सरकारी और 1187 वित्त पोषित विद्यालय हैं। सर्वाधिक परीक्षा केन्द्र प्रयागराज-67, लखनऊ-59, वाराणसी-49, मेरठ-42, गोरखपुर-41, कानपुर नगर-39, आगरा-39, मुरादाबाद-34, जौनपुर-34 व बरेली-34 बनाए गए हैं।

सोमवार को लोकभवन में मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग से सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ पीसीएस, एसीएफ, आरएफओ की प्री परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान मुख्य सचिव ने स्पष्ट कहा कि परीक्षा को निष्पक्ष, नकलविहीन और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में प्रमुख सचिव नियुक्ति एम. देवराज, सचिव गृह मोहित गुप्ता सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

दीपोत्सव-2025 में बनेगा विश्व रिकॉर्ड : जयवीर

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि इस बार दीपोत्सव-2025 में सरयू तट स्थित राम की पैड़ी समेत 56 घाटों पर 26 लाख से अधिक दीये एक साथ प्रज्ज्वलित कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी है। सरयू तट पर 2100 लोगों द्वारा की जाने वाली महाआरती कार्यक्रम का विशेष आकर्षण होगी। उन्होंने बताया कि 18 अक्टूबर को अयोध्या में दीपोत्सव की मॉक ड्रिल की जाएगी, ताकि आयोजन से पूर्व सभी व्यवस्थाओं की सघन जांच हो सके। पर्यटन मंत्री सोमवार को पर्यटन भवन में दीपोत्सव-2025 की तैयारियों को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। जयवीर सिंह ने बताया कि दीपोत्सव में राम और रामायण की थीम पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन होगा।

आयुष कॉलेजों में दाखिले के लिए सूची जारी

अमृत विचार, लखनऊ : आयुर्वेदिक, होम्योपैथी और यूनानी मेडिकल कॉलेजों में परास्नातक सीटों पर दाखिले सोमवार से शुरू हो गए हैं। यूपी आयुष पीजी काउंसिलिंग-2025 में 335 अभ्यर्थियों को प्राथमिकता के अनुसार सीट आवंटित कर दी गयी हैं। पहले दो दिन सोमवार व मंगलवार को आयुर्वेदिक कॉलेजों में दाखिले की प्रक्रिया पूरी होगी, इसके बाद बुधवार को होम्योपैथी और गुरुवार को यूनानी कॉलेजों में दाखिले संपन्न होंगे। आयुष पीजी काउंसिलिंग के सचिव प्रो.जमाल अख्तर ने बताया कि आयुर्वेद में विभिन्न विषयों की कुल 221 अभ्यर्थियों को सीट आवंटित हुई हैं, इसी प्रकार होम्योपैथी में 74 सीटें और यूनानी में विभिन्न विषयों की 40 सीटें अभ्यर्थियों को आवंटित की गयी हैं। दाखिले की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगर सीट रिक्त रहती हैं तो अगली काउंसिलिंग शुरू की जाएगी।

छह शहरों में 1,948 करोड़ की आठ आवासीय परियोजनाएं मंजूर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- रेरा ने लखनऊ, प्रयागराज, आगरा, झांसी, गौतम बुद्ध नगर व फिरोजाबाद में दी स्वीकृति

अमृत विचार : लखनऊ, प्रयागराज, आगरा, झांसी, गौतमबुद्ध नगर व फिरोजाबाद में किफायती आवास, मध्यम आय वर्ग के फ्लैट, विला और भूखंड खरीदने का सपना जल्द पूरा होगा। सोमवार को लखनऊ मुख्यालय पर अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में उप्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने 185वीं बैठक में आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें आगरा व झांसी विकास प्राधिकरण की दो परियोजनाएं एक-एक परियोजना मंजूर की हैं, जबकि अन्य शहरों में निजी बिल्डरों द्वारा एक-एक परियोजनाएं निर्मित की जाएंगी।

अध्यक्ष ने बताया कि छह शहरों में बिल्डर व प्राधिकरण द्वारा 1,948 करोड़ से 3,005 आवासीय और वाणिज्यिक इकाइयां निर्मित करके बिक्री की जाएंगी। इसमें लखनऊ में निजी बिल्डरों की तीन, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर व प्रयागराज में है। झांसी और फिरोजाबाद जैसे उभरते शहरों को परियोजनाएं देकर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास है। इससे स्पष्ट है कि रियल एस्टेट विकास अब केवल पश्चिमी उत्तर प्रदेश या महानगरों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे राज्य में संतुलित और व्यापक रूप से फैल रहा है। करोड़ों के निवेश से केवल निर्माण क्षेत्र में सीमेंट, स्टील, टाइल्स, पेंट, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स, होम डेकोर और वित्तीय सेवाओं जैसे सहायक उद्योगों में भी रोजगार और व्यावसायिक अवसरों को बढ़ावा मिलेगा।

निजीकरण के खिलाफ होगा देशव्यापी प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : निजीकरण के खिलाफ अब यूपी के बिजली कर्मियों की आवाज मुंबई में गूंजेगी। इस बार इंजीनियर्स देशव्यापी आंदोलन के मोर्चे पर डट गए हैं। 4-5 नवंबर को देशव्यापी प्रदर्शन की तैयारी है। इस कड़ी में उत्तर प्रदेश के विरोध को चंडीगढ़, पुडुचेरी, महाराष्ट्र का साथ मिल गया है। दरअसल, विरोध मुंबई में होने वाली डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटी मीट (डीयूएम) के इंजीनियर्स कर रहे हैं। उनका कहना है कि निजीकरण का फैसला किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके विरोध में अब देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। यह फैसला नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स (एनसीसीओईईई) की बैठक में लिया गया।

आबकारी से लक्ष्य का 90.8 प्रतिशत मिला राजस्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने दी जानकारी

अमृत विचार: राज्य सरकार को आबकारी मद के अंतर्गत माह सितंबर में राजस्व प्राप्ति के निर्धारित लक्ष्य का 90.8 प्रतिशत की प्राप्ति हुई है। स्टाम्प तथा निबन्धन के अंतर्गत सितम्बर की राजस्व प्राप्ति 2516.95 करोड़ रुपये है, जबकि बीते साल सितंबर में प्राप्ति 2177.34 करोड़ रही थी। इस प्रकार इस मद में माह सितंबर में निर्धारित लक्ष्य का 83.9 प्रतिशत की राजस्व प्राप्ति हुई है। परिवहन के अन्तर्गत 745.78 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जबकि गत वर्ष माह सितंबर में प्राप्ति 653.80 करोड़ रही थी। भू-तत्व तथा खनिकर्म के अन्तर्गत माह सितंबर, 2025 में प्राप्ति 183.01 करोड़ है, जबकि गत वर्ष माह सितंबर, 2024 में प्राप्ति 205.56 करोड़ रुपये रही थी।

वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि प्रदेश के मुख्य कर-करेत्तर राजस्व वाले मदों में वित्तीय वर्ष 2025-26 के सितंबर माह में कुल 15237.44 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि वित्तीय वर्ष 2024-25 के सितंबर माह में 14747.93 करोड़ राजस्व प्राप्त हुआ था।

किसानों को खाद व बीज उपलब्ध नहीं

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा जबसे सत्ता में आई है तबसे न तो किसानों को समय से खाद और बीज उपलब्ध करा पा रही है और न किसानों की फसलों का सही मूल्य दिला पा रही है। महंगाई के कारण खेती का लागत मूल्य बढ़ गया है। लेकिन किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम नहीं मिल रहा है। सपा प्रमुख ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार में खाद के लिए लाइनों में खड़े कई किसानों पर लाठीचार्ज हुए। लाइनों में लगे-लगे किसानों की तबीयत खराब हुई और कई किसानों की जान चली गयी।

मिशन 2027 | जनता का मूड व कार्यकर्ताओं की रिपोर्ट से तय होगा भाजपा का टिकट

बिहार टिकट फार्मूले से यूपी के विधायकों को आ रहा पसीना

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- वरिष्ठता व नजदीकी दरकिनार कर टिकट देने का आधार होगा जनसमर्थन

अमृत विचार : बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा अपनाई गई 'रिपोर्ट और परफॉर्मेंस आधारित टिकट वितरण नीति' अब उत्तर प्रदेश में भी राजनीतिक हलचल का कारण बन गई है। बिहार में जहां मजबूत जनसमर्थन और कार्यकर्ता रिपोर्ट के आधार पर मौजूदा विधायकों को दोबारा मौका देने का निर्णय हुआ है, वहीं यूपी में इस फार्मूले के संकेत से ही विधायकों के माथे पर पसीना आ गया है। पार्टी अब स्पष्ट कर चुकी है कि वरिष्ठता या नजदीकी नहीं, जनता का मूड और संगठन की रिपोर्ट ही टिकट की कुंजी बनेगी।

बिहार भाजपा के प्रभारी व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि जहां रिपोर्ट मजबूत है, वहां पुराने विधायकों को दोबारा मौका मिलेगा, लेकिन जहां एंटी-इनकंबेंसी या निष्क्रियता दिखी है, वहां नए चेहरे लाए जाएंगे। महिलाओं और युवाओं को प्राथमिकता मिलेगी। यही फार्मूला अब यूपी में 'मिशन परफॉर्मेंस 2027' के तहत अपनाए जाने की तैयारी तेज हो गई है। लोकसभा चुनाव 2024 के अनुभव से भाजपा ने सबक लिया है। आधे से अधिक सांसदों की हार ने पार्टी को झकझोर दिया था। जिन सांसदों ने पांच वर्षों तक जनता से दूरी बनाए रखी, वे मोदी लहर के बावजूद हार गए। यूपी की 47 सीटों पर उतरे भाजपा सांसदों में 21 तो मोदी के नाम पर जीते, लेकिन 26 को शिकस्त मिली। दिलचस्प बात यह रही कि जिन सात सीटों पर टिकट बदले गए, वहां भाजपा को सफलता मिली। इसमें बहराइच, बरेली, देवरिया, कैसरगंज, मेरठ, फूलपुर और पीलीभीत शामिल हैं। इनसे पार्टी रणनीतिकारों को यह संदेश मिला कि चेहरे बदलने का प्रयोग जोखिम नहीं, अवसर बन सकता है। यूपी भाजपा में अब इसी प्रयोग को आगे बढ़ाने की तैयारी है।

योगी ने भी चेताया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को वाराणसी में साफ कहा कि पार्षद से लेकर सांसद तक हर जनप्रतिनिधि जनता के बीच रहे। जनता की समस्याओं को मौके पर जाकर सुने और समाधान करे। जो ऐसा करेगा, जनता उसको आशीर्वाद देती रहेगी। योगी के इस संदेश को संगठन ने 2027 की तैयारी का मार्गदर्शन माना है।

जिलों में रिपोर्ट कार्ड की चर्चा

प्रदेश भाजपा में इन दिनों रिपोर्ट कार्ड शब्द सबसे चर्चित है। विधायकों ने अब तेजी से जनसंपर्क बढ़ाना शुरू कर दिया है। संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी लगातार दौरों में स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि काम ही पहचान बनेगा। लोकसभा में कमजोर प्रदर्शन वाले क्षेत्रों के विधायकों पर सबसे पहले प्रभाव पड़ सकता है। शहरी इलाकों में बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ता असंतोष और जनसम्पर्क रिपोर्टें निर्णायक होंगी।

निकांत जैन से फिर होगी पूछताछ, ईडी ने भेजी नोटिस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- निलंबित आईएएस का है करीबी रिश्वत मांगने का आरोप

अमृत विचार : निलंबित आईएएस अभिषेक प्रकाश का करीबी निकांत जैन जमानत पर बाहर है। उसे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फिर से नोटिस भेजा है। उससे कई राज उगलवाने हैं। ईडी को निकांत के जमानत मिलने की जानकारी छापेमारी के दौरान हुई थी। वहीं, निकांत के अलावा उसके भाई सुकांत जैन की भी संपत्तियों का ब्योरा जुटा रही है।

सोलर संयत्र लगाने के लिए यूपी आई कंपनी के प्रतिनिधि विश्वजीत ने 20 मार्च को गोमतीनगर में निकांत जैन के खिलाफ आईएएस के कहने पर कमीशन मांगे जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बयान में उसने आरोप लगाया था कि इन्वेस्ट यूपी के तत्कालीन सीईओ अभिषेक प्रकाश के कहने पर निकांत ने रिश्वत मांगी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद ही निकांत को गिरफ्तार कर लिया गया था। 7 अगस्त को ईडी ने निकांत जैन के पांच ठिकानों पर छापा मारा गया था। इस दौरान पता चला कि निकांत जैन जमानत पर बाहर आ चुका है। इस बारे में किसी को पता तक नहीं चला था। ईडी ने निकांत की तलाश की लेकिन उसका पता नहीं चला। अब ईडी ने उसे फिर से नोटिस भेजा है।

न्यूज ब्रीफ

रासलीला का मंचन देखने उमड़े दर्शक

सिकंदरा। सिकंदरा कस्बे के नुमाइश मैदान पर वृंदावन धाम के बाल कलाकारों द्वारा श्रीकृष्ण लीला का मंचन जारी है। कार्यक्रम के दूसरे दिन दिखाया गया कि राजा कंस द्वारा देवकी और वासुदेव का विवाह, आकाश वाणी होने पर दोनो को कारागार में डाल देते हैं। कंस सात बच्चों की पत्थर पर पटकर हत्या कर देता है। भगवान विष्णु देवकी और वासुदेव को दर्शन देते हुए संपूर्ण व्रतांत बताते हैं। इस मौके पर कमेटी के पदाधिकारियो मे नीरज मिश्र, ज्ञान सिंह कुशवाह, अमर सिंह कुशवाह, प्रदीप माहौर, विपिन मिश्र, नंद किशोर गुप्ता, राम नारायण शर्मा आदि रहे।

वाल्मीकि जयंती पर रहेगा अवकाश

कानपुर देहात। एडीएम अमित कुमार ने बताया कि सामान्य प्रशासन अनुभाग उत्तर प्रदेश शासन ने 7 अक्टूबर, मंगलवार को निर्बन्धित अवकाश घोषित किया है। शासन स्तर पर सम्यक विचारोपरान्त महर्षि वाल्मीकि जयंती को सार्वजनिक अवकाश कर दिया गया है। यह अवकाश निगोशिएबुल इन्स्ट्रमेंट एक्ट-1881 के अधीन नहीं होगा।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू

कानपुर देहात। डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकबरपुर में हरी झंडी दिखाकर संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ किया। अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा। इस बीच 11 अक्टूबर से दस्तक अभियान भी प्रारंभ हो जाएगा। शुभारंभ के अवसर पर डीएम ने कहा कि आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ती घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें। मच्छर जनित बीमारियों से बचाव हेतु घरों के आस-पास साफ-सफाई रखे, मच्छर से बचाव के लिए पूरी बाह वाली कमीज और फुल पैन्ट पहने, स्वच्छ पेयजल ही पीने के लिए लोगों को जागरूक करें और जरूरी जानकारियां दें।

कहिंजरी की रामलीला का हुआ समापन

रसूलाबाद। बाल कलाकारों द्वारा अभिनीत की जाने वाली कहिंजरी की रामलीला के अंतिम दिवस लीला में मेघनाथ वध, रावण वध के उपरांत भगवान राम पुष्पक विमान से अयोध्या आए। सोमवार को राम राज्याभिषेक की लीला का मंचन हुआ। भगवान राम का राज्याभिषेक करने में सबसे पहले मुनि वशिष्ठ ने उनको तिलक किया। भगवान राम के तिलक होते ही पूरा पंडाल जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। इसके पश्चात माताओं ने उनकी आरती उतारी और तिलक किया। इसके साथ ही भगवान राम के राज्य सिंहासन पर आरूढ़ होते ही जनता प्रसन्न हो गई। सभी लोगों में आपसी बैर भाव समाप्त हो गया। राज्य में कहीं भी किसी भी प्रकार के दुख नहीं रह गए। इस अवसर पर अरुणेश त्रिपाठी, केशव त्रिपाठी, वैभव बाजपेई, कृष्णा तिवारी, लकी शुक्ला व्यास ऋषिकांत त्रिवेदी, मृदुल अवस्थी, लल्ला तिवारी, दुर्गेश त्रिपाठी, नीशू दीक्षित, भोलू शुक्ला, गोलू शुक्ला, सौरभ प्रधान, विकास शर्मा आदि मौजूद रहे।

प्रिंसिपल के साथ अभद्रता की रिपोर्ट

रसूलाबाद। शाहपुर महेरा गांव के प्राथमिक विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापक के साथ विद्यालय में कार्यरत शिक्षामित्र के नशेबाज बेटे ने अभद्रता की। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू की है। झींझक विकासखंड क्षेत्र के शाहपुर महेरा गांव में संचालित परिषदीय विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापक ने आरोप लगाया कि शाहपुर महेरा निवासी शिक्षामित्र देवेंद्र सिंह के शराबी पुत्र कुलदीप ने सोमवार को विद्यालय आकर गाली गलौज व अभद्रता करते हुए सरकारी कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया। अपराध निरीक्षक वीरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रधान के कार्यों की जांच को समिति गठित

कानपुर देहात। ग्राम प्रधान की अनियमितताओं को लेकर मुन्नी देवी पाल पत्नी स्व. रामपाल द्वारा 25 सितंबर को शिकायती पत्र दिया था। इस पर कार्रवाई करते हुए जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जांच समिति का गठन किया गया है। शासन के पत्र में वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत गठित जांच समिति में जिला युवा कल्याण अधिकारी तथा लोक निर्माण विभाग के अभियंता विमल मिश्रा को जांच अधिकारी नामित किया गया है। जांच अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे शिकायतकर्ता एवं ग्राम प्रधान दोनों पक्षों की उपस्थिति में समस्त बिंदुओं पर निष्पक्ष, बिंदुवार, तकनीकी मूल्यांकन कर जांच करें।

पानी के लिए रार, पुलिस ने चलाए डंडे, दो जख्मी

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः भोगनीपुर के कुसरजापुर गांव में पानी को लेकर हुए मामूली विवाद ने रविवार रात गंभीर रूप ले लिया। विवाद की खबर पर पहुंची भोगनीपुर पुलिस ने बात बिगड़ने पर डंडे चलाए। इससे गांव में हड़कंप और अफरा-तफरी मच गई। डंडे लगने से दो लोग जख्मी हुए हैं। मामले को लेकर ग्रामीणों का आरोप है कि स्थिति संभालने के बजाय पुलिस ने निर्दोष लोगों पर डंडे चलाए हैं। हालांकि पुलिस ने डंडे चलाने से इंकार किया है।

कुसरजापुर गांव में पहले मांचा में बनी पानी की टंकी से पानी की आपूर्ति की जाती थी। अब लाइन जीर्ण-शीर्ण हो गई। इससे गांव में पानी की किल्लत हो गई। तब सरकारी हैंडपंप व निजी सबमर्सिबलपंप से लोग आपसी रजामंदी से पानी लेने लगे। इस बीच कुछ लोगों ने हैंडपंप ठीक कराया और उसे बाउंड्री के अंदर कर लिया। लोग उसी में सबमर्सिबलपंप डालकर उसका उपयोग करने लगे। रविवार की रात में हैंडपंप से पानी भरने को लेकर विवाद हुआ। इस पर 112 पर सूचना दी गई। पीआरवी ने वहां पहुंचकर मामले को समझा और एसडीएम से शिकायत करने व थाने में तहरीर देने की बात कही। इस पर लोग नाराज हो गए। पीआरवी की सूचना पर पहुंचे कोतवाल अरमेन्द सिंह ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। लोग विवाद पर आमादा हो गए तो पुलिस ने डंडे चलाए। इससे मयंक व सतीश को चोटें आईं।

घायल सतीश ने बताया कि सिर्फ पानी के लिए बात की जा रही थी। इस बीच पहुंची पुलिस ने एक अधिकारी के कहने पर डंडे चला दिए। सतीश की पत्नी रेनू ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया। कहा पुलिस पति और देवर पर डंडे बरसा रही थी और उन्हें जबरन गाड़ी में डालने की कोशिश की। हड़कंप मचने पर एसडीएम देवेंद्र सिंह, सीओ संजय सिंह और कई थानों की पुलिस फोर्स पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों को शांत कराने का प्रयास किया। सीओ ने खुद पूरे गांव का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया और घंटों की मशक्कत के बाद आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराया। हालांकि पुलिस के इस रवैये से लोगों में आक्रोश बना हुआ है।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे अधिकारी। अमृत विचार

जानकारी देता घायल सतीश कुमार।

- भोगनीपुर के कुसरजापुर गांव में रविवार देर रात का मामला

हैंडपंप कब्जा मुक्त कराने के दिए निर्देश

- **कानपुर देहात।** कुसरजापुर गांव नगर पालिका परिषद की विस्तारीकरण योजना में शामिल हो गया है। सोमवार की सुबह नायब तहसीलदार सूर्य प्रकाश व पालिका ईओ अजयकुमार ने गांव पहुंचकर गांव वालों से बात की। गांव में लगे सरकारी हैंडपंपों को जहां-जहां हैंडपंप बाउंड्री के अंदर थे उन्हें वहां से बाहर करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे लोगों को नोटिस देकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

लोगों ने की सांसद चंद्र शेखर को बुलाने की मांग

- **कानपुर देहात।** मामूली विवाद के बड़ा रूप लेने के बाद जख्मी लोगों ने पुलिस पर कई आरोप लगाए। उनका कहना था कि भोगनीपुर में तैनात दो कांस्टेबलों का इतिहास खराब रहा है। उन्हीं के इशारे पर पूरी कार्रवाई हुई और मामला बढ़ा। लाठीचार्ज के बाद जमा भीड़ के बीच से नगीना सांसद चंद्रशेखर को मौके पर बुलाने की मांग भी कई लोगों ने की। कहा कि चंद्र शेखर आएंगे तो न्याय जरूर मिलेगा।

पीआरवी के जवानों को रोका

- **कानपुर देहात।** विवाद की सूचना पर पहुंचे पीआरवी कर्मियों को ग्रामीणों ने घेर कर रोक लिया। इसके बाद शोर-शराबा किया। गांव के लोगों का कहना था कि समस्या का समाधान होगा तभी पीआरवी कर्मियों को जाने देंगे। इस बीच मौका पाकर पीआरवी के जवानों ने भोगनीपुर कोतवाली को सूचना दे दी। पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद ग्रामीणों और पुलिस के बीच तनातनी हुई। एएसपी राजेश पांडेय ने कहा कि ग्रामीणों और पुलिस के बीच कहासुनी हुई है। दोनों के कार्य आचरण की समीक्षा कर विधिक और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद सीएचसी शिवली में मौजूद ग्रामीण। अमृत विचार

परिजनों और ग्रामीणों को समझातीं राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला। अमृत विचार

सड़क किनारे मिला टेंट मालिक का शव, हत्या का आरोप, हंगामा

पोस्टमार्टम के बाद ग्रामीणों ने शिवली-कल्याणपुर रोड पर शव रख लगाया जाम

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः बीती रात परिचित के साथ मेला देखने निकले टेंट संचालक का शव सोमवार सुबह सड़क किनारे संदिग्ध हालात में पड़ा मिला। परिजनों ने बाइक पर साथ मेला जाने वाले युवक पर हत्या करने का आरोप लगाया। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव को शिवली कल्याणपुर रोड पर रखकर जाम लगा दिया। पहुंची राज्यमंत्री के आश्वासन पर ग्रामीण माने।

कोतवाली शिवली के गांव बसौसी के अनूप कुमार मिश्रा (53) गांव में ही टेंट, लाइट व डीजे का काम करते थे। मृतक के पुत्र राहुल कुमार व रोहित कुमार ने बताया कि कानपुर नगर टिकरा का रहने वाला अनीश उनके पिता को बाइक से रविवार की रात मेला दिखाने के लिए लाया था। सोमवार सुबह अनूप को बाघपुर में शिवली कल्याणपुर रोड किनारे एक पेट्रोल पंप के समीप पड़ा पाया गया। सूचना पर गांव वाले व घटनास्थल पर पहुंचे। सीएचसी शिवली लाए जाने पर डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलने पर कोतवाली शिवली व बाघपुर चौकी पुलिस भी मौके पर पहुंची। इधर पत्नी संजू, लड़कियों पायल, आरती, अंजलि का रो रोकर बुरा हाल हो गया। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया मृतक के माथे पर चोट का निशान था। इंस्पेक्टर क्राइम शीलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों ने टिकरा के रहने वाले साउंड सिस्टम का काम करने वाले युवक पर कई आरोप लगाए। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू की।

अनूप कुमार।

राज्यमंत्री के आश्वासन के बाद माने ग्रामीण

शिवली। बसौसी गांव के अनूप कुमार मिश्रा का पोस्टमार्टम होने के बाद शव गांव आने पर रिपोर्ट दर्ज करने को लेकर परिजनों ने शिवली कल्याणपुर रोड पर जाम लगा दिया। करीब डेढ़ घंटे तक जाम चला। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला व अधिकारियों के समझाने पर ग्रामीण मान गए। पोस्टमार्टम के बाद अनूप का शव गांव बसौसी आने पर परिजन उत्तेजित हो गए। और आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की मांग को लेकर करीब 4.30 बजे शिवली कल्याणपुर रोड पर शव रखकर बैठ गए। इससे सड़क पर जाम लग गया। इंस्पेक्टर प्रवीण सिंह, शीलेंद्र सिंह कोतवाली का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। एसडीएम राजकुमार पांडेय, सीओ सौरभ वर्मा भी मौके पर पहुंचे। और ग्रामीणों को मनाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला मौके पर पहुंचीं। परिजनों से बात की। पुलिस ने तहरीर के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज करने की बात कही। इसके बाद परिजन करीब 6 बजे शव हटाने पर राजी हो गए। इसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली। इंस्पेक्टर ने बताया कि कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप में लड़कियों को बताए आत्मरक्षा के तरीके

कानपुर देहातः महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलंबन को लेकर सोमवार को राम प्रसाद सार्वजनिक इंटर कॉलेज रूरा में सेल्फ डिफेंस वर्कशॉप का आयोजन किया गया। हब फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन से जिला मिशन समन्वयक प्रतिमा श्रीवास्तव द्वारा विद्यालय के बालक-बालिकाओं को मार्शल आटर्स, कराटे या किसी और तरह की कोई आत्म सुरक्षा की तकनीक सीखने हेतु प्रेरित किया गया।

जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बताया गया कि आत्मरक्षा से आत्मविश्वास बढ़ेगा। यदि सेल्फ डिफैस की तकनीक है तो किसी भी खतरे की स्थिति से आप खुद की रक्षा कर सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को लिंग भेदभाव व उनके शिक्षा हेतु जागरूक किया गया। गुड टच, बैड टच संबंधित जानकारी दी गई। बालिकाओं व महिलाओं के लिए चल रही योजनाओं से संबन्धित पंपलेट वितरित किए गए। साथ ही कार्यक्रम में मातृत्व वंदना योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, कन्या सुमंगला योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर सभी टोल फ्री नंबरों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को अधिकारों, संबंधित योजनाओं, कानूनों एवं मुद्दों पर जागरूक किया गया।

मंदिर में तोड़फोड़ कर माहौल खराब करने की कोशिश की

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- गढ़ के प्राचीन मंदिर में अराजकतत्वों ने गणेश प्रतिमा और शिवलिंग को पहुंचाया नुकसान
- सीओ और एसडीएम ने संभाली स्थिति, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा

अमृत विचारः मूसानगर बांगर (गढ़) में प्राचीन राम जानकी मंदिर में बीती रात अराजकतत्वों ने तोड़ फोड़ की। गणेश प्रतिमा व शिवलिंग को नुकसान पहुंचाया। सुबह पूजा के लिए मंदिर पहुंचे ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई। सूचना पर मौके पर पहुंचे एसडीएम व सीओ ने जांच पड़ताल की। क्षतिग्रस्त मंदिर के जीर्णोद्धार के निर्देश दिए।

मूसानगर कस्बे के मुक्तेश्वरी मंदिर के पास मूसानगर बांगर (गढ़) में सैकड़ों वर्ष पुराना प्राचीन राम-जानकी मंदिर स्थित है। मंदिर की देखरेख गढ़ के ही राजन तिवारी करते हैं। इन दिनों देखरेख के अभाव में मंदिर परिसर क्षतिग्रस्त हो गया है। बीती रात मंदिर में घुसे अज्ञात अराजकतत्वों ने गणेश भगवान की प्रतिमा व शिवलिंग को नुकसान पहुंचाया। सुबह राजन तिवारी समेत गांव के लोग मंदिर में पूजन को गए तो घटना की जानकारी लगी। प्रतिमा व शिवलिंग खंडित होने की सूचना से हड़कंप मच गया। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। सूचना मूसानगर पुलिस को दी गई।

सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस ने पड़ताल की। वहीं सूचना पर मौके पर पहुंचे सीओ भोगनीपुर संजय सिंह व एसडीएम भोगनीपुर ने जांच की। लोगों से आपसी सौहार्द की अपील की। साथ ही माहौल बिगाड़ने वाले अराजकतत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। अफसरों ने मंदिर के जीर्णोद्धार व विकास के लिए आवश्यक निर्माण सामग्री देने का भी आश्वासन दिया है।

थानाध्यक्ष कालीचरण कुशवाहा ने बताया कि प्रथम दृष्टया लग रहा है कि मंदिर में अराजकतत्वों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की है। जांच की जा रही है।

नकदी-जेवर चोरी के मामले में 24 वर्ष बाद फैसला

कानपुर देहात। अटैची खोलकर 14 हजार रुपये की नकदी और जेवर चुराने की घटना में अदालत का फैसला आया है। कोर्ट ने शेखू उर्फ कोहिनूर खां पुत्र कुतुबुद्दीन खां उर्फ मुन्ना टेलर को दोष सिद्ध करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट भोगनीपुर की न्यायालय ने अदालत उठने तक की सजा व एक हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। घटना 24 वर्ष पुरानी है। 12 मई 2001 को भोगनीपुर कोतवाली में मुकदमा कायम कराया गया था।

बदलते मौसम में खांसी-जुकाम और बुखार के मरीजों की भरमार

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। बदलते मौसम का असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने लगा है। दिन में गर्मी और रात को हल्की ठंडक के कारण लोग बीमार पड़ रहे हैं। सीएचसी व पीएचसी की ओपीडी में रोजाना वायरल बुखार से पीड़ित सैकड़ों मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें से कई मरीज खांसी और जुखाम से पीड़ित हैं। कुछ मरीज सिर दर्द, बदन दर्द, गले में खराश की शिकायत लेकर भी आ रहे हैं।

सोमवार को सलेमपुर सीएचसी में बुखार पीड़ित मरीजों की भरमार रही। यहां की ओपीडी में 47 मरीजों में 16 बुखार के पीड़ित रहे। 6 मरीजों को वार्ड में भर्ती कर इलाज किया गया। बुखार पीड़ित जैनपुर गांव के राम प्रकाश (55) व भानू (20) सिलहरा गाँव की संगीता देवी (20) शिवनारायण (61) बैना गांव की आराध्या (2) मिष्ठी (30) कई दिनों से बुखार से पीड़ित थे। सीएचसी के चिकित्सकों ने सभी को वार्ड में भर्ती कर इलाज किया। इसके अलावा जुकाम खांसी व खराश और खुजली के मरीजों को दवाइयां देकर चिकित्सक आरपी सागर ने परामर्श देकर कहा कि लोग थोड़ी सी सावधानी बरत कर वायरल से बच सकते हैं। गंदा पानी और बाहर का तला-भुना खाना न खाएं। भीड़भाड़ वाले इलाकों में कम जाएं मास्क का इस्तेमाल करें और हाथ धोने की आदत डालें। उन्होंने कहा कि बदलते मौसम में वायरल बुखार आम बात है लेकिन सावधानी बरतना जरुरी है।

सलेमपुर सीएचसी में मरीजों को देखते डॉ. आरपी सागर। अमृत विचार

सड़क हादसे में बाइक सवार घायल

रसूलाबाद। छुइयां नाला असालतगंज में पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हो गया। परिजन सीएचसी ले गए। यहां से हैलेट रेफर किया गया।

जिताई का पुरवा निवासी दिनेश सिंह का बेटा नागेंद्र (24) सोमवार शाम रसूलाबाद में एक दोस्त की बर्थडे पार्टी से घर लौट रहा था। छुईया नाला के पास अनियंत्रित पिकअप ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। इससे नागेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे परिजन इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां ईएमओ डॉक्टर सौरभ शाक्य ने इलाज के बाद उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया।

बारिश का पानी बना परेशानी का सबब

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः गत दिनों हुई तेज बारिश के चलते कस्बा रसूलाबाद के तुलसी नगर, सुभाष नगर व कबीर नगर के कई रास्तों में जलभराव हो गया। जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों एवं अन्य निवासियों को तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है।

गत 30 सितंबर व 1 अक्टूबर को कस्बा रसूलाबाद में हुई बारिश के चलते नगर पंचायत के वार्ड तुलसी नगर, सुभाष नगर व कबीर नगर के कई रास्तों में पानी भर गया। इससे लोगों को घुटनों तक पानी से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। तुलसी नगर निवासी सर्वेश दुबे, माया गुप्ता, विनोद दिवाकर, सचिन यादव आदि ने बताया कि घर बच्चे स्कूल आते जाते समय पानी से होकर गुजरते हैं। इससे संक्रामक बीमारी फैलने का भी खतरा व्याप्त है। सुभाष नगर निवासी गोपाल मिश्रा, शिवम, चंद्रहास कुशवाहा आदि ने बताया कि जल भराव से समस्या हैं। 30 सितंबर को सुभाष नगर में रहने वाले रवि अवस्थी की मासूम बेटी की मौत इसी प्रकार तालाब में डूबने से हुई थी। नगर पंचायत के वरिष्ठ लिपिक अमित कुमार ने बताया सुभाष नगर में पंपिंग सेट लगाकर रस्ते में भरा हुआ पानी बाहर किया गया है। जल्द तुलसी नगर के रास्ते में भरा पानी निकला जाएगा।

रास्ते पर भरे पानी से गुजरते लोग। अमृत विचार

- रसूलाबाद कस्बे के कई मोहल्लों में जल भराव, लोग परेशान

डीएम ने की बैठक | अफसरों को पहले व्यवस्थाएं जांचने और सत्यापित करने के निर्देश

5 केंद्रों पर होगी पीसीएस-प्री, बैठेंगे 2016 परीक्षार्थी

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः जिले के 5 परीक्षा केंद्रों पर रविवार को पीसीएस प्रारंभिक की परीक्षा होगी। दो हजार से अधिक परीक्षार्थी इसमें बैठेंगे। परीक्षाओं के लिए तैयारियां लगभग पूरी हैं। सोमवार को डीएम कपिल सिंह ने सभी संबन्धित अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता एवं निष्पक्षता हर हाल में बनाए रखें।

परीक्षा के लिए अकबरपुर महाविद्यालय अकबरपुर, श्री कृष्ण औद्योगिक इंटर कॉलेज मोहम्मदपुर, श्री रामस्वरूप ग्रामोद्योग इंटर कॉलेज पुखरायां, आरपीएस इंटर कॉलेज रूरा व विवेकानंद राष्ट्रीय इंटर कॉलेज को केंद्र बनाया गया है। कुल 2016 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि केंद्रों पर सभी व्यवस्थाएं इस प्रकार हों कि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। नकल रोकने हेतु सीसीटीवी कैमरों के अलावा वीडियोग्राफी की भी व्यवस्था की जाए। संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि वह पूर्व निरीक्षण कर केंद्र की व्यवस्थाओं का सत्यापन कर लें और परीक्षा समाप्ति तक पूरी सतर्कता बरतें।

जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि सभी केंद्रों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। पर्याप्त पेयजल, स्वच्छ शौचालय, बिजली एवं पंखों की व्यवस्था दुरुस्त रहे। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग व पुलिस को निर्देश दिया कि केंद्रों के आस-पास यातायात नियंत्रण रखा जाए और परीक्षार्थियों एवं अभ्यर्थियों के वाहनों की पार्किंग के लिए समुचित व्यवस्था की जाए ताकि जाम की स्थिति न हो। साथ ही, अभ्यर्थियों के परिवहन हेतु परिवहन साधनों की उपलब्ध भी सुनिश्चित कराई जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता, नकल अथवा परीक्षा को बाधित करने वाली गतिविधियों पर तुरंत कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों निर्देशित किया कि समन्वय एवं सजगता के साथ परीक्षा संपन्न कराते हुए इसे पूरी तरह पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित कराया जाए। एडीएम अमित कुमार, सीएमओ डॉ एके सिंह, एएसपी राजेश पांडेय, डीआईओएस ब्रजभूषण चौधरी सहित सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक बैठक में उपस्थित रहे।

पीसीएस-प्री परीक्षा को लेकर अफसरों के साथ बैठक करते डीएम कपिल सिंह।

परीक्षा को लेकर धारा 163 लागू, 13 तक रहेगी प्रभावी

कानपुर देहात। पीसीएस परीक्षा : 2025 को देखते हुए जिले में धारा 163 लागू कर दी गई है। निषेधाज्ञा का आदेश 13 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा। यह जानकारी एडीएम प्रशासन अमित कुमार ने दी है। परीक्षा रविवार, 12 अक्टूबर को दो पालियों में होगी। पहली पाली में सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक परीक्षा होगी जबकि दूसरी पाली अपराह्न 2:30 बजे से 4:30 बजे के बीच होगी। परीक्षा के दौरान शांति व्यवस्था एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए कई प्रतिबंध लागू रहेंगे। एडीएम ने बताया कि परीक्षा केंद्रों एवं उनके आसपास 200 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार की फोटोकॉपी, फैक्स, इंटरनेट कैफे, साइबर कैफे आदि संचालित नहीं किए जाएंगे। परीक्षा केंद्रों के निकट पांच या अधिक व्यक्तियों का एक स्थान पर एकत्र होना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा किसी भी व्यक्ति को परीक्षा केन्द्र में मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, कैमरा, स्मार्ट वॉच, या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के साथ प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा केन्द्रों के आसपास लाउडस्पीकर, माइक या अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

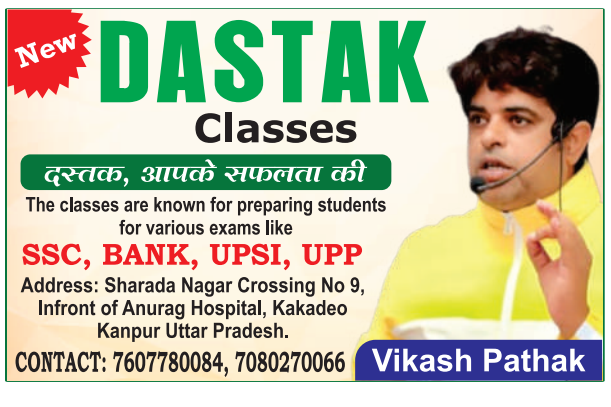

न्यूज ब्रीफ

दो बाइकों की सीधी टक्कर में 4 घायल

हमीरपुर। कस्बा निवासी तौफीक (17) पुत्र कफील अहमद, शान मोहम्मद (30) पुत्र जावेद, रिजवान (18) पुत्र कुतुबुद्दीन रविवार की देर शाम बाइक से घर आ रहे थे, तभी मलीकुआं चौराहा में सामने से आए बाइक सवार रोहित गुप्ता (18) निवासी पढ़ोरी से सीधी टक्कर हो गई, जिसमें चारों घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से एंबुलेंस में चारों लोगों को सीएचसी पहुंचाया गया, जहां शान मोहम्मद व रोहित गुप्ता की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

ग्राम प्रधान के पुत्र ने 4 पर लिखाई रिपोर्ट

हमीरपुर। क्षेत्र के चकोठी गांव के ग्राम प्रधान हरिशंकर का पुत्र मनोज ने थाने में दी तहरीर में बताया कि अपने एक साथी सर्वेश के साथ रविवार को गांव के सचिवालय के पास खड़ा था। जहां गांव निवासी नीरज, भानु प्रताप, रमेश गौतम व प्रवीण निवासी कंडोर आकर अकारण गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर मारपीट करने लगे। बीच बचाव कराने आए साथी के साथ भी मारपीट की। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चारो लोगों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एक दिवसीय रोजगार मेला 9 अक्टूबर को

हमीरपुर। जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने बताया कि 9 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय में एक दिवसीय रोजगार मेला लगेगा, जिसमें कई प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि आएंगे। अभ्यर्थी rojgaarsangam.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर अपने समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्रों व फोटो सहित मेले का लाभ उठा सकते हैं।

टीबी से बचाव की जानकारी दी गई

हमीरपुर। ऊँ हरिहर स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुंडौरा में छात्र-छात्राओं को क्षय रोग के बारे में जानकारी दी गई। निक्षय मित्र का पंजीकरण किया गया। क्षय रोग विभाग के डीपीसी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि टीबी दो प्रकार की होती है। प्रथम पल्मोनरी टीबी और दूसरी एक्ट्रानल पल्मोनरी टीबी होती है। इनके उपचार व बचाव पर प्रकाश डाला। डीसी अभिषेक सिंह चंदेल ने तीन सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, खांसी में खून, अचानक वजन घटने, शाम को बुखार और रात में पसीना आने के लक्षण बताए।

पतारा में आरएसएस ने किया पथ संचलन

हमीरपुर। पतारा गांव में आरएसएस के स्वयं सेवकों ने गणवेश व हाथ में दंड लेकर बैंडबाजे के साथ गांव का भ्रमण किया। जिला संपर्क प्रमुख रामकीरत ने सनातन धर्म के विषय में बताया और नित्य संघ की शाखा में जाने के लिए प्रेरित किया। यहां जिला शारीरिक प्रमुख शुभम द्विवेदी, खंड प्रचारक सचिन, खंड कार्यवाह विवेक पालीवाल, ओमप्रकाश सोनी, प्रद्युम्न सिंह, उपेंद्र सिंह, गणेश तिवारी रहे।

बहन से कहासुनी के बाद काटी हाथ की नस

हमीरपुर। बहन से मामूली कहासुनी के बाद युवक ने अपने हाथ की नस काट ली। जिसे परिजनों ने कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। नगर के मराठीपुरा स्थित बगिया निवासी सुमित कुमार ने बताया कि उसका बड़ा भाई अमित कुमार (26) पुत्र अजय कुमार ने बहन से मामूली कहासुनी के बाद अपने हाथ की नस काट ली। घटना के बाद परिजनों ने मोहल्लेवासियों की मदद से उसे कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

शराब पीने के लिए रुपये न देने पर दादी को मार डाला

कुरारा के घूरेपर मोहल्ले में हुई वारदात, आरोपी नाती को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर)

- पहले बाल पकड़ सिर पटका, फिर डंडे से पीट-पीट कर मारा
- पिता की तहरीर पर नशेड़ी बेटे के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

वारदात के बाद घर के बाहर लगी लोगों की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार। कस्बा के वार्ड नंबर 11 घूरेपर मोहल्ले में रविवार की रात साढ़े 11 बजे शराब पीने के लिए रुपये देने से इनकार करने पर नाती ने दादी को डंडे से पीट-पीट कर मरणासन्न कर दिया। परिवार के लोग उन्हें लेकर सीएचसी पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पिता ने नालायक बेटे के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

कस्बे के वार्ड नंबर 11 घूरेपर मोहल्ला निवासी अमर सिंह ने थाने में तहरीर देकर बताया कि रविवार की रात साढ़े 11 बजे मां आशारानी (70) खाना खाकर अपने कमरे में लेटी थी, तभी पुत्र विशाल शराब पीने के लिए उनसे रुपये मांगने लगा। नाती की आदतों से परेशान दादी आशारानी ने उसे रुपये देने से इनकार किया तो विशाल ने उनके के बाल पकड़कर कई बार दरवाजे की चौखट में सिर पटका, जिससे आशारानी के नाक से खून बहने लगा और वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। इसके बाद भी विशाल ने क्रूरता की हदें पार करते हुए डंडे से उन पर ताबड़तोड़ किए, जिससे आशारानी गंभीर रूप से घायल हो गईं। चीख-पुकार सुनकर परिजनों के साथ पड़ोसी भी दौड़े। परिवार के लोग फौरन आशारानी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां ड्यूटी में तैनात डॉक्टर ने देखते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेने के साथ ही आरोपी विशाल को हिरासत में ले लिया। कोतवाली इंस्पेक्टर रामआसरे सरोज ने बताया कि अमर सिंह की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

आशारानी।

दादी को मिली थी पिता की संपत्ति

- आशारानी करीब 20 वर्षों से कस्बे के वार्ड नंबर 11 के घूरेपर मोहल्ले में अपने मायके में रह रही थी। वह अपने पिता की एकलौती संतान थीं, जिससे माता-पिता का निधन होने के बाद पिता की सारी संपत्ति उन्हीं को मिली थी। संपत्ति मिलने के बाद वह अपने परिवार के साथ कस्बे में ही रहने लगी थीं। उनकी ससुराल जालौन जनपद के कदौरा थाना क्षेत्र के बसरिया डेरा गांव में थी। हत्या करने वाला नाती विशाल शराब के नशे का आदी है। वह रुपयों को लेकर दबाव डालता था। दादी उससे खासी परेशान रहती थीं। शराबी होने के कारण ही उसकी अभी तक शादी नहीं हुई है।

डीआरएम का आदेश ठेंगे पर नहीं ठीक हुआ एटीवीएम

संवाददाता बिल्हौर

खराब पड़ा एटीवीएम। अमृत विचार

अमृत विचार। यात्रियों की सुविधा के लिए बिल्हौर रेलवे स्टेशन पर लगाई गई ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन पिछले दो सप्ताह से अधिक समय से खराब पड़ी है, गंभीर बात यह है कि दो सप्ताह पूर्व इज्जतनगर मंडल की डीआरएम) ने मशीन को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन स्थानीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते यह आदेश हवा हो गया है ।

एटीवीएम खराब होने से यात्रियों को टिकट लेने के लिए एकमात्र काउंटर पर निर्भर रहना पड़ता है। त्योहारों और सामान्य दिनों में भी काउंटर पर लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे यात्रियों का काफी समय बर्बाद होता है। कई बार जल्दबाजी में यात्री बिना टिकट लिए ही ट्रेन में सवार होने को मजबूर हो जाते हैं। दैनिक यात्रियों और कम दूरी की यात्रा करने वालों के लिए यह समस्या विकट हो जाती है।

डीआरएम के निर्देश की अनदेखी: लगभग दो सप्ताह पहले डीआरएम इज्जतनगर ने बिल्हौर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया था। इस दौरान यात्रियों की शिकायत पर उन्होंने खराब पड़ी एटीवीएम मशीन को देखा था और तत्काल प्रभाव से उसे ठीक कराने के निर्देश दिए थे। डीआरएम के निर्देश के बावजूद, अधिकारी इस महत्वपूर्ण सुविधा को बहाल करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं।

समाज को बांटने का कार्य कर रहा विपक्ष : अभिजीत सांगा

संवाददाता घाटमपुर

विधायक अभिजीत सिंह सांगा का स्वागत करते कार्यकर्ता। अमृत विचार

अमृत विचार। बिठूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने आज भीतरगांव मंडल के कुढ़नी में कार्यकर्ता सम्मेलन किया। इसमें रातेपुर, कुढ़नी, रसूलपुर उमरा, बरईगढ़ और गाजीपुर सेक्टर के कार्यकर्ता और प्रधान सम्मिलित हुए। यहां पर जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व विधायक अजय कपूर मौजूद रहे।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने कहा कि 15 वर्ष पूर्व जब मैं इस क्षेत्र में आप लोगों के बीच में आया था तब आप लोगों के लिए मैं अपरिचित था लेकिन आप लोगों के आशीर्वाद से आज गांव गांव का प्रत्येक व्यक्ति हमसे परिचित है। उन्होंने कहा की पूर्व की सरकारों ने कुढ़नी क्षेत्र की उपेक्षा की है, जिस कारण इस क्षेत्र की पहचान एक पिछड़े क्षेत्र के रूप में रही है, लेकिन अब प्रदेश की भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा इसी क्षेत्र में डिफेन्स कॉरिडोर की स्थापना कराकर इस क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के अवसर खोल दिए गये हैं। आज विपक्ष के पास जाति की राजनीति करने के अलावा कुछ नहीं बचा है। विपक्ष समाज को बांटने का काम कर रहा है । वहीं जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान ने कहा कि सिर्फ भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता ऐसा है जो बिना स्वार्थ के पार्टी के कार्य पूरी निष्ठा के साथ करता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित अजय कपूर ने कहा कि मैने कई विधायकों के कार्यों को नजदीक से देखा है लेकिन जिस तरह से विधायक अभिजीत सिंह सांगा अपने क्षेत्र के लिए समर्पित है उस तरह से शायद ही कोई समर्पित रहता होगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से दिलीप सैनी, जिला महामंत्री धीरेन्द्र सिंह, राजू परिहार आदि लोग मौजूद रहे।

अनियंत्रित होकर गिरी बाइक, युवक घायल

घाटमपुर। घाटमपुर के साढ़ थाना क्षेत्र के गोपालपुर मोड़ के पास एक बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिर गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे तत्काल एंबुलेंस से भीतरगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

साढ़ थाना प्रभारी अवनीश कुमार ने बताया कि अनिल 40 पुत्र रामकिशोर निवासी जनपद फतेहपुर साढ़ चौराहे से जहानाबाद की तरफ से अपनी मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी अचानक अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की ख़बर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एम्बुलेंस से भीतरगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां पर मौजूद डॉक्टरों ने उसका प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे हैलट के लिए रिफर कर दिया।

संस्थान को अपनी मां के समान मानें : आरसी त्रिवेदी

संवाददाता घाटमपुर

श्री शक्ति डिग्री कॉलेज में आरसी त्रिवेदी का स्वागत करते आयोजक। अमृत विचार

अमृत विचार। घाटमपुर के श्री शक्ति डिग्री कॉलेज साखाहारी के संस्थापक व उत्तर प्रदेश बैंक ऑफ़ बड़ौदा एम्पलाइज यूनियन के संस्थापक एवं बैंक ऑफ बड़ौदा एम्पलाइज फेडरेशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसी त्रिवेदी का स्वागत किया गया। वे बैंक ऑफ बड़ौदा एम्पलाइज यूनियन के स्वर्ण जयंती के अवसर पर आये थे। सोमवार को श्री शक्ति डिग्री कॉलेज के शिक्षकों, प्राचार्य, छात्र छात्राओं आदि ने कहा कि महाविद्यालय संस्थापक के सम्मान से पूरा महाविद्यालय गौरवान्वित है।

इस अवसर पर श्री त्रिवेदी ने यूनियन के वर्तमान पदाधिकारियों को सीख देते हुए कहा कि यूनियन के शीर्ष पदाधिकारियों को कर्मचारियों की छोटी से छोटी समस्याओं के प्रति भी बहुत संवेदनशील होना चाहिए तथा यूनियन के प्रत्येक सदस्य से सीधा संपर्क और संवाद रखना चाहिए। श्री त्रिवेदी ने बैंक कर्मचारियों से कहा कि जिस संस्थान/बैंक मे नौकरी कर रहे है उस संस्थान को माता के समान मानिए और पूरी लगन और निष्ठा से अपना कर्तव्य निभाएं। वहीं मुंबई से आये यूनियन के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलिंद नादकर्णी ने कहा कि श्री आर सी त्रिवेदी ने बैंक कर्मचारियों के हित मे इतने अधिक काम किए है कि उन्हें गिनाया नहीं जा सकता। प्रदेश महामंत्री करुणेश शुक्ला ने कहा कि आर सी त्रिवेदी से ही उन्होंने यूनियन के बारे मे बहुत सी बारीकियां सीखी हैं। इस अवसर पर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि नए साथी कल्पना भी नहीं कर सकते कि उस समय यूनियन कितनी ताकतवर होती थी।

भाजपा जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान का किया स्वागत

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर के भीतरगांव ब्लॉक के कुंदौली गांव पहुंचे भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान का कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान तमाम भाजपाई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कुंदौली गांव के प्राचीन काली मंदिर पहुंचे भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान का जय बजरंग बली समिति के अध्यक्ष आशु राणा व अन्य भाजपाइयों द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने मंदिर में काली जी के दर्शन करके आशीर्वाद लिया। इसके उपरांत उन्होंने वहां पर मौजूद लोगों से उनकी समस्याओं को जाना। साथ समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन भी दिया।

इस अवसर पर गोविंद शुक्ला, सोनू परिहार, नीशू राणा, शिवेंद्र सिंह, आशुतोष त्रिपाठी सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष उपेंद्र पासवान का स्वागत करते भाजपाई। अमृत विचार

कालिया नाग का मान मर्दन करते ही लगे जय श्री कृष्ण के जयकारे

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। नगर में मां कुष्मांडा मंदिर के सरोवर में नाव के सहारे पहुंचे भगवान श्री कृष्ण ने कालिया नाग का मान मर्दन किया। कालिया नाग का मर्दन होते ही वहां पर मौजूद श्रद्धालुओं ने जय श्रीकृष्णा के जयकारे लगाये। इसके बाद करीब एक दर्जन झांकियों के साथ नगर के मुख्य मार्ग में शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का नगर में जगह जगह स्वागत किया गया।

घाटमपुर नगर स्थित मां कूष्मांडा देवी मंदिर परिसर स्थित सरोवर में शुरू हुए नागलीला कार्यक्रम में आयोजकों द्वारा एक नाव का निर्माण किया गया था जिसमें संगीत मंडली के साथ भगवान श्री कृष्ण, भैया बलराम के साथ सवार थे। सरोवर के मध्य में नाव पर सवार होकर पहुंचे भगवान श्री कृष्ण ने मौजूद कालिया नाग का मान मर्दन किया। इस दौरान घाट के चारों ओर एकत्र दर्शकों की भारी भीड़ ने जमकर जय श्रीकृष्णा के जयकारे लगाए। इस दौरान भगवान श्री कृष्ण व बलराम जी की पन्नालाल ज्वैलर्स (राजू गुप्ता) व शिवानी स्टोर (जीतेन्द्र गुप्ता) ने सपरिवार आरती की और मिष्ठान इत्यादि अर्पित किया। इस दौरान रामचंद्र गुप्ता, गोविंद स्वरूप ओमर, लखन लाल शिवहरे, अमित गुप्ता, रामकिशुन गुप्ता, अध्यक्ष पंकज ओमर, कोषाध्यक्ष दिनेश लाला, महामंत्री विपिन ओमर, मंत्री रामजी ओमर, प्रभात ओमर, अनुराग गुप्ता, ऋषभ ओमर, संगठन मंत्री अपूर्व गुप्ता, गोविंद ओमर, प्रियांशू ओमर, शुभम ओमर, हिमांशु शिवहरे आदि उपस्थित रहे।

कंस का वध होते ही हुई आतिशबाजी

- घाटमपुर। नगर में गांधी विद्यापीठ इंटर कॉलेज में श्री कृष्ण लीला कमेटी द्वारा कंस वध एवं आतिशबाजी और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। भगवान श्री कृष्ण द्वारा कंस का वध किया गया। इस कार्यक्रम के संरक्षक रामचंद्र गुप्ता ने बताया कि नगर में विगत कई वर्षों से सांस्कृतिक कार्यक्रम श्री कृष्ण लीला कमेटी के माध्यम से आयोजित किये जाते हैं। इस दौरान रामचंद्र गुप्ता, प्रदीप ज्वैलर्स (प्रदीप गुप्ता), गोविंद स्वरूप ओमर, लखन लाल शिवहरे, अमित गुप्ता, रामकिशुन गुप्ता, अध्यक्ष पंकज ओमर, कोषाध्यक्ष दिनेश लाला, महामंत्री विपिन ओमर, मंत्री रामजी ओमर, प्रभात ओमर, अनुराग गुप्ता, ऋषभ ओमर, संगठन मंत्री अपूर्व गुप्ता, गोविंद ओमर, हिमांशु शिवहरे आदि उपस्थित रहे।

महिला के साथ मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

चौबेपुर। क्षेत्र के किशुनपुर गांव में पुराने विवाद के चलते महिला के साथ मारपीट की गई। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू की है। क्षेत्र के किशुनपुर गांव की निवासी प्रतिमा पुत्री शिव बालक शर्मा ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि गांव की राखी शर्मा पत्नी रवि शर्मा व नितेश शर्मा आदि से उनका पुराना विवाद चला आ रहा है। मामले को लेकर गत गुरुवार को उक्त लोगों ने उसके साथ गाली गलौज की। विरोध करने पर मारा पीटा। जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं। मामले में प्रभारी निरीक्षक आशीष कुमार चौबे ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कार्रवाई की जा रही है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम MOHD JALALUDDEEN से बदलकर JALALUDEEN रख लिया है भविष्य में मुझे JALALUDEEN के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O RAJJAK ALI, ADD - IDEA TOWER UPARI MANDAI SANDILA HARDOI -241204

सूचना

मैंने अपने पुत्र वैभव सिंह व पुत्रवधू सपना सिंह को गलत आचरण के चलते सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके किसी कार्य व लेन-देन से मेरा व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। **बलवंत सिंह पुत्र भग्गू सिंह निवासी ग्राम उमरी, तहसील मोदहा, जिला हमीरपुर**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम मो0 शारिक (MOHD SHARIK) पुत्र श्री मो0 इरसाद (MOHD IRSHAD) से बदलकर मो0 शारिक (MO SHARIK) पुत्र श्री मो0 इरसाद (MO IRSHAD) रख लिया है अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **मो0 शारिक पुत्र श्री मो0 इरसाद, निवासी- ग्राम व पोस्ट-हडहा जनपद-उन्नाव उ0प्र0**

NOTICE

This is to inform the general public that my name KALIM S/O NANHE was. On 20 August 2025, I changed it to: I wish to be known by this name MO KALIM S/O NANHE in the future. I am a resident of Semra Post, Mohammadpur, Police Station Katra Bazaar, District Gonda.

सूचना

मैं MOHD ILIYAS KHAN पुत्र Maqbool Ahmad khan निवासी: 10A/46, वृन्दावन योजना, लखनऊ का स्थायी निवासी हूँ, मैंने अपना नाम MOHAMMAD ILIYAS KHAN/ MOHD ILIYAS से बदलकर MOHD ILIYAS KHAN रख लिया हैं। आज से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।

सूचना

सूचित हो कि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट, जिसका अनुक्रमांक 211515779, वर्ष 2021 है, वास्तव में कहीं खो गई है। **ओम शांति पुत्र हीरालाल, मां कमली देवी पोस्ट बिहरवां, नैनी बांगर राजापुर (चित्रकूट) उत्तर प्रदेश -210207**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम की पालिसी 213384184 में मेरा नाम बदनामवारिश पाल अंकित हो गया है। जबकि मेरे शैक्षिक प्रमाण पत्रों में वीरेंद्र कुमार ही अंकित है। बदनामवारिश पाल व वीरेंद्र कुमार दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। जिसे वीरेंद्र कुमार के नाम से जाना पहचाना जाए। **वीरेंद्र कुमार पुत्र रामशंकर पाल निवासी ग्राम पूरे झाऊ मजरे सहन टेकारी पो. टेकारी दांदू, रायबरेली, उत्तर प्रदेश।**

सूचना

सूचित हो कि मैं **वसीउल्लाह खां पुत्र समीउल्लाह खां निवासी मो. सुदामापुरी वार्ड-9 थाना कोतवाली तहसील व जिला सीतापुर** का हूँ। मेरी पुत्री Hazra Fatima के विद्यालय अभिलेखों में Hazra Fatima के स्थान पर गलत नाम Hajra Fatima दर्ज हो गया है जब कि पुत्री का सही नाम आधार कार्ड पर Hazra Fatima अंकित है। अतः पुत्री के विद्यालय के अभिलेखों में गलत नाम Hajra Fatima के स्थान पर सही नाम Hazra Fatima अंकित किया जाय।

आयोजन | गर्भवती महिलाओं की गोद भराई करके फल व पोषण अन्न भेंट किया

पोषण मेले में शिशुओं का कराया अन्नप्राशन

संवाददाता, चौबेपुर

राष्ट्रीय पोषण मेले में मौजूद गर्भवती महिलाएं व शिशु। अमृत विचार

अमृत विचार। आठवें राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को ब्लॉक मुख्यालय में पोषण मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की गोद भराई के साथ शिशुओं का अन्नप्राशन भी कराया गया।

चौबेपुर ब्लॉक मुख्यालय में आयोजित आठवें राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला व राज्य महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद राज्य महिला आयोग की सदस्य ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म पूरी की। साथ शिशुओं का अन्नप्राशन भी कराया। बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं व शिशुओं के स्वास्थ्य पोषण को बढ़ावा देना है। गोद भराई एक पारंपरिक रस्म है,जिसमें गर्भवती महिलाओं का सम्मान किया जाता है। इस दौरान महिलाओं को चुन्नी ओढ़ाकर व टीका लगाकर पोषण युक्त फल व अनाज भेंट कर इस स्थिति में स्वस्थ रहने का लिए पौष्टिक आहार लेने और टीकाकरण के बाबत महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इसके अलावा शिशुओं के अन्नप्राशन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि यह शिशु के जीवन का पहला अवसर होता है, जिसमे उसे मां के दूध के अलावा ठोस आहार खिलाया जाता है। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की सदस्य व ब्लॉक प्रमुख के अलावा बीएसए सुरजीत सिंह, खंड विकास अधिकारी यशवीर सिंह, सीडीपीओ राम जानकी, सुपरवाइजर रुचि शर्मा, एडीओ पंचायत मुकेश यादव मौजूद रहे।

नेयवेली पॉवर प्लांट में हादसा एक मजदूर की मौत, 3 घायल

हमीरपुर। कानपुर नगर के सजेती थाना क्षेत्र के नेयवेली पावर प्लांट में सोमवार को एक यूनिट में काम करते समय हादसा हो गया, जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि तीन मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए।

यमुना पार करीब पांच किमी दूर सजेती थाना क्षेत्र में नेयवेली थर्मल पावर प्लांट है, जिसमें आसपास के जनपदों सहित कई प्रदेशों के मजदूर अलग-अलग यूनिट में काम करते हैं। सोमवार को एक यूनिट में काम करते समय हादसा हो गया। एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों को लेकर आए मजदूर जयशंकर ने बताया कि सोमवार को प्लांट के अंदर लोहे के स्ट्रैक्चर में काम चल रहा था। प्रेशर जैक लगाने के दौरान अचानक पूरा स्ट्रैक्चर ढह गया, जिसकी चपेट में आने से फतेहपुर जिले के सुल्तानगढ़ निवासी नंदकिशोर (50), चांदपुर क्षेत्र के गोविंदपुर बिलारी निवासी शिवचंद्र (25) पुत्र गौरीशंकर, पारा धनई निवासी सत्यप्रकाश (35) और रायबरेली के हिसामपुर का शिवसागर (30) पुत्र गंगाराम, घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां नंदकिशोर को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया गया। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया ।

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, मंगलवार 7 अक्टूबर 2025

सुविचार

नाव जल में रहे लेकिन जल नाव में नहीं रहना चाहिए, इसी प्रकार साधक जग में रहे लेकिन जग साधक के मन में नहीं रहना चाहिए।

-रामकृष्ण परमहंस

कानपुर के प्रमुख समाचार

- सदन से पहले पार्षदों का 'गृहकर' पत्र, चर्चा को मांगा समय- II
- नगर कीर्तन में गूंजाः जो बोले सो निहाल,सतश्री अकाल- III
- करवाचौथ पर बाजार में आई हल्की ज्वेलरी- IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

शहर में आज

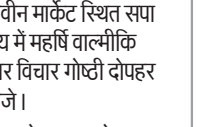

- **स्थापना दिवस :** राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का स्थापना दिवस समारोह सुबह 11:00 बजे।
- **संगमन :** मॉल रोड गीतांजलि गेस्ट हाउस में जीएसटी दरो के संबंध में व्यापारी संगमन दोपहर 3:30 बजे।
- **गोष्ठी :** नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती पर विचार गोष्ठी दोपहर 3:30 बजे।
- **विमोचन :** साकेत नगर होटल मंदाकिनी रॉयल में दो पुस्तकों का विमोचन कार्यक्रम दोपहर 3:30 बजे।
- **सम्मेलन :** मैथोडिस्ट चर्च में पास्टर्स सोशल वेलफेयर द्वारा वार्षिक मसीह सम्मेलन शाम सात बजे।
- **सम्मान :** गैंजेस क्लब में वरिष्ठ नागरिक सहयोग समिति द्वारा वरिष्ठनों का सम्मान शाम सात बजे।
- **डांडिया रास :** रतन ऑर्बिट स्थित मंदिर परिसर में मंदिर समिति की ओर डांडिया रास शाम 7:30 बजे।
- **जन्मोत्सव :** महर्षि वाल्मिकी जन्मोत्सव केंद्रीय मेला कमेटी द्वारा वाल्मिकी उपवन मोती झील में जन्मोत्सव व मेला शाम को पांच बजे।

सिटी ब्रीफ

हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा

कानपुर। वार्ड नंबर 13 में जलकल विभाग की लापरवाही से हजारों लीटर पानी रोज बह रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कुछ समय पूर्व भी इसी तरह की लीकेज के चलते एक घर में दरारें आ गई थीं। पानी बहने की वजह से जर्जर हुई हालत में पड़ी सड़कें हादसों को न्योता दे रही हैं। बताया कि विधायक नीलिमा कटियार ने जनसुनवाई भी की थी, लेकिन हालात सुधरे नहीं हैं।

आज आएंगे केंद्रीय मंत्री

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में मंगलवार को केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी संस्थान के स्थापना दिवस पर शिरकत करने आ रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान वे संस्थान के पूर्व छात्रों और देशभर से चुने गए किसानों को सम्मानि भी करेंगे। इस दौरान वे संस्थान में बनने वाले 350 बेड के हॉस्टल का शिलान्यास भी करेंगे।

पकड़ी बिजली चोरी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने सोमवार को पांच परिसरों में बिजली चोरी पकड़ी। केस्को मीडिया प्रभारी श्रीकांत रंगीला के मुताबिक तलाक महल में तारा बानो, रेशमा, रशीदा, हीना कैशर और नाजरा परवीन के खिलाफ बिजली चोरी की एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके साथ क्षेत्र में बिजली चोरी नहीं करने के लिए लोगों को जागरूक भी किया गया।

ग्रीनपार्क में दर्शक दीर्घा की क्षमता 50,000 होगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सांसद रमेश अवस्थी ने मंडलायुक्त के साथ किया ग्रीनपार्क का निरीक्षण
- विश्वस्तरीय सुविधाएं होंगी, ऑल वेदर स्टेडियम की तर्ज पर विकसित होगा

अधिकारियों के साथ ग्रीनपार्क का निरीक्षण करते सांसद रमेश अवस्थी। अमृत विचार

अमृत विचार। ग्रीनपार्क स्टेडियम का कायाकल्प मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में शामिल है। यह स्टेडियम कानपुर की खेल पहचान और गौरव का प्रतीक है, जिसे विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित कर ऑल वेदर स्टेडियम के रूप में विकसित करने की तैयारी है। ग्रीनपार्क स्टेडियम की दर्शक दीर्घा की क्षमता 50,000 होगी। सोमवार को सांसद रमेश अवस्थी ने निरीक्षण के बाद यह बात रही।

सांसद रमेश अवस्थी एवं मंडलायुक्त के. विजयेन्द्र पाण्डियन ने ग्रीनपार्क का निरीक्षण करके सुविधाएं देखीं। स्टेडियम के जीर्णोद्धार एवं आधुनिकीकरण के लिए महत्वपूर्ण बैठक भी हुई। सांसद ने स्टेडियम में दर्शक क्षमता को 50,000 तक बढ़ाने, ड्रेनेज सिस्टम के उन्नयन, मीडिया सेंटर के नवीनीकरण, मल्टीलेवल पार्किंग, क्लब हाउस एवं गेस्ट हाउस जैसी राजस्व-सृजन सुविधाओं के समावेशन पर बल दिया। इस अवसर पर 'बी ग्राउंड पर क्रिकेट प्रैक्टिस एरिना विकसित करने का भी प्रस्ताव रखा गया। सांसद ने उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) को निर्देशित किया कि 15 अक्टूबर तक विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर प्रस्तुत करें। उन्होंने खेल विभाग, यूपीसीए एवं प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय के लिए एक नोडल अधिकारी नामित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में मंडलायुक्त पाण्डियन ने कहा कि यूपीसीए आर्किटेक्ट के साथ समन्वय स्थापित कर प्रस्तावित डिजाइन को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप फ्यूचरिस्टिक स्वरूप में तैयार करें ताकि ग्रीनपार्क स्टेडियम को पुनः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (नगर) डॉ. राजेश कुमार, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विवेक चतुर्वेदी, तहसीलदार सदर विनय द्विवेदी, यूपीसीए के सचिव अरविंद श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी (यूपीसीए) सुशील कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी भानु प्रसाद सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नौबस्ता में खुले नाले में गिरकर मजदूर की मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रविवार रात से लापता था सोमवार सुबह मिला शव

अमृत विचार। शहर में खुले नाले जानलेवा साबित हो रहे हैं। आए दिन कोई न कोई इनकी चपेट में आकर जान गवां रहा है, लेकिन नगर निगम के अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। रविवार रात नौबस्ता थानाक्षेत्र के अंबेडकर चौराहा पर खुले तीन फिट गहरे नाले में गिरने से मजदूर की मौत हो गई। सोमवार सुबह राहगीरों ने शव पड़ा देख पुलिस को सूचना दी, जिसकी के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत की पुष्टि हुई है।

बूढ़पुर मछरिया निवासी 40 वर्षीय सरवन मजदूरी करता था। परिवार में छोटा भाई पुती और कोयला नगर निवासी बहन सन्नोदवी हैं। बहन सन्नो के मुताबिक 20 साल पहले माता-पिता की मौत हो गई थी। सरवन की पत्नी भी शादी के दो दिन बाद उसे छोड़कर चली गई थी, जिसके बाद से वह शराब का लती हो गया था। वह छोटे भाई के साथ पैतृक मकान में रहता था। रविवार रात उसके घर नहीं लौटने पर सोमवार सुबह तलाश की जा रही थी। इसी दौरान लोगों से अंबेडकर चौराहे के पास खुले नाले में युवक का शव मिलने की जानकारी हुई। मौके पर पहुंची तो पुलिस ने शव को बाहर निकलवा लिया था, जिसकी पहचान उन्होंने सरवन के रूप में की। नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि मजदूर शराब का लती था। रविवार रात को उसे ठेके पास ही देखा गया था। तलाशी में उसके पास से शराब का क्वार्टर मिला है।

दिवाली से पहले सड़ रहा शहर सड़कों पर कूड़ा इधर-उधर

नाकाम नगर निगम कूड़ा उठान नहीं कर पा रहा, मुख्य मार्गों पर भी पसरी गंदगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 151 घंटे के सफाई अभियान के बाद अधिकारी शहर को भूल गए
- डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन भी प्रभावित, नहीं पहुंच रहीं गाड़ियां

सर्वोदय नगर में सड़क पर फेंका गया कूड़ा। अमृत विचार

अमृत विचार। दिवाली से पहले शहर की सड़कों पर गंदगी का अंबार है। मुख्य सड़कों के साथ ही गली-मोहल्लों में कूड़े के ढेर लगे हैं। घरों-प्रतिष्ठानों की सफाई के बाद बड़ी मात्रा में कूड़ा निकल रहा है, जिसे नगर निगम उठाने में नाकाम साबित हो रहा है। आलम यह है कि कई वार्डों में डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने में भी कर्मचारी हांफने लगे हैं। कई चक्कर लगाने के बाद कर्मचारी नदारद हो जा रहे हैं। इससे लोग सड़कों पर कूड़ा फेंकने लगे हैं। अगर यही हाल रहा तो आने वाले दिनों में शहर की हालत और भी खराब हो सकती है।

नगर निगम ने महात्मा गांधी की जयंती पर 156 घंटे का अनवरत स्वच्छता अभियान पखवाड़ा चलाया। इसके तहत पूरे शहर में लगातार अभियान चलाकर अलग-अलग इलाकों में गैंग लगाकर सफाई की गई। लेकिन, इसके बाद फिर से अधिकारी व कर्मचारी सुस्त हो गए। मौजूद समय में दिवाली को लेकर घरों में साफ-सफाई चल रही है। जिसके चलते बड़ी मात्रा में कूड़ा घरों से निकल रहा है। संसाधनों और कर्मचारियों की कमी की वजह से यह कूड़ा अब आफत बन गया है। कूड़ा ट्रांसफर स्टेशनों पर नहीं पहुंच पा रहा है। इसकी वजह से सड़क पर कूड़ा बजबजा रहा है। वहीं, पारंपरिक कूड़ा घरों पर तो कूड़े के पहाड़ एकत्र हो गए हैं। जिसे उठाकर नगर निगम पनकी डंप भी नहीं पहुंचा पा रहा है।

हाईवे पर कूड़ा प्रतिबंधित क्षेत्र के लगाए बोर्ड

- नेशनल हाइवे अथॉरिटी ने शहर के बाहरी क्षेत्र बर्रा से श्याम नगर तक सड़क किनारे कूड़ा प्रतिबंधित क्षेत्र के बोर्ड लगा दिए हैं। पिछले काफी समय से यहां लोग कूड़ा फेंक रहे थे। जिससे राहगीरों को गंदगी और बदबू से परेशान होना पड़ रहा था। अथॉरिटी ने चेतावनी दी है कि यदि कोई कूड़ा फेंकता पकड़ा गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सड़कों और डंप में फेंक रहे कूड़ा

- सर्वोदय नगर आरटीओ के पास बने कूड़ाघर में बड़ी मात्रा में कूड़ा डंप हो रहा है। इससे आस-पास वालों का रहना मुश्किल हो गया है। शास्त्री नगर पुलिया चौराहे के पास भी सफाई कर्मचारी सड़क किनारे रोजाना कूड़ा डंप कर रहे हैं। यहां स्थानीय लोग भी कूड़ा फेंक जा रहे। साकेत नगर जोन 3 इंजीनियरिंग विभाग के बाहर भी कूड़ा लोग फेंक रहे हैं। गोविंद नगर, किदवई नगर, बर्रा, नयागंज, बाबूपुरवा, नौबस्ता, रावतपुर, कल्याणपुर, जूही के कई क्षेत्रों में कूड़े न उठने की शिकायत दर्ज की जा रही है। यहां सड़क व कूड़ा अड्डों पर बड़ी मात्रा में कूड़ा डंप हो रहा है। डोर टू डोर कर्मचारी घरों से कूड़ा नहीं ले रहे।

घंटाघर में आटो-ई-रिक्शा की अराजकता से जाम लगा। अमृत विचार

उत्तर-दक्षिण का संपर्क टूटा, भीषण जाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गोविंद नगर, नंदलाल चौराहा, दीप सिनेमा तक लगी वाहनों की लंबी कतारें लगीं
- घंटाघर, एक्सप्रेस रोड, माल रोड, परेड, टाटमिल, झकरकटी पुल पर घंटों जाम

अमृत विचार। सोमवार का दिन महानगर के लिए कानपुर के बजाय जैसे जामपुर बन गया। जगह जगह यातायात बुरी तरह से ध्वस्त रहा जिससे उत्तर-दक्षिण के मध्य संपर्क टूटा रहा। सबसे अधिक जाम गोविंदनगर, चावला मार्केट चौराहा, नंदलाल चौराहा, दीप सिनेमा तिराहा, घंटाघर, एक्सप्रेस रोड, झकरकटी पुल, टाटमिल पर रहा, यहां घंटों वाहन सवार फंसे रहे। टाटमिल पर रात आठ बजे तक जाम नहीं खुल सका था।

सोमवार को दोपहर में कड़ाके की धूप निकलने के कारण उमस भरी गर्मी से शहर बेहाल था और जाम ने लोगों को और बेहाल कर दिया। गोविंद नगर में चावला मार्केट का जाम दीप तिराहे तक पहुंच गया जिससे सैकड़ों वाहनों की लंबी लाइन लग गई। स्थिति ये रही कि लोगों ने गलियों का सहारा लिया तो गलियां भी जाम हो गईं। दायें बायें जल्दी निकलने के चक्कर में एक बुजुर्ग महिला के पैर पर लोडर चालक ने लोडर चढ़ा दिया जिससे वह दर्द से कराह उठी।

उधर झकरकटी बस अड्डे पर बसों के खड़े होने के कारण घंटों टाटमिल तक भीषण जाम लगा रहा। यहां एक टीएसआई, एक सिपाही, कुछ होमगार्ड व्यवस्था संभालने के लिए लगाए थे लेकिन उन्होंने जाम छुड़ाने की कोई कोशिश नहीं की। जब टीएसआई से बात की गई कि इतना जाम लगा है, उसे हटवाएं तो टीएसआई का कहना था कि परिवहन की ओर से कोई मदद नहीं मिल रही है इसलिए जाम नहीं हट पा रहा है। इसी प्रकार घंटाघर से टाटमिल जाने वाले मार्ग पर भीषण जाम लगा, हालांकि यहां ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए टीएसआई को लगाया गया था लेकिन जाम ने विकराल रूप लिया। ऐसे ही घंटाघर से एक्सप्रेस रोड पर उलटी दिशा से वाहनों के आने से जाम ने विकराल रूप ले लिया। घंटाघर से मूलगंज होते हुए यतीमखाना मार्ग जाम रहा। बड़ा चौराहा, माल रोड, चार्लिस चौराहा परेड, खड़खड़े वाला चौराहा, यतीमखाना चौराहा, डॉ. बेरी चौराहा, तलाक महल, आदि क्षेत्रों में जाम रहा।

बच्ची से रेप में आजीवन कारावास

कानपुर। जूही में 8 साल की बच्ची से रेप करने वाले युवक को एडीजे-22 की कोर्ट ने दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

जूही थानाक्षेत्र निवासी पीड़ित पिता ने 4 नवंबर 2016 को एफआईआर दर्ज कराते हुए बताया था कि उनकी 8 वर्षीय बेटी दोपहर करीब 2 बजे घर के बाहर खेल रही थी। तभी पड़ोस में रहने वाला उदयराज पाल वीडियो गेम खेलने के बहाने से बेटी को अपने घर ले गया था। वहां आरोपी ने बेटी से दुष्कर्म किया था। बेटी के शोर मचाने पर वह मौके पर पहुंचे थे, जिसपर बेटी ने रोते हुए आपबीती बताई थी। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करके आरोपी को जेल भेजा था। एडीजे-22 रघुबर प्रसाद की कोर्ट ने सुनवाई के बाद दोषी को सजा सुनाई।

ट्रेन में भारी भीड़ में दम घुटा, मजदूर की मौत

कानपुर। दीपावली पर घर लौट रहे मजदूर की ट्रेन में भीड़भाड़ के दौरान हालत बिगड़ गई। सेंट्रल स्टेशन पर साथियों ने जीआरपी की मदद से उसे लोको अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने ट्रेन में भीड़भाड़ के चलते दम घुटने से मौत होने का आरोप लगाया है।

मूलरूप से कुशीनगर जनपद के रवीन्द्र नगर पडरौना धरमपुर बुजुर्ग निवासी 32 वर्षीय ज्ञानेंद्र कुमार गोंड बड़ोदरा में एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में मजदूरी करता था। परिवार में पत्नी रानी और आठ माह का बेटा देवेश है। ज्ञानेंद्र तीन भाइयों में बड़े थे उनके दो अन्य छोटे भाई जैनेंद्र और पीयूष हैं। दोनों भाइयों ने बताया कि शनिवार शाम ज्ञानेंद्र बड़ोदरा-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन से चले थे उनके साथ उनकी दो अन्य साथी मिंटू पाल और श्रीप्रसाद भी साथ थे। उन्होंने बताया कि ट्रेन में काफी भीड़ थी जिससे ज्ञानेंद्र को उलझन हो रही थी। रविवार शाम ट्रेन सेंट्रल स्टेशन पहुंची तो काफी संख्या में यात्रियों की भीड़ चढ़ी जिससे कोच में पैर रखने तक की जगह नहीं बची और ज्ञानेंद्र की हालत और बिगड़ गई।

शेयर मार्केट में लाभ का लालच देकर 27 लाख ठगे

कार्यालय संवाददाता कानपुर

- निजी कंपनी के लीगल एडवाइजर को बनाया शिकार

अमृत विचार। शेयर मार्केट में निवेश कर लाभ कमाने का लालच देकर निजी कंपनी के लीगल एडवाइजर से 27.35 लाख रुपये ठग लिए गए। साइबर ठग ने पहले मोबाइल पर लिंक भेज ग्रुप में जोड़ा और फिर वाट्सएप पर बात करके झांसे में फंसाया। पीड़ित लीगल एडवाइजर ने साइबर सेल में शिकायत करने के बाद गोविंदनगर में खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताने वाली दो महिलाओं समेत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

गोविंदनगर थानाक्षेत्र के रतनलाल नगर की राधे रेजीडेंसी में रहने वाले राकेश चतुर्वेदी एक निजी कंपनी में लीगल एडवाइजर हैं। राकेश के मुताबिक सात अगस्त को आईआईएफएल की ओर से सुश्री सुरक्षा ने वाट्सएप मैसेज किया, जिसमें लिखा कि उनके वरिष्ठ रामरखियानी की निवेश योजना में उन्हें भाग लेना चाहिए। वह आईआईएफएल बी-टू ग्रुप में निवेश एडवाइजर के पद पर कार्यरत हैं। इसके बाद उन्हें आईआईएफएल बी-टू ग्रुप के वाट्सएप ग्रुप से जोड़ दिया गया और रोजाना निवेश के मैसेज साझा किए जाने लगे। चूंकि आईआईएफएल मुंबई का प्रसिद्ध संस्थान है, इसलिए उन्होंने भी शेयर मार्केट से लाभ कराने के उद्देश्य से निवेश करना शुरू कर दिया। 10 अगस्त को उन्होंने अपने एक्सिस बैंक के दो खातों से अलग-अलग 60 हजार रुपये का निवेश किया। 12 अगस्त उनकी सलाह पर 1500 रुपये लाभ भी निकाल लिया। इसके बाद कई बार में 12.30 लाख रुपये और निवेश कर दिए। बाद में उन्होंने आइपीओ में निवेश के लिए रुपये की मांग की जाने लगी। उनके इन्कार पर उनका खाता फ्रीज कर दिया गया। इतना ही नहीं उसी दौरान बीओबी कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, जिसे बैंक आफ बड़ौदा की सहायक कंपनी होने का दावा कर अंकिता घोष ने वाट्सएप मैसेज किया। उसने कीर्तन मेहता को कंपनी का निवेश विश्लेषक बताया। इसके बाद उनकी सलाह पर 18 अगस्त को 30 हजार रुपये निवेश कर दिए। अगले दिन 19 अगस्त को उन्होंने मुनाफे के तीन हजार रुपये भी निकाल लिए। इसके बाद लालच में आकर 15.05 लाख रुपये और निवेश कर दिए, जिसके बाद आइपीओ आवंटन सदस्यता को मान्य करने के लिए और रुपयों की मांग की गई। उन्होंने और रुपये निवेश करने में असमर्थता जताई तो उनका खाता फ्रीज कर रुपये निकालने रोक दिया।

फेरबदल | एक साल नौ महीने के अपने कार्यकाल में बेहद चर्चित रहे पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार

खत्म अखिल कुमार की पारी, अब रघुवीरलाल की बारी

विशेष संवाददाता कानपुर

रघुवीर लाल।

अखिल कुमार।

- ऑपरेशन त्रिनेत्र, दिव्यदृष्टि और महाकाल के जरिये अपराध जगत पर जबरदस्त प्रहार किया
- कई की हिस्ट्रीशीट खोली, कई जिलाबदर तो कई अंदर, तमाम गुंडे शहर छोड़ गए

अमृत विचार। आखिरकार पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार को रिलीव कर दिया गया। उनके बाद अब कानपुर पुलिस कमिश्नर की कुर्सी पर बैठेंगे 1997 बैच के आईपीएस रघुवीर लाल। अखिल कुमार जनवरी 2024 में कानपुर आए थे और यहां अपने कामकाज के आक्रामक तरीके से बेहद चर्चा में रहे। दो-तीन महीने शहर का मिजाज जांचा, फीडबैक लिया और फिर फार्म में आ गए। ऑपरेशन त्रिनेत्र के जरिये एक लाख 15 हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरों का जाल पूरे शहर में फैलाया और इसमें कई चोर-लुटेरे, शोहदे और बदमाश फंसे, जिन्हें सलाखों के पीछे धकेल दिया गया। अधिकतर वारदात सीसीटीवी कैमरों की मदद से खुलीं और यह प्रयोग बेहद सफल रहा। ऑपरेशन दिव्यदृष्टि के जरिये हिस्ट्रीशीटरों की हर गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। वसूलीबाज पत्रकारों-वकीलों और अन्य दबंगों को पहली बार जेल भेजा गया। इससे वसूलीबाजों में हाहाकार मचा रहा। अंत में ऑपरेशन महाकाल से भूमाफिया की कमर तोड़ दी। जैसी कार्रवाई हुई, वैसी पहले कभी न देखी न सुनी। ऑपरेशन महाकाल ने दशकों पुराने कई सिंडीकेट तोड़े। इस बीच अखिल कुमार को डिजिटल इंडिया का एमडी बना दिया गया। अब उनकी जगह रघुवीर लाल को तैनात किया गया है। अब देखना है कि कानपुर में उनकी पारी कैसी रहती है।

जानिए नए पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल को

- रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड) के रघुवीर लाल आगरा, अलीगढ़, मेरठ, गाजियाबाद के एसएसपी रह चुके हैं और मुजफ्फरपुर में दंगों से निपटने के लिए खासतौर पर इन्हें वहां भेजा गया था। मायावती शासन के दौरान सृजित एसएसपी (कानून-व्यवस्था) पद पर इन्हें सबसे पहले तैनात किया गया था। वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के दौरान लोकसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव (सुरक्षा) रहे और लौटने पर उन्हें लखनऊ में अपर महानिदेशक (सुरक्षा) बनाया गया था। वहां से अब उन्हें कानपुर में पुलिस कमिश्नर बना कर भेजा गया है। रघुवीर लाल सख्त तेवर के अधिकारी माने जाते हैं। उन्हें काम करने का जूनून है। बताया गया कि वह कई बार तो थानेदारों के साथ अपराधियों के ठिकानों पर दबिश देने पहुंच जाते थे। उन्हें विशिष्ट सेवा और राष्ट्रपति पदक से नवाजा जा चुका है।

कंपनी बाग चौराहा से रावतपुर तक यातायात बंद

कानपुर। कंपनी बाग चौराहा से रावतपुर तक 6 अक्टूबर से लेकर 10 अक्टूबर तक यातायात बंद रहेगा। यहां जल निगम 18 इंच चौड़ा और 15 मीटर लंबा सीवर लाइन का पाइप बदलेगा। इस कारण यह बदलाव किया गया है।

कंपनी बाग से रावतपुर जाने वाले वाहन नवाबगंज चिड़ियाघर होते हुए गुरुदेव चौराहा की ओर निकलेंगे। रावतपुर से कंपनी बाग चौराहा जाने वाले वाहन रावतपुर तिराहा से गोल चौराहा होते हुए कंपनी चौराहा की ओर जाएंगे। बताते चलें कि कंपनी बाग चौराहा से रावतपुर तक मेट्रो द्वारा अंडर ग्राउंड ट्रैक निर्माण के चलते पहले से ही आधा रास्ता बंद है जिसके चलते वहां इतनी मिट्टी, कीचड़ है कि राहगीरों की हालत पतली रहती है।

सिटी ब्रीफ

व्यापारी के बेटे ने जहर खाकर जान दी

कानपुर। गोविंदनगर के ब्लॉक नौ में रविवार रात व्यापारी के बेटे ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे हैलट लेकर पहुंचे। वहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने शादी न हो पाने के कारण परेशान रहने की वजह बताई है। रामस्वरूप का शास्त्री नगर स्थित काली मठिया के पास आटा चक्की और मसालों का व्यापार है। उनका दूसरे नंबर का बेटा शिवम कुमार यादव (35) पिता के साथ व्यापार संभाल रहा था। परिवार में बड़ा बेटा प्रिंस और छोटा सर्वेश है। बेटी की शादी हो चुकी है। शिवम के मामा विजय शंकर ने बताया कि बड़े भांजे प्रिंस की शादी हो चुकी है। अब शिवम की शादी होनी थी। तीन से चार रिश्ते देखे गए लेकिन किसी न किसी वजह से तय नहीं हो पाए। इस कारण शिवम शादी न हो पाने के कारण सोच-सोच कर परेशान रहता था। इसी के चलते रविवार रात उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। गोविंद नगर इंस्पेक्टर ने बताया कि युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी है। मामले की जांच की जा रही है।

फजलगंज में तीन वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

कानपुर। फजलगंज पुलिस ने तीन वारंटी अपराधी दबोचे हैं। थानाध्यक्ष सुनील सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने कमलेश कुमार, अमन वर्मा व शिवम वर्मा को गिरफ्तार किया है। तीनों वारंटी अभियुक्त काफी समय से पुलिस को चकमा दे रहे थे। तीनों अभियुक्तों को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया। फजलगंज थानाध्यक्ष सुनील सिंह के नेतृत्व में चौकी प्रभारी पंकज कुमार और उनकी टीम ने यह कार्रवाई की। वहीं स्वरूप नगर थाना पुलिस ने मेडिकल कॉलेज कैंपस निवासी विनोद कुमार गौर को गिरफ्तार किया। वह धारा 138 एन आई एक्ट के तहत वांटेड था। उसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी था।

नाबालिग मजदूर की मौत में ठेकेदार गिरफ्तार

कानपुर। चमनगंज पुलिस निर्माणाधीन मकान में काम करते वक्त नाबालिग मजदूर की मौत के मामले में आरोपित ठेकेदार को गिरफ्तार कर जेल भेजा। पुलिस ने किशोर के परिजनों की शिकायत पर आरोपित ठेकेदार पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। शारदा नगर कच्ची बस्ती निवासी रामू पासवान ने आरोप लगाया था कि बीती तीन सितंबर को ठेकेदार मो. इलियास उनके 17 वर्षीय बेटा आशू को जबरन आनंद बाग स्थित साइट पर ले गया था। आरोपित ठेकेदार जबरन बेटे से मकान तुड़वाने लगा। इस दौरान छज्जे की स्लैब तोड़ते वक्त अचानक मलवा भर-भराकर गिर पड़ा। जिसके नीचे दबकर बेटा और उसके साथ काम कर रहे मजदूर घायल हो गए। वहीं घटना के बाद आरोपित ठेकेदार बेटे का इलाज कराने की बजाय मौके से भाग निकला। जिसके बाद बेटे के साथी कर्मचारी स्थानीय लोगों की मदद से उसे हैलट अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

छात्राओं ने किया विवि का भ्रमण

कानपुर। जीजीआईसी, फर्रुखाबाद का विवि कैंपस में शैक्षिक भ्रमण आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ रश्मि गोरे व डॉ सर्वेश मणि त्रिपाठी ने जीजीआईसी की प्रधानाचार्या रिचा यादव का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय बालिकाओं की शिक्षा में योगदान दे रहा है। भ्रमण का उद्देश्य ग्रामीण अंचल की बालिकाओं को विश्वविद्यालय की सुविधाओं से परिचित कराना था।

सदन से पहले पार्षदों का 'गृहकर' पत्र, चर्चा के लिए मांगा समय

महापौर ने सदन की स्थगित बैठक बुधवार को फिर से बुलाई, हंगामा होने के आसार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गृहकर को लेकर पार्षद एकजुट समझाने में जुटे हैं अफसर
- बुधवार दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होगी

अमृत विचार। नगर निगम और जलकल के वित्तीय वर्ष 2025-26 का मूल बजट पेश करने को एक बार फिर से बुधवार को महापौर प्रमिला पांडेय ने सदन बुलाया है। इससे पहले दो बार सदन स्थगित किया जा चुका है। वर्ष 2022 से बढ़ाकर लगाए गए गृहकर व ब्याज के खिलाफ नगर निगम के पार्षद एकजुट हैं। पार्षद गृहकर बिलों की अनियमितताओं के खिलाफ चर्चा की मांग कर रहे हैं। सदन की नई तारीख आते ही पार्षदों ने महापौर के नाम गृहकर पत्र भेजकर जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए अलग से समय मांगा है।

महापौर ने इससे पहले 23 सितंबर को सदन बुलाया था। बजट पास करने के लिए चर्चा शुरू हुई तो पक्ष-विपक्ष के पार्षदों ने गृहकर को लेकर हंगामा छेड़ दिया। इस बीच महापौर की तबियत खराब होने की वजह से सदन को एक दिन के लिए स्थिगित कर दिया गया। जब दूसरा दिन आया तो फिर से महापौर कार्यालय से पार्षदों को बताया गया कि अपरिहार्यकारणों से सदन स्थगित कर दिया गया। अब महापौर ने एक बार फिर से सदन बुलाया है। बुधवार 8 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे सदन की कार्रवाई शुरू होगी। सोमवार को इस संबंध में विपक्षी दल के पार्षदों से राय करने के बाद कांग्रेस पार्षद दल के नेता हाजी सुहेल अहमद ने महापौर प्रमिला पांडेय को पत्र भेजा।

उन्होंने महापौर से कहा कि पूर्व के स्थगित सदन में कानपुर नगर के सम्मानित गृहकर दाताओं पर "अनाप-शनाप गृहकर की बढ़ोतरी के संबंध में चर्चा हो रही थी जोकि सदन के स्थगित होने के कारण पूर्ण नहीं हो सकी थी तथा उस पर कोई भी निर्णायक फैसला नहीं हो सका था। उन्होंने अनुरोध किया कि वर्ष 2022 से बढ़ाकर लगाए गए गृहकर व डिमांड नोटिसों पर वर्ष 2022 से वसूले जाने वाले ब्याज पर भी रोक लगाए जाने की आवश्यकता है। वहीं वर्ष 2022 से बढ़ाए गए गृह कर व ब्याज के संबंध में नगर निगम के अधिकारियों से कुछ प्रश्न होने जरूरी है ताकि सच्चाई सदन के सामने आ सके।

> गृहकर के मुद्दे पर हम लोग एक राय है। जनता से बढ़ा हुआ गृहकर और नियम विपरीत लिए जा रहे ब्याज को नहीं लेने दिया जायेगा। मैंने सदन में अधिकारियों से जवाब मांगने के लिए महापौर को पत्र आज दिया है।
>
>
>
> – हाजी सुहेल अहमद, कांग्रेस पार्षद दल के नेता

> सदन में बजट को लेकर सवाल करेंगे। गृहकर बिलों में संशोधन न होने की वजह से जनता को छूट का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। नगर आयुक्त ने कहा था कि अधिकारी पार्षद के साथ मिलकर कैंप लगाएंगे, ऐसा नहीं हो रहा है।
>
>
>
> – नवीन पंडित, भाजपा पार्षद दल के नेता

अभी चर्चा तक नहीं हो सकी

- नगर निगम ने इस वर्ष 28 .35 अरब का बजट पेश किया है। इसको सदन के पटल पर रख गया है लेकिन अभी चर्चा नहीं हो सकी है। इसी तरह जलकल ने नये वित्तीय वर्ष में 4 .32 अरब रुपये प्रस्तावित किए हैं, यह बजट अभी सदन में सुना नहीं गया है।

आईएचएटी ने जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इंडिया हेल्थ एक्शन ट्रस्ट (आईएचएटी) द्वारा आयोजित रीजनल रिसोर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम (आरआरटीसी) में उल्लेखनीय योगदान देने पर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज को सम्मानित किया गया। यह सम्मान कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेनू गुप्ता और नोडल आरआरटीसी प्रभारी डॉ.शैली अग्रवाल को प्रदान किया गया।

रीजनल रिसोर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज ने न सिर्फ बाल रोग व जच्चा-बच्चा अस्पताल में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई बल्कि जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आदि परिधीय स्वास्थ्य केंद्रों के मार्गदर्शन और मेंटरिंग में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाई। सम्मान प्राप्त करते हुए प्राचार्य डॉ. संजय काला ने स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, एनेस्थीसिया व पीएसएम विभाग की पूरी टीम को बधाई दी। प्राचार्य प्रो.संजय काला ने कहा कि जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज एक तृतीयक देखभाल केंद्र के रूप में समाज की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सदैव अग्रसर रहा है। विभागाध्यक्ष डॉ. रेनू गुप्ता ने बताया कि इन मेंटरिंग विजिट्स से चिकित्सा अधिकारियों का ज्ञान और क्लिनिकल कौशल और अधिक सुदृढ़ हुआ, जिससे समय पर रेफरल व उच्च जोखिम वाले मरीजों का त्वरित प्रबंधन संभव हो सका। नोडल डॉ. शैली अग्रवाल ने कहा कि ऐसे मेंटरिंग प्रोग्राम समय की आवश्यकता हैं। कार्यक्रम की सफलता में कार्यक्रम संयोजक राकेश भट्ट का भी विशेष सहयोग रहा। विभागाध्यक्ष डॉ. रेनू गुप्ता ने बताया कि रिसोर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं को संबोधित करना और सरकारी स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना है। व्यापक आपातकालीन प्रसूति एवं नवजात शिशु देखभाल, सरकारी डॉक्टरों और प्रथम रेफरल इकाइयों में स्वास्थ्य देखभाल टीमों को प्रशिक्षित करना है। यह कार्यक्रम माताओं और नवजात शिशुओं के लिए देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करता है। इसमे सरकारी मेडिकल कॉलेजों के संकाय प्रशिक्षण और सलाह प्रदान करते हैं।

इंडिया हेल्थ एक्शन ट्रस्ट द्वारा मिला सम्मान दिखते प्राचार्य प्रो. संजय काला, साथ में डॉ.रेनू गुप्ता व डॉ.शैली अग्रवाल। अमृत विचार

- प्रदेश सरकार और आईएचएटी के बीच साझेदारी में संचालित हुआ आरआरटीसी

अब परिवहन बसों में स्मार्ट कार्ड एमएसटी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सरल, सुरक्षित डिजिटल तकनीक से दैनिक यात्रियों को सुविधाएं
- साधारण एवं राजधानी बस सेवाओं में यात्री कर सकेंगे यात्रा

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने अब परिवहन बसों में दैनिक यात्रा करने वालों के लिए डिजिटल स्मार्ट कार्ड एमएसटी बनाने की योजना बनाई है। परिवहन के प्रबंध निदेशक ने इस आशय के निर्देश 3 अक्टूबर 2025 को कानपुर समेत प्रदेश के सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को जारी किये हैं। ये एमएसटी साधारण बसों के अलावा राजधानी बसों में भी यात्रा के लिए मान्य होगी।

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने 30 दिनों के लिए स्मार्ट एमएसटी बनवाने का प्रावधान किया है। एक माह बाद एमएसटी को रिचार्ज कराना पड़ेगा। पहली बार एमएसटी बनवाने के लिए 50 रुपये शुल्क देना होगा। यदि एमएसटी खो गई है और उसे दुबारा बनवाना है तो भी 50 रुपये अतिरिक्त देना होगा। हर महीने रिचार्ज कराने पर कोई शुल्क नहीं देना पड़ेगा।

दो प्रकार की एमएसटी

छात्र एमएसटी : इस एमएसटी में 25 यात्राओं के लिए किराया (स्रोत और गंतव्य के बीच सबसे छोटी दूरी के आधार पर) प्राप्त कर यात्री को 30 दिनों के लिए 60 यात्राएं अनुमन्य होंगी। दैनिक अधिकतम दो यात्रा एक अप और एक डाउन कर सकते हैं। प्रतिदिन यात्रा नहीं करने पर दैनिक आंवटन की यात्राएं समाप्त हो जाएंगी। इसके अतिरिक्त 30 दिन के उपरांत एमएसटी की वैधता समाप्त हो जाएगी जिसके लिए निर्धारित मासिक किराया धनराशि जमा करके रीचार्ज कराया जा सकता है।

ऐसे एमएसटी बनवाएं

आवेदक स्मार्ट कार्ड के माध्यम से एमएसटी पंजीकरण के लिए निगम के बुकिंग काउंटर्स, पीओआरएस पोर्टल पर उपलब्ध पास विकल्प का उपयोग करके एमएसटी कार्ड बनवाया जा सकता है।

छात्र ऐसे करें आवेदन

- नाम, जन्मतिथि, पिता का नाम, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, ई मेल आईडी, पता, किस स्टेशन से किस स्टेशन तक के लिए एमएसटी का अनुरोध किया गया है, शैक्षिक संस्थान, स्कूल, विद्यालय, कालेज का नाम, आवेदक का परिचय-पत्र, आवेदन पत्र जमा करने के स्टेशन का नाम, ऑनलाइन आवेदन की स्थिति में एमएसटी प्राप्ति के लिए निवेदित बुकिंग स्टेशन का नाम।
- **सामान्य एमएसटी :** इस एमएसटी में 36 यात्राओं के लिए किराया (स्रोत और गंतव्य के बीच सबसे छोटी दूरी के आधार पर) प्राप्त करके यात्री को 30 दिनों के लिए 60 यात्राएं अनुमन्य होंगी। हर दिन अप और डाउन दो यात्रा कर सकेंगे।
- **सामान्य दैनिक यात्रा ऐसे करें आवेदन :** नाम, जन्मतिथि, पिता का नाम, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, ई मेल आईडी, पता, किस स्टेशन से किस स्टेशन तक के लिए एमएसटी का अनुरोध किया गया है। आवेदन पत्र जमा करने के स्टेशन का नाम, ऑनलाइन आवेदन की स्थिति में एमएसटी प्राप्ति के लिए निवेदित बुकिंग स्टेशन का नाम।

आटो चालक ने कीटनाशक पीकर जान दी

कानपुर। महाराजपुर थानाक्षेत्र में आटो चालक ने कीटनाशक पी लिया। खाना देने गई भाभी ने मुंह से झाग निकलता देख परिजनों को जानकारी देकर उसे सरसौल सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि युवक एकाकी जीवन से परेशान था।

सरसौल नगरा गांव निवासी रामबरन ने बताया कि उसका चचेरा भाई अमित कुमार (30) आटो चालक था। अमित के माता-पिता की काफी समय पहले मौत हो गई थी। वहीं छोटी बहन रीता की शादी हो गई थी, जिसके बाद से वह घर में अकेला रहता था। बताया कि कल शाम अमित आटो चलाकर घर लौटा और अपने कमरे में चला गया। रात 9 बजे भाभी क्षमा खाना देने गई तो देखा कि अमित जमीन पर पड़ा हुआ था और मुंह से झाग निकल रहा था। आनन-फानन में उसे सरसौल सीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

काढ़ा हाथ में लिए सोसाइटी व मॉर्निंग वॉकर। अमृत विचार

काढ़ा पिलाकर दिया स्वस्थ रहने का मंत्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मोतीझील राजीव वाटिका के मुख्य द्वार पर सोमवार को काढ़ा दिवस पर पीपल लाइफ सोसाइटी ने वरिष्ठ नागरियों व आम लोगों को 36 जड़ी -बूटियों से निर्मित काढ़ा पिला कर उनको स्वस्थ्य बनाने और विभिन्न बिमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया। पीपल लाइफ सोसाइटी के अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने बताया कि मोतीझील में बीते 15 वर्षों से वह कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। वह विधि से जड़ी बूटियों को एकत्र कर घर में लकड़ी की आग से तैयार करते हैं। सेवानिवृत्त कर्मचारी एंव पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बीएल गुलाबिया ने काढ़ा पीने वाले वरिष्ठ नागरिकों को उपहार स्वरूप कप देकर सम्मानित किया। अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने बताया कि यदि समय पर नियमित और निर्धारित मात्रा में भोजन का सेवन करें तो अधिकांश रोग दूर होंगे। इस दौरान एडवोकेट राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, सुनील सुमन, ताराचंद, रितेश कटियार, आनंद सिंह, रेवती शरण गुप्ता, जायस, राधा रानी गुप्ता, राघवेन्द्र सिंह चौहान, खुशी गुप्ता रहीं।

रकम दोगुनी करने का झांसा देकर हड़पे रुपये

संवददाता, कल्याणपुर

- सतना में फर्जी कंपनी खोल दिया घटना को अंजाम

अमृत विचार। कल्याणपुर के दो युवकों ने मध्य प्रदेश के सतना में एक कंपनी बनाकर लोगों को चार वर्षों में रकम दुगनी करने का झांसा देकर 16 लाख की रकम हड़प ली और फरार हो गए। कल्याणपुर पहुंचे पीड़ित ने घटना की तहरीर पुलिस को दी है।

मध्य प्रदेश के सतना गाजन विहौरा गांव निवासी लाल बहादुर यादव के मुताबिक पनकी रोड कल्याणपुर निवासी दो युवकों ने सतना में सिम्बायोसिस क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी के नाम से एक कंपनी बनाई। जिसके जरिये शातिरों ने चार वर्षों में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर उनसे 16 लाख की रकम हड़प ली। रिश्तेदारों के भी रुपये लगवाने के लिए जब वह शातिरों से मिलने उनके कार्यालय पहुंचे, तो उन्हें कंपनी के भागने की जानकारी हुई। जिस पर पीड़ित कल्याणपुर स्थित कंपनी के हेड ऑफिस पहुंचा, तो यहां भी उन्हें ताला लटकता मिला। कल्याणपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं है। तहरीर प्राप्त होने पर कार्रवाई की जाएगी।

छात्रा से 53 हजार की साइबर ठगी

- कानपुर। चमनगंज निवासी तस्मियाँ नाज के अनुसार वह यूपीएलटी ग्रेड परीक्षा की ऑनलाइन तैयारी कर रही है। जिसके लिए टेलीग्राम ऐप्लिकेशन का प्रयोग करती है। 20 सितंबर को ऐप पर ऑनलाइन टेस्ट के लिए एक लिंक भेजा गया था। उन्होंने लिंक खोलकर उसमे डिटेल भरते ही उनके बैंक ऑफ खाते से 6 बार में 53 हजार रुपए निकल गए। पीड़िता ने मामले की शिकायत साइबर सेल व चमनगंज थाने में की।

हल्दीराम कंपनी पर एक लाख जुर्माना

कानपुर। जिला उपभोक्ता फोरम ने नमकीन में मिलावट करने पर हल्दीराम कंपनी पर एक लाख का जुर्माना लगाया। जुर्माने की राशि ग्राहक को एक लाख रुपए क्षतिपूर्ति देने के आदेश दिए हैं। साथ ही कोर्ट ने कहा कि मुकदमा दाखिल करने की तारीख 4 मार्च 2023 से भुगतान की तारीख तक 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज और 10 हजार रुपये मुकदमा खर्च देने के आदेश जारी किए।

बर्रा तीन निवासी सौरभ त्रिवेदी ने हल्दीराम (नमकीन बनाने वाली कंपनी) और किशन मार्केट बर्रा के एक दुकानदार के नाम आयोग में मुकदमा दाखिल किया। जिसमें बताया गया कि चार जनवरी 2023 को उसने 200 ग्राम वाले बेसन में लिपटे मूंगफली के दाने की नमकीन के लिए। घर पर आकर पैकेट खोला, पैकेट में लगभग 2.5 इंच लंबा बेसन में लिपटा तार दिखा। इससे उसे उल्टियां होने लगीं। उसने दुकानदार को तार दिखाया तो उसका बताया कि इसके लिए नमकीन कंपनी हल्दीराम जिम्मेदार है। एडवोकेट अश्वनी आनंद ने बताया कि कंपनी ने आयोग में अपना पक्ष नहीं रखा। इस पर आयोग ने जुर्माना लगाया।

मांगों के लिए लखनऊ में उठाएंगे आवाज

कानपुर। उप्र स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ ने दिवाली से ठीक पहले बड़ा ऐलान किया। सोमवार को प्रदेश महामंत्री रमाकांत मिश्र ने कहा कि मांगे न पूरी होने पर 9 अक्टूबर को निर्णायक आन्दोलन जीपीओ पार्क लखनऊ में किया जाएगा। जिसमें केंद्रीयत सेवा नियमावली, संवर्ग की पदोन्नति एवं पुनर्गठन तथा वेतन विसंगतियां का समाधान किया जाना, दैनिक वेतन भोगी एवं संविदा कर्मचारियों का विनियमितीकरण ना किया जाना, आउटसोर्सिंग के वेतन वृद्धि एवं सेवा सुरक्षा, कैशलेस इलाज की सुविधा के लिए आवाज उठाई जाएगी। प्रदेश प्रवक्ता मुन्ना हजारिया ने कहा की कानपुर नगर निगम से लगभग 500 कर्मचारी लखनऊ जीपीओ पार्क धरने में पहुंचेंगे।

नगर निगम कर्मचारी संघ ने प्रेस वार्ता में रखी बात। अमृत विचार

हेल्थ अलर्ट

मौसम में हो रहे बदलाव से अस्पतालों में खांसी, जुकाम व बुखार के बढ़े मरीज

लक्षण डेंगू व मलेरिया वाले, रिपोर्ट आ रही निगेटिव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

हैलट ओपीडी में मरीजों की भीड़। अमृत विचार

अमृत विचार। शहर में मानसून के बाद भी वायरल बुखार का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल और उर्सला अस्पताल में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। कई मरीजों में डेंगू और मलेरिया जैसे गंभीर लक्षण दिख रहे हैं, लेकिन उनकी जांच रिपोर्ट नेगेटिव आ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा वायरल इंफेक्शन या मौसम में हो रहे बदलाव की वजह से हो सकता है। इलाज कराने में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में जहां पहले 15 से 20 मरीज तेज बुखार, जोड़ों-मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, उल्टी, थकान और त्वचा पर चकत्ते जैसे लक्षण परेशान होकर पहुंच रहे थे। वहीं, अब मेडिसिन विभाग की ओपीडी में 40 से 45 मरीज इस समस्या से ग्रस्त होकर इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। इसी तरह उर्सला अस्पताल में भी औसतन 50 मरीज इन लक्षणों से युक्त पहुंच रहे हैं। मरीजों में लक्षण डेंगू और मलेरिया से मिलते-जुलते हैं। लेकिन डेंगू व मलेरिया की रिपोर्ट निगेटिव आ रही है। हालांकि कई मरीजों की प्लेटलेट्स जरूर एक लाख से कम मिली। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ.जेएस कुशवाहा के मुताबिक मौसम में हो रहे बदलाव और वायरल इंफेक्शन की वजह से मरीजों को यह समस्या हो सकती है। डेंगू व मलेरिया की रिपोर्ट निगेटिव है। एक सप्ताह तक बीमारी ठीक नहीं होने पर मरीज को दोबारा जांच कराई जा रही है। एक सप्ताह में तेज बुखार से ग्रस्त 10 मरीजों को भर्ती किया गया है। उर्सला अस्पताल के डॉ.शैलेंद्र तिवारी के मुताबिक अस्पताल एक सप्ताह में एक दर्जन मरीजों को तेज बुखार की वजह से भर्ती किया गया है। कुछ मरीजों में सर्दी की समस्या भी देखी गई है।

केस 01 लोहारनभट्ठा निवासी राजेश कुमार ने बताया कि तीन दिन से 102 डिग्री बुखार के साथ जोड़ दर्द की समस्या होने पर अस्पताल में इलाज कराने पहुंचे। जांच करने पर डेंगू व मलेरिया निगेटिव आया। डॉक्टर ने प्लेटलेट्स कम बताया।

केस 02 फजलगंज निवासी लक्ष्मी सविता ने बताया कि चार दिन से खांसी व गले में दर्द की समस्या के साथ शाम व रात के समय बुखार आया था और इसके बाद जोड़ों में दर्द की समस्या हुई। डेंगू रिपोर्ट नेगेटिव आई, डॉक्टर ने वायरल बताया।

केस 03 गोविंद नगर निवासी रामजी ने बताया कि शरीर में पहले सिर में दर्द और इसके बाद पूरे शरीर व जोड़ में दर्द होने के बाद बुखार आया। चलने में भी दिक्कत होने पर वह अस्पताल पहुंचे। डेंगू रिपोर्ट निगेटिव थी, लेकिन प्लेटलेट्स कम थी।

केस 04 जवाहर नगर निवासी मोहित निगम ने बताया कि पिता को खांसी और बुखार के साथ जोड़ों में दर्द की समस्या हुई, पास की क्लीनिक से इलाज कराया, लेकिन आराम नहीं मिलने पर हैलट आए, यहां पर वायरल बुखार की जानकारी हुई।

रोजमर्रा की जिंदगी से प्रेरित प्रदर्शनी का उद्घाटन

कानपुर। गुरुकुल में आयोजित प्रदर्शनी जलरंग के कलाकार अंशुल मिलन की प्रदर्शनी का उद्घाटन दीप जला कर किया गया। प्रदर्शनी को अध्यात्म शिवम झा व नेहा मिश्रा द्वारा आयोजित किया गया। प्रदर्शनी के आयोजक नेहा व अध्यात्म ने बताया कि अंशुल मिलन एक जलरंग कलाकार हैं। जिनकी पेंटिंग प्रकृति की यादों और रोज़मर्रा की ज़िंदगी से प्रेरित हैं। उन्होंने छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर से बीएफए और एमएफए की डिग्री प्राप्त की है। 2015 में उन्होंने मिलिंद मुलिक से प्रशिक्षण लेने के लिए पुणे की यात्रा की, जहाँ उन्होंने अपनी तकनीक को निखारा और अपनी कलात्मक दृष्टि को और गहरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिष्ठित आर्ट2डे गैलरी के कार्यवाहक के रूप में भी काम किया। प्रदर्शनी के दौरान सेक्रेट्री राधे श्याम पांडे मौजूद रहे।

कई एआरएम की कुर्सी छिनी वापस पुराने पद पर भेजे गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- विभिन्न पदों से पदोन्नति पाए एआरएम पर लटकी तलवार

> परिवहन ने जिन्हें स्टोरी अधीक्षक, डिपो इंचार्ज आदि पदों से पदोन्नति देकर सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक बनाया था, अब ऐसे एआरएम को फिर पुराने पदों पर भेजने का आदेश मुख्यालय से आया है।
>
> -महेश कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, परिवहन कानपुर परिक्षेत्र

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) का पद काफी महत्वपूर्ण होता है लेकिन अब कई एआरएम की कुर्सी खतरे में पड़ गई है जिन्हें पदोन्नति देकर एआरएम बनाया गया था। उन्हें पुराने पद पर वापस कर दिया गया है। परिवहन अधिकारियों का मानना है कि ऐसे एआरएम से विभाग को विकसित करने की जो उम्मीद थी, वह पूरी नहीं हुई। इसलिए उन्हें पुराने पदों पर भेजा गया है।

बीते कई वर्षों में फोरमैन, डिपो इंचार्ज, स्टोर अधीक्षक के पद पर तैनात कमियों को एआरएम के पद पर पदोन्नति कर दिया गया था जिन्हें अब पुराने पद पर वापस करते हुए उन्हें रूट पर बसों की चेकिंग के लिए लगाने का निर्देश जारी हुआ है। फजलगंज में डिपो इंचार्ज को एआरएम की कुर्सी सौंपी गई है। कुर्सी जाने के डर से कई एआरएम में अफरातफरी मची है। अब ऐसे एआरएम कोर्ट की शरण में जाने की तैयारी कर रहे हैं। बताते हैं कि बीते दिनों परिवहन के एमडी ने एक पदोन्नत एआरएम से संचालन से संबंधित कुछ प्रश्न दाग दिये तो वह सही उत्तर नहीं दे पाए जिससे अब कई एआरएम को टीआई का काम सौंप दिया गया है। फजलगंज डिपो में डिपो इंचार्ज को एआरएम की कुर्सी मिल गई है।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर आज अवकाश

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर 7 अक्टूबर मंगलवार को निर्बंधित अवकाश रहेगा। ये अवकाश विशेष सचिव, सामान्य प्रशासन अनुभाग उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ के आदेश के अनुसार घोषित किया गया है।

95 लाख से अधिक जुर्माना वसूला

कानपुर। कानपुर सेंट्रल पर 14765 यात्रियों से 95,84,876 रुपये जुर्माना वसूला गया। उप मुख्य यातायात प्रबंधक आशुतोष सिंह ने बताया कि बिना टिकट यात्रा करने वाले 7009 यात्रियों से 59,56,870 रुपये, अनियमित यात्रा करने वाले 6527 यात्रियों से 34,82,423 रुपये एवं बिना बुक किये लगेज के 1229 मामले पकड़े गये जिनसे 1,45,583 रुपये जुर्माना वसूल किया गया। ये आंकड़े 1 सितंबर 2025 से 30 सितंबर 2025 तक के हैं।

जीएसटी संशोधन पर दिया व्याख्यान

कानपुर। सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन की ओर से सोमवार को स्टडी सर्कल मीटिंग आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष एसपी सिंह ने की। इस दौरान प्रमुख वक्ता के रूप में सीए धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने जीएसटी संशोधन पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने नए जीएसटी संशोधन के कानूनी और व्यवहारिक पहलू को समझाया। कार्यक्रम के दौरान बीके शुक्ला, एमपी पांडे, आईडी भाटिया, सुमित टंडन, बीएल द्विवेदी, कुलदीप बाजपेई व अरविंद शुक्ला सहित अन्य मौजूद रहे।

सरकार के पास बिना दावे के पड़े है करोड़ों

कानपुर। नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में सोमवार को पदाधिकारियों और पीडीए थिंक टैंक की बैठक हुई, जिसमे नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि एक लाख 84 हजार करोड़ रुपया बिना दावे के सरकार के पास पड़ा है। कानपुर की बैंकों में भी बिना दावे का रुपया है। यह भविष्य निधि में श्रमिकों व कर्मचारियों का रुपया है। बीमा का रुपया है, लेकिन भाजपा सरकार केवल गुमराह कर रही है। कानपुर के श्रमिकों और अन्य का रुपया भविष्य निधि व बैंकों में पड़ा है, लेकिन आज तक उनकी रकम परिवारों को नहीं पहुंची। मांग है कि सरकार बिना दावे के रुपये का सर्वे कराकर उनके वारिसों को रुपया दिया जाए। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, छात्रों किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है। इससे इन वर्गों में नाराजगी है। प्रदेश सचिव केके शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव, महासचिव संजय सिंह, महेन्द्र सिंह, रजत मिश्रा, इशरत इराकी, प्रवीण मिश्रा समेत आदि लोग रहे।

छावनी में हुए सम्मेलन में जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह व अन्य।

दिवाली पर स्वदेशी उत्पाद अपनाने का संकल्प लें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विदेशी उत्पादों का बहिष्कार कर शहरवासी भारत में बनी वस्तुओं का इस्तेमाल करें। हम सब सामूहिक संकल्प लें कि हम अब केवल स्वदेशी वस्तुओं का ही उपयोग करेंगे। यदि हम सब इस दीपावली से पहले यह संकल्प लेते हैं कि हम सिर्फ भारत में बनी चीजों का उपयोग और मेड इन इंडिया चीजों के इस्तेमाल पर गर्व करेंगे। जीएसटी में बदलाव से दवा, पानी, बिजली, कपड़ा सहित 400 से अधिक वस्तुएं सस्ती हुई है। यह बातें भाजपा उत्तर जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष दीपू पांडे ने भाजपा दक्षिण द्वारा आयोजित नेक्स्ट जेन जीएसटी अभियान के छावनी विधानसभा के सम्मेलन में कही।

भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने कहा कि जीएसटी दरों में कमी से भावी पीढ़ी के आर्थिक सुधार से किसान, युवा, महिला, व्यापारी और मध्यमवर्गी परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है। इसे मध्यम वर्ग के लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा। मोदी सरकार का यह कदम न केवल घरेलू उपयोग को बढ़ावा देगा बल्कि महंगाई से जूझ रहे नागरिकों को राहत देने और देश की अर्थव्यवस्था को बूस्टर डोज प्रदान करने वाला साबित होगा। इस दौरान राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी, प्रवीन गुप्ता, अचल गुप्ता, सनी जायसवाल, सुमित तिवारी, आलोक वर्मा, ओपी आर्या रहे।

आखिर शहर की दुर्दशा का जिम्मेदार कौन

धूल के गुबार में ओझल रास्ता, थम रही सांस, ये है राहगीरों का दर्द। यह हाल करने वाले जिम्मेदार कौन लोग हैं और कहां छिपे बैठे हैं। स्मार्ट सिटी का हार्ट मुख्य चौराहा घंटाघर में खोदी गई सड़क से उड़ रहे धूल के गुबार और विगत 100 दिनों से सड़क पर सीवर भराव से राहगीरों का दम घुट रहा है। नगर निगम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जयंती से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती तक स्वच्छता पखवारा अभियान 15 दिनों तक चलाया था। सिर्फ 3 दिनों बाद ही स्वच्छता का ये हाल है।

फोटो - मनोज तिवारी

नगर कीर्तन में गूंजा: जो बोले सो निहाल,सतश्री अकाल

गुरुद्वारा रणजीत नगर से निकली शोभा यात्रा में वाहे गुरु का जप करती चली संगत

गुरुद्वारा रणजीत नगर से निकला नगर कीर्तन। पंज प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन कई इलाकों में घूमा।

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री गुरु रामदास जी का पावन प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा रणजीत नगर से नगर कीर्तन के रूप में शोभा यात्रा निकाली गयी जिसकी अगुवाई पंजप्यारों ने की। श्री गुरु ग्रंथ साहिब को संगत ने खूबसूरत तरीके से सिर पर रखा हुआ था। नगर कीर्तन में लोगों ने वाहे गुरु-वाहे गुरु का जप किया।

सोमवार को गुरुद्वारा रणजीत नगर से एक भव्य शोभा यात्रा नगर कीर्तन के रूप में गुरुद्वारा रणजीत नगर से शुरू हुई जो मरियमपुर चौराहा भल्ला चौक कबाड़ी मार्केट संत नगर चौराहा न्यू बसंत चौराहा गुमटी नंबर 5 चौराहा होते हुए गुरुद्वारा कीर्तन गढ़ में देर रात समाप्त हुई। इस दौरान नगर कीर्तन के रास्ते में संगत ने पुष्पवर्षा की और चाय, कॉफी आदि का वितरण किया। उत्तर प्रदेश सिख फाउंडेशन के अध्यक्ष सरदार अजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि 8 अक्टूबर बुधवार को मोतीझील में गुरमत समागम होगा जिसमें 1 लाख से अधिक संगत लंगर छकेगी।

उन्होंने बताया कि पंजाब से बाबा मनजीत सिंह नानकसर वाले, दिल्ली से प्रसिद्ध रागी जगजीत सिंह बबीहा, हिमांचल से कमलजीत सिंह चंबे वाले मोतीझील ग्राउंड में संगत को कथा कीर्तन द्वारा निहाल करेंगे। सरदार रविंद्र सिंह रिंकू, प्रतिपाल सिंह बिल्ला, सरदार हरमीत सिंह, हरप्रीत सिंह सोनू, अतुल सिंह, सरदार जसवीर सिंह मल्होत्रा, सरदार राजेंद्र सिंह जिंदी, सरदार हरप्रीत सिंह, नीना बहन जी, शरणजीत कौर, कुलदीप कौर, सोनिया कुलबीर सिंह महाजन आत्मजीत सिंह सलूजा आदि मौजूद थे।

शहर में कैमरों की नजर में 39 केंद्रों पर 17688 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- 12 अक्टूबर को पीसीएस (प्री)-2025 परीक्षा होगी
- परीक्षा में 39 सेक्टर, 39 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात होंगे

अमृत विचार। शहर में 12 अक्टूबर को पीसीएस (प्री)-2025 परीक्षा आयोजित होगी जिसके लिए 39 परीक्षा केंद्र बनाए गये हैं। इस परीक्षा में 17,688 अभ्यर्थी भाग लेंगे। सीसीटीवी कैमरों की नजर में ये परीक्षा होगी।

सोमवार को परीक्षा के सुचारू, नकलविहीन एवं पारदर्शी संचालन को लेकर बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। डीएम ने कहा कि परीक्षा के तीन दिन पूर्व सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापक अपने-अपने केंद्रों की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा कर लें और आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें। सभी केंद्रों पर प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, बिजली और पेयजल की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिलाधिकारी ने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, सह-केंद्र व्यवस्थापक और निगरानी अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा को पूर्ण सुचिता, गोपनीयता और निष्पक्षता के साथ सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आगामी 12 अक्टूबर (रविवार) को संयुक्त राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) प्रारंभिक परीक्षा–2025 एवं सहायक वन संरक्षक/क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा होना है। जनपद में परीक्षा दो पालियों में होगी। प्रथम पाली सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक और द्वितीय पाली अपराह्न 2:30 से 4:30 बजे तक होगी जिसके लिए 39 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 39 स्टैटिक मजिस्ट्रेट और 39 सह-केंद्र व्यवस्थापक तैनात किए गए हैं। आयोग ने विवेक कुमार श्रीवास्तव, समन्वयक पर्यवेक्षक को परीक्षा पर्यवेक्षण के लिए नामित किया है।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. विवेक चतुर्वेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक की। अमृत विचार

भाषण और सुलेख में जीते पुरस्कार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। यूपीएमआरसी के लखनऊ स्थित प्रशासनिक भवन में सोमवार को हिंदी पखवाड़ा-2025 के विजेताओं के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। 14 से 28 सितंबर 2025 तक चले हिंदी पखवाड़े के दौरान लखनऊ, कानपुर एवं आगरा मेट्रो परियोजनाओं में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। समारोह में कानपुर मेट्रो के विजेता कर्मचारियों को यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। कानपुर मेट्रो के स्टेशन नियंत्रक-सह-रेलगाड़ी चालक सागर सिंह परिहार ने सुलेख प्रतियोगिता में और कनिष्ठ अभियंता अभिषेक कुमार विश्वकर्मा ने भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। समारोह में सुशील कुमार ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कार्यस्थल पर हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा, "मुझे आप सभी प्रतिभागियों और विजेताओं पर गर्व है। हर वर्ष हिंदी पखवाड़े में आपकी सक्रिय भागीदारी इसे सफल बनाती है।

विजेताओं को एमडी सुशील कुमार ने किया सम्मानित।

डॉक्टर और फार्मासिस्ट मिले अनुपस्थित

कानपुर। एसडीएम नरवल विवेक मिश्रा सोमवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे पीएचसी नरवल पहुंचे, यहां चिकित्सा अधिकारी और फार्मासिस्ट अनुपस्थित थे। फोन पर वार्ता में चिकित्सा अधिकारी ने एसडीएम से बताया कि नाइट ड्यूटी के कारण देर हो गई। अनुपस्थित फार्मासिस्ट के खिलाफ कार्यवाही के लिए पत्राचार किया। दूसरी ओर नरवल स्थित पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सोमवार को अचानक एसडीएम विवेक मिश्रा पहुंचे, यहां पर उन्हें चिकित्साधिकारी अवकाश पर मिले।

अधिवक्ता परिवारों को आयुष्मान योजना से जोड़ें

कार्यालय संवाददता,कानपुर

अमृत विचार। एडवोकेट्स एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के अधिवक्ता सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री राजेश तिवारी ने कहा कि सरकार ने जैसे शिक्षकों को आयुष्मान से जोड़ कर मुफ्त चिकित्सा सुविधा दी है, उसी तरह न्यायालय के अधिकारी अधिवक्ताओं को भी आयुष्मान योजना से जोड़ा जाए या पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाए। लायर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व एडवोकेट्स एसोसिएशन के संरक्षक और वरिष्ठ अधिवक्ता पं. रवींद्र शर्मा ने कहा कि अधिवक्ताओं का स्वास्थ्य बीमा न होने से अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों का बेहतर इलाज नहीं हो पा रहा है। मांग है कि अधिवक्ता और अधिवक्ता परिवारों को आयुष्मान योजना से जोड़ा जाए। कुछ दिन पहले इस संबंध में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को भी मांग पत्र दिया था।

अपर जिलाधिकारी न्यायिक चंद्रशेखर ने अधिवक्ताओं का प्रतिवेदन प्राप्त कर मुख्यमंत्री कार्यालय भेजने का आश्वासन दिया। इस दौरान रिजवान अली खां, राजेंद्र शुक्ला, पूजा गुप्ता, संजीव कपूर, ओपी दुबे, यशु शुक्ला, सतेंद्र राय, शैलेन्द्र कुमार, अंकित मिश्रा, अनूप गुप्ता, महेश अवस्थी, इंद्रेश मिश्रा व वीर जोशी समेत आदि अधिवक्ता रहे।

अपनी मांगों का ज्ञापन देते अधिवक्ता।

रंगारंग

समूह गान एवं नृत्य के अतिरिक्त रंगारंग प्रस्तुति पर बजती रही तालियां

मूक–बधिर बच्चों ने दिखाया दम, हम नहीं किसी से कम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। वन्य प्राणि सप्ताह 2025 के पांचवें दिन सोमवार को प्राणि उद्यान के चकोर प्रेक्षागार में स्कूली बच्चों ने जहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, वहीं ज्योति बधिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिठूर के बच्चों ने सामूहिक नृत्य से समां बांधा जिसपर तालियां बजती रहीं।

सोमवार को प्राणि उद्यान में समूह गान, समूह नृत्य, मोनोएक्टिंग, संगीत वाद्य यंत्र एवं प्रश्ननोत्तरी प्रतितोगिता में 23 स्कूलों के 380 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में निर्णायक मंडल में संगीत अध्यापक अमित तिवारी, मधु द्विवेदी, सुखवीर कौर ने विजेताओं के नाम घोषित किये। कार्यक्रम का संचालन वन्य जीव रक्षक शादाब अहमद ने किया। इस अवसर पर प्राणि उद्यान के निदेशक डॉ. कन्हैया पटेल ने विचार रखे। क्षेत्रीय वन अधिकारी नवेद इकराम ने मेहमानों का शुक्रिया अदा किया। सुरजीत कुमार, करन गौतम, विकास कुमार, इतू सचान, पारुल यादव, जितेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

प्राणि उद्यान में नृत्य कला का प्रदर्शन करतीं छात्राएं। अमृत विचार

समूह नृत्य प्रतियोगिता में जुगलदेवी अव्वल

- समूह गान प्रतियोगिता में जुगलदेवी स्कूल प्रथम, स्वामी विवेकानंद विद्यालय द्वितीय, सेठ मोतीलाल खेड़िया सनातन धर्म इंटर कालेज तृतीय स्थान हासिल किया। समूह नृत्य में सेठ मोतीलाल खेड़िया प्रथम, जेके किड्स ड्रीम लैंड द्वितीय ज्योति बधिर विद्यालय तीसरे स्थान पर रहा। लघु नाटिका में सेठ मोतीलाल खेड़िया प्रथम, सेंट जॉन इंटरमीडिएट कालेज द्वितीय, जेके किड्स तीसरे स्थान पर रहा। इसी प्रकार वाद्ययंत्र, प्रश्नोतरी आदि में भी छात्र-छात्राओं ने बाजी मारी। प्राणि उद्यान के निदेशक डॉ, . कन्हैया पटेल ने स्मृति चिह्न भेंट किया।

छात्रों ने सीएसजेएमयू में किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीएसजेएमयू के गेट पर सोमवार को छात्रसंघ बहाली मोर्चा से जुड़े छात्रों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्र विश्वविद्यालय व उससे संबद्ध कॉलेजों में छात्रसंघ बहाली की मांग कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने छात्रों से संबंधित कई समस्याओं को भी उछाया। प्रदर्शन के बाद छात्रों ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को ज्ञापन भी दिया।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना था कि वर्षों से विश्वविद्यालय में छात्रसंघ को बहाल नहीं किया गया है, जिससे छात्र समुदाय अपनी समस्याएं और सुझाव लोकतांत्रिक मंच पर नहीं रख पा रहा है। मोर्चा का मानना है कि छात्रसंघ की अनुपस्थिति में विश्वविद्यालय में पारदर्शिता की कमी और अनियमितताओं को और बढ़ा दिया है। यह भी कहा कि पीएचडी की सीटों को स्पष्ट रूप से एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग में विभाजित किया जाए और आरक्षण नीति का पूरी तरह पालन किया जाए। इसके साथ ही साक्षात्कार प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने की मांग भी छात्रों ने उठाई। छात्रों का कहना है कि इंटरव्यू की पूरी प्रक्रिया में मेरिट के मानक स्पष्ट हों और चयनित छात्रों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाए, ताकि किसी प्रकार का पक्षपात या खेल न हो।

सीएसजेएमयू में ज्ञापन सौंपते छात्र।

- छात्रसंघ बहाली की मांग कर रहे थे छात्र, समस्याएं भी उठाईं

सिटी ब्रीफ

तेज नहीं चल रहे स्मार्ट मीटर

कानपुर। केस्को उपभोक्ताओं के बीच फैली भ्रांति को दूर करने के लिए केस्को टीम ने नौ स्मार्ट मीटरों रीडिंग और सामान्य मीटरों की रीडिंग का मिलान किया। केस्को मीडिया प्रभारी श्रीकांत रंगीला के मुताबिक गडरियनपुर व आवास-विकास हंसपुरम में रीडिंग एक सामान्य रही। जबकि हंसपुरम गांव व फजलगंज रेलवे लाइन में दो यूनिट, फजलगंज में तीन मीटरों में रीडिंग एक-एक यूनिट व तीन यूनिट बढ़ी और तीसरें में सात यूनिट कम मिली।

संचारी रोगों से बचाव के लिए टीम अलर्ट

कानपुर। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सोमवार को तातियागंज, भिवाली और पौहर में स्वास्थ्य कैंप का आयोजन किया, जिनमे 85 सामान्य रोगी पहुंचे, जिनमे से लक्षण युक्त 76 मरीजों की मलेरिया और 47 मरीजों की डेंगू की जांच की गई, जिनमे सभी की रिपोर्ट निगेटिव रही। जिला मलेरिया अधिकारी एके सिंह ने बताया कि एंटीलार्वा दवा का छिड़काव व फॉगिंग कार्य कर रही है।

शहर में हुई बारिश

कानपुर। शहर में सोमवार को बारिश ने फिर से दस्तक दी। सीएसए के मौसम विभाग के अनुसार नए पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम में बदलाव हुआ है। मंगलवार को भी बारिश के आसार हैं।

'सजना' के लिए सजना है तो हल्की ज्वेलरी है न

ग्राहकों में अपने बजट में कम वजन की ज्वेलरी खरीदने का रुझान, बाजार में आए राजस्थानी डिजाइन के करवों की ज्यादा मांग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। करवाचौथ पर्व के लिए बाजार सज गया है। सोना व चांदी के महंगे होने के चलते इस बार बाजार में हल्के आभूषण का रुझान अधिक है। बाजार में लिवाली के समय खरीदार अपने बजट में ही हल्के आभूषणों को पसंद कर रहा है। चांदी के करवों में राजस्थानी डिजाइन की सबसे अधिक मांग हैं।

पति-पत्नी के अटूट प्रेम का पर्व करवाचौथ पर आभूषण की अपनी एक अलग जगह है। इसे देखते हुए बिरहाना रोड, चौक व नयागंज में दुकानों को दूल्हन की तरह सजाया गया है। सोना चांदी के आभूषणों की बात की जाए तो महंगे होने के चलते खरीदार अपने बजट में ही आभूषणों की खरीदारी कर रहे हैं। व्यापारियों की माने तो पर्व पर खरीदार तो कम नहीं हुए हैं लेकिन पहले के मुकाबले सोने व चांदी की औसत वजन बिक्री में कमी आई है। सबसे अधिक बिक्री अंगूठी, मंगलसूत्र नथुनी, मांग बिंदी की हो रही है। इसके अलावा हल्के लॉकेट भी इस बार डिमांड पर हैं। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव पंकज अरोरा ने बताया कि सोना चांदी महंगा होने के बाद भी बाजार में खरीदारों की कमी नहीं है।

शोरूम में चांदी का करवा देखती युवती। अमृत विचार

लहंगों-साड़ी की दुकानों में भी रौनक है। अमृत विचार

चांदी के छोटे करवे

- चौक सराफा बाजार में हल्के चांदी के करवे भी आए हैं। इन करवों में राजस्थानी डिजाइन की मांग सबसे अधिक है। इन डिजाइन में महल की किनारी, दिये, झूमर, मोर सहित अन्य डिजाइन सबसे लोकप्रिय है। कानपुर बुलियन एंड सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष पं. आशू शर्मा ने बताया कि पिछले कई पर्व की बात की जाए तो इस बार चांदी की बिक्री में कमी दर्ज हुई है। शहर से बाहर अन्य जिलों में जाने वाले चांदी के उत्पादों की बिक्री में लगभग 50 फीसदी की इस बार कमी दर्ज की जा रही है।

पार्लर में पैकेज बुक

- पर्व पर सजना के लिए सजने की भी इस बार पूरी तैयारी है। पार्लर में पर्व के लिए एडवांस बुकिंग 15 दिन पहले से ही चल रही है। स्वरूप नगर स्थित पार्लर संचालिका ने बताया कि इस बार स्टैंडर्ड फुल पैकेज 15 हजार रुपये तक बुक हुआ है। इस पैकेज में मेहंदी शामिल नहीं है। सबसे अधिक रुझान इस बार पहली बार करवाचौथ मनाने वाली युवतियों का हैं। कई ने स्पेशल 20 हजार रुपये तक का मेकअप पैकेज बुक कराया है। मेहंदी की बुकिंग भी फुल हो चुकी है। सबसे अधिक मांग लाइट मेकअप की हो रही है।

रोहिणी नक्षत्र में उदय होगा करवा चौथ का चंद्रमा

- **कानपुर।** अखंड सुहाग के लिए सुहागिन महिलाएं कार्तिक कृष्ण चतुर्थी शुक्रवार 10 अक्टूबर को करवा चौथ का व्रत करेंगी। पति की लंबी उम्र व उन्नत गृहस्थ जीवन के लिए करवा चौथ का व्रत रोहिणी नक्षत्र के अद्भुत संयोग में मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि 10 अक्टूबर को कृतिका नक्षत्र शाम 5 बजकर 31 मिनट तक रहेगा, इसके बाद रोहिणी नक्षत्र रहेगा। रोहिणी नक्षत्र में पूजन सुख, सौभाग्यदायक रहेगा। करवा चौथ के दिन सुहागन महिलाएं पति की लंबी आयु और सुखी वैवाहिक जीवन के लिए निर्जला व्रत रखती हैं, फिर सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक बिना अन्न और जल के व्रत रखती हैं, शाम की पूजा और चंद्र अर्घ्य के बाद पारण किया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव, माता पार्वती, प्रभु गणेश, भगवान कार्तिकेय और चन्द्रमा की पूजा की जाती है। सुहागिन स्त्रियों को करवा चौथ का व्रत करने से अखंड सौभाग्य व पति को अक्षुण का आशीर्वाद प्राप्त होता है। करवा चौथ के दिन को करक चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। करवा या करक मिट्टी के पात्र को कहते हैं। जिससे चन्द्रमा को जल अर्पण, जो कि अर्घ कहलाता है, किया जाता है। पूजा के दौरान करवा बहुत महत्वपूर्ण होता है और इसे ब्राह्मण या किसी योग्य महिला को दान में भी दिया जाता है।

- सोने-चांदी के ऊंचे दामों ने बाजार पर डाला असर, भारी आभूषणों की मांग घटी

क्यों होती है चंद्रमा की पूजा

- मान्यता है कि चंद्रमा को आयु, सुख और शांति का कारक माना जाता है और इनकी पूजा से वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है और पति की आयु भी लंबी होती है।

करवाचौथ पर चंद्रोदय का समय

- करवा चौथ के दिन कानपुर में चंद्रोदय रात में 08 बजकर 16 मिनट पर होगा। करवा माता की पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5:46 बजे से लेकर शाम 7 बजे तक रहेगा।

251 में माटी के करवे

- माटी के करवों और पूजन सामग्री की दुकानें भी शहर में सज गई है। माटी के करवों की बात की जाए तो स्टैंडर्ड साइज के करवे की कीमत बाजार में 251 रुपये तक है। डिजाइनर और प्रिंट किए हुए करवों की कीमत 500 रुपये तक हैं।

आत्म निर्भर भारत अभियान की बनेगी रूपरेखा

कानपुर। आत्म निर्भर भारत अभियान को लेकर कानपुर उत्तर, दक्षिण व ग्रामीण जिले की संयुक्त पत्रकार वार्ता मंगलवार को होगी। दोपहर 1 बजे जिला भाजपा कार्यालय नवीन मार्केट में सभी जिलाध्यक्षों के साथ जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि इस दौरान अभियान से जुड़ी रूप रेखा बनाने के साथ ही जिम्मेदारी भी सौंपी जाएगी। दूसरी ओर जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित की अध्यक्षता में 8 अक्टूबर को गोविंद नगर विधानसभा के आत्म निर्भर भारत अभियान और नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म अभियान के सम्मेलन को लेकर तैयारी बैठक हुई। विधायक सुरेंद्र मैथानी के कार्यालय पर बैठक में मैथानी ने कहा कि विधान सभा सम्मेलन के माध्यम से हम कार्यकर्ताओं को इन दोनों अभियानों का संदेश जन जन तक पहुंचाने के लिए प्रेरित करेंगे। जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित ने बताया कि गोविंद नगर विधान सभा के सम्मेलन का स्थान क्लब हाउस 15 आवास विकास तय किया गया है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

शिक्षकों का किया गया सम्मान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एचएन मिश्रा कालेज आफ एजुकेशन में समारोह

अमृत विचार। विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रो. एच. एन. मिश्रा कॉलेज ऑफ एजुकेशन एवं इंटरनेशनल सेंटर इंग्लिश स्कूल की ओर से सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान 'पूर्व कुलपति प्रो. एचएन मिश्रा उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान' शिक्षकों को प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक महेश त्रिवेदी, भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, वीएसएसडी प्रबंध समिति की सचिव नीतू सिंह, पीपीएन कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अनूप सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में विद्यालय की निदेशिका मृदु चौहान, कार्यक्रम संयोजक डॉ संदीप श्रीवास व डॉ. सरोज कुमार जायसवाल, डॉ. ऋतम्भरा श्रीवास्तव मौजूद रहीं।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना की जानकारी दी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। क्षेत्रीय कार्यालय, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) द्वारा "मेला दिवस के अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं प्रशिक्षण केंद्रों में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षुओं को प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के बारे में जानकारी दी।

सोमवार को कानपुर के कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय कार्यालय सर्वोदय नगर में मेला दिवस का आयोजन किया गया। इसी प्रकार कानपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 15 जिलों कानपुर नगर, कानपुर देहात, फतेहपुर, उन्नाव, फर्रुखाबाद, कन्नौज, ललितपुर, झांसी, जालौन, हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट, औरैया एवं इटावा में भी मेला लगा। इस अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं प्रशिक्षण केंद्रों में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षुओं को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) की विभिन्न योजनाओं, जैसे भविष्य निधि, पेंशन एवं बीमा से संबंधित प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के लाभों के बारे में भी बताया गया, जिससे भविष्य में नौकरी ज्वाइन करने वाले युवाओं को रोजगार से जुड़ी सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सके। मीडिया प्रभारी राहुल गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को सामाजिक सुरक्षा एवं वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरूक बनाना तथा उन्हें यह प्रेरित करना था कि वे आसपास के लोगों को भी इन योजनाओं की जानकारी दें, जिससे अधिक नागरिक इनका लाभ उठा सकें।

क्षेत्रीय कार्यालय, ईपीएफओ में लगा मेला। अमृत विचार

17 वर्षीय रुद्राक्ष ने ड्रोन उड़ान में बनाया रिकॉर्ड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। तकनीकी क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास के बीच कानपुर के 17 वर्षीय छात्र रुद्राक्ष ने ड्रोन नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। रुद्राक्ष ने 2.5 किग्रा वजनी कैटेगरी में ड्रोन को लिफ्ट करके 7 किलोमीटर तक उड़ाया है। इससे पहले दिल्ली के एक छात्र ने 4 किमी उड़ाकर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स 2.5 किग्रा वजनी कैटेगरी में रिकार्ड बनाया था।

सर पदमपत सिंघानिया एजुकेशन सेंटर के कक्षा 12 के छात्र रुद्राक्ष ने फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन को पूरी तरह स्वयं डिजाइन और तैयार किया। उन्होंने 2.5 किग्रा वजनी इस ड्रोन को 7.2 किलोमीटर की दूरी तक 105 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से सफलतापूर्वक उड़ाकर यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया। इस उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने 28 अगस्त 2025 को आधिकारिक रूप से मान्यता दी। संस्था की ओर से रुद्राक्ष को प्रमाण पत्र, सम्मान पत्र और अचीवर्स बैज प्रदान किया गया। रुद्राक्ष के पिता डॉ. आरके निरंजन ने अपने पुत्र की इस सफलता पर गर्व व्यक्त किया।

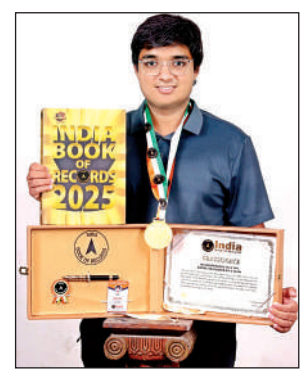

रुद्राक्ष।

स्टोर का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि।

लाइमलाइट डायमंड्स का स्टोर खुला

कानपुर। लैब ग्रोन डायमंड ज्वेलरी ब्रांड लाइमलाइट डायमंड्स ने कानपुर में पहले स्टोर को लॉन्च कर दिया है। साकेत नगर में स्टोर में ग्राहकों को आधुनिक एवं सस्टेनेबल व ज्वेलरी मिलेगी। इस दौरान बताया गया कि लाइमलाइट की लैब ग्रोन डायमंड ज्वेलरी का शानदार कलेक्शन पेश किया गया है। जिसमें स्टेटमेन्ट सोलिटेयर से लेकर नेकलेस, रोज़मर्रा के लिए क्लासिक रिंग्स, ब्रेसलेट और ईयररिंग्स शामिल हैं। लाइमलाइट एक विशेष ऑफ़र लेकर आया है। जिसके चलते ग्राहक डायमंड की कीमत पर 30 फीसदी और मेकिंग चार्ज पर सौ फीसदी छूट का लाभ उठा सकते है। यह ऑफर 26 अक्टूबर 2025 तक वैध है। लाइमलाइट डायमंड्स की फाउंडर एवं एमडी, पूजा माधवन ने कहा कि हमें खुशी है कि हम कानपुर के उभरते लक्ज़री मार्केट के लिए सस्टेनेबल एवं बेहतरीन ज्वेलरी की व्यापक रेंज लेकर आए हैं।

प्रभु राम ने की कपियों की विदाई

कानपुर। रामलीला भवन मेस्टन रोड में शरद-उत्सव की लीला का मंचन किया गया। भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत जी,शत्रुघ्न ने श्वेत वस्त्र एवं आभूषण धारण किया। श्रीराम ने नवधा भक्ति पर भरत जी को उपदेश दिए। तीनों भाइयों के साथ उन्होंने अंगद, सुग्रीव व अन्य कपियों की विदाई की। विभीषण ने लंका की विशेष माला प्रभु श्रीराम को भेंट की। राम जी ने माला सीता को दे दी। सीता ने वह माला उपहार स्वरूप हनुमान को दी। हनुमान जी माला को दातों से तोड़ने लगे ,विभीषण ने हनुमान जी को रोका, तो हनुमान कहने लगे इसमें राम नहीं दिख रहे,विभीषण ने तार्किक शब्दों में हनुमान से कहा आपके शरीर में भी कहीं नहीं दिख रहे तभी हनुमान जी ने भरी सभा में उपस्थितजनों के समक्ष सीना चीर सियाराम के दर्शन कराए। इस अवसर पर सोसायटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव गर्ग, प्रधानमंत्री कमलकिशोर अग्रवाल, मंत्री अमरनाथ मेहरोत्रा, मंत्री आलोक अग्रवाल, पवन अग्रवाल, उपाध्यक्ष लाल जी शुक्ल, वीरेंद्र अग्रवाल संरक्षक राकेश गर्ग संयोजक मनोज अग्रवाल, प्रवीन अग्रवाल, बृजकिशोर ने आरती की।

श्री राम का दरबार सजा।

न्यूज डायरी

पुरस्कार के साथ विजयी टीम के खिलाड़ी।

येलो ने ब्लू टीम को हराकर ट्रॉफी हासिल की

कानपुर। गंगा बैराज स्थित बीसीए ग्राउंड पर केपीएल सीजन-2 क्रांतिकारी प्रीमियर लीग में टीम येलो और ब्लू के बीच शानदार मुकाबला हुआ। येलो ने ब्लू टीम को सात विकेट से हराकर ट्राफी अपने नाम की। विधान परिषद सदस्य अरुण पाठक व सावित्री मिश्रा ने टीम को विजेता ट्रॉफी प्रदान की। मैन ऑफ द मैच विवेक यादव, फाइटर ऑफ द मैच शौर्य प्रताप, बेस्ट बैट्समैन राजेश व बेस्ट बॉलर खिताब राहुल टंडन को मिला। बेस्ट फेयर ऑफ मैच कप्तान ब्लैक टीम शैलेंद्र गुप्ता रहे। शैलेंद्र गुप्ता ने संगठन अध्यक्ष आशीष मिश्रा को सफल टूर्नामेंट की शुभकामनाएं दीं।

643 टैबलेट वितरित किए

कानपुर। ब्रह्मानन्द कॉलेज में स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के तहत टैबलेट वितरित किए गए। इस दौरान सांसद रमेश अवस्थी मौजूद रहे। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो (डॉ) विवेक द्विवेदी ने की। प्राचार्य डॉ. विवेक द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में स्वदेशी विचार, तकनीकी और कृत्रिम बुद्धि का विकास अपरिहार्य आवश्यकता है। उप प्राचार्य प्रो नवनीत मिश्र ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी डॉ प्रदीप कुमार व विमल कुमार ने बताया कि कुल 643 टैबलेट का वितरण किया गया, जिसमें बीकाम के 412, एलएलबी के 160, बीएससी के 61, एमएससी के 4 तथा पीएचडी के 6 छात्र छात्रायें शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो सुनील सिंह के द्वारा किया गया।

छात्र-छात्राओं को टैबलेट दिए गए।

गरबा, डांडिया उत्सव मना

कानपुर। स्काई टच एकेडमी तात्या टोपे नगर फेस 3 में डांडिया व गरबा महोत्सव मनाया गया। कक्षा 1 से 8 तक के छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुतियां दीं। रंग-बिरंगी पोशाकों में थिरकते कदमों ने कार्यक्रम के माहौल को भव्य बना दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के स्टूडेंट्स दीपिका, जया, वसुंधरा, शिखा, गौरी, वैष्णवी, सृष्टि, हनी, काशी, हिमांशू, आरव, अंश आदि ने प्रस्तुतियां दीं। विद्यालय की शिक्षिकाओं पूनम शर्मा, ज्योति मिश्रा, रिचा मिश्रा, प्रियंका शर्मा, कृति, आरती शर्मा, कंचन, स्मारिका शुक्ला व अन्य शिक्षिकाओं ने योगदान किया। प्रिंसिपल परमहंस द्विवेदी ने बच्चों को उपहार दिए।

बच्चों ने डांडिया खेला।

गुड न्यूज

राज्य सरकार ने सरकारी मदद देने का अनुमोदन कर दिया

एचबीटीयू में जल्द सफल होंगे स्टार्टअप, मिलेगा बजट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एचबीटीयू के इंक्यूबेशन सेंटर एचबीटीयू टीबीआई (टेक्नोलाजी बिजनेस इन्क्यूबेशन) फाउंडेशन को यूपी स्टार्टअप नीति-2020 के तहत राज्य सरकार ने सरकारी मदद देने का अनुमोदन कर दिया है। इस अनुमोदन के बाद विश्वविद्यालय में स्टार्टअप के लिए बजट की कमी नहीं होगी। वित्तीय मंजूरी के बाद फाउंडेशन उन प्रमुख संस्थानों में शामिल हो गया है जिन्हें यूपी स्टार्टअप नीति-2020 के तहत सरकारी सहयोग मिला है। इस स्वीकृति से फाउंडेशन को परिचालन व्यय के लिए कुल 1.50 करोड़ रुपये की मदद मिलेगी। इसमें हर वर्ष 30 लाख रुपये का बजट हासिल होगा। यह आर्थिक मदद पांच वर्षों तक या इन्क्यूबेटर के सफल होने तक जारी रहेगी। एचबीटीयू टीबीआई फाउंडेशन के सीईओ एंड निदेशक डा. जितेंद्र भास्कर ने बताया कि एचबीटीयू टीबीआई फाउंडेशन 2022 में स्थापित हुआ। जिसमें 17 स्टार्टअप इंक्यूबेटेड हुए। सरकार की ओर से अनुमोदन न मिलने पर स्टार्टअप्स के सामने बजट की समस्या आती थी। अब समस्या दूर हो गई है।

सीएसजेएमयू में एमओयू साइन किया गया।

सीएसजेएमयू में हुआ एमओयू

- **कानपुर।** सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज ने आइडियल लाइफ हेल्थकेयर लिमिटेड और सिग्ना फार्मास्युटिकल्स के साथ एमओयू किया है। सेंटर ऑफ़ एकेडमिक भवन में हुए कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक, प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर सुधीर कुमार अवस्थी और रजिस्ट्रार राकेश कुमार मिश्रा की उपस्थिति में एमओयू में साइन हुए। समारोह में आइडियल लाइफ हेल्थकेयर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ विशाल भार्गव व सिग्ना फार्मास्युटिकल्स के प्रबंध निदेशक डॉ सुरभ भार्गव भी मौजूद रहे। विभाग की निदेशक डॉ शशि किरण मिश्रा, डॉ मीनाक्षी गुप्ता, डॉ अनुप्रिया कपूर, डॉ निशा शर्मा और विभाग के सभी संकाय सदस्य मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

घर पर फंदे से लटका मिला महिला का शव

उन्नाव। अचलगंज के बैरागर गांव निवासी अरविंद गौतम की 28 वर्षीया पत्नी आरती देवी का शव सोमवार दोपहर कमरे में छत के कुंडे से लटका देख परिजनों के होश उड़ गए। इसकी सूचना पर एसओ राजेश पाठक ने जांच कर महिला आरक्षियों की मदद से शव नीचे उतरवाया। एसओ ने घटना की जानकारी एसडीएम को देने के साथ उसके मायके में भी सूचना दी है। आरती का मायका दिल्ली में है। उसने प्रेम विवाह किया था।

रेलवे ट्रैक के पास मिला युवक का शव

उन्नाव। लखनऊ-कानपुर रेलमार्ग पर दयालखेड़ा-सहजनी रेलवे क्रासिंग के बीच खंभा संख्या 61/29 के पास प्वाइंट मैन ने सोमवार सुबह युवक का शव पड़ा देख स्टेशन मास्टर को सूचना दी। मेमो पर जीआरपी व मगरवारा चौकी पुलिस पहुंची और शव ट्रैक से हटवाया। ट्रेन की चपेट में आने से उसका एक हाथ व एक पैर कटकर अलग हो गया था। जामातलाशी में उसके पास ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे शिनाख्त हो सके।

गांधी नगर के 400 घरों की बिजली दिनभर ठप

शुक्लागंज। रीवैंप योजना के तहत केबल डालने के कार्य के चलते सोमवार को गांधी नगर क्षेत्र के सैकड़ों घरों की बिजली आपूर्ति दिनभर ठप रही। पोनी रोड स्थित 400 केवीए ट्रांसफार्मर की सप्लाई सुबह 10 बजे बंद की गई, जिसके बाद कार्यदायी संस्था के कर्मचारियों ने पुराने जर्जर तारों को हटाकर नई एबीसी केबल डालने का काम शुरू किया। पूरे दिन चलने वाले इस कार्य के कारण गांधी नगर की एक गली के करीब चार सौ घरों में बिजली गुल रही। शाम करीब 6 बजे काम पूरा होने के बाद ही आपूर्ति बहाल की जा सकी।

शुक्लागंज पहुंची नासिक पुलिस

शुक्लागंज। महाराष्ट्र के नासिक शहर की जलगांव थाना पुलिस ने सोमवार को शुक्लागंज के विभिन्न मोहल्लों में साइबर अपराध के आरोपियों की तलाश में छापेमारी की। एसआई देशमुख और मुतर्जा मिर्जा की टीम सुबह से देर शाम तक नगर में डेरा डाले रही। टीम ने शक्तिनगर, कंचन नगर व न्यू आजाद पुरम जैसे चिन्हित मोहल्लों में सर्विलांस और स्थानीय पुलिस की मदद से छापेमारी की। कंचन नगर निवासी उमर मोहम्मद समेत तीन अन्य लोगों के खिलाफ नासिक में साइबर अपराध के मामले दर्ज हैं और उनके खिलाफ वारंट जारी है। हालांकि पूरी छापेमारी के दौरान टीम को कोई सफलता नहीं मिली और आरोपी पकड़ में नहीं आए।

नवीन पुल पर ढाई घंटे जाम से कराए राहगीर

शुक्लागंज। सोमवार सुबह नवीन पुल पर वाहनों का दबाव बढ़ने से करीब ढाई घंटे तक भीषण जाम लगा रहा। इससे कानपुर जाने वाले वाहन सवारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जाम हटवाने में स्थानीय पुलिस व यातायात कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। दोपहर बाद यातायात सामान्य हो सका। लोगों ने प्रशासन से पुल पर यातायात व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

इंटरलाकिंग कार्य से ट्रेनों की रफ्तार थमी

शुक्लागंज। सोमवार को लखनऊ-अमौसी स्टेशन पर इंटरलाकिंग कार्य के चलते कानपुर-लखनऊ रेल रूट पर ट्रेनों का संचालन दिनभर प्रभावित रहा। इसका असर पैसेंजर, मेमो व एक्सप्रेस ट्रेनों पर दिखा। कई ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों की देरी से गंगाघाट स्टेशन पहुंचीं जबकि कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों को स्टेशन पर अस्थाई रूप से एक से दो मिनट के लिए रोकना पड़ा। उत्तर रेलवे के अधीन हो रहे इस तकनीकी कार्य के कारण डाउन लाइन पर ट्रेनों की गति बाधित रही।

दरोगा व शिक्षिका को दिल्ली में मिला अवार्ड

उन्नाव। ग्रीन भारत अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के प्रति किए जा रहे प्रयासों के लिये उन्नाव पुलिस कंट्रोल रूम प्रभारी सीनियर सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व व बच्चों की ग्रीन आर्मी बना समुदाय में जागरूकता अभियान चला रही कटरी पीपरखेड़ा कंपोजिट विद्यालय में कार्यरत राज्य पुरुस्कार प्राप्त शिक्षिका व एसआरजी डॉ. रचना सिंह को एबीएम फाउंडेशन के संस्थापक अमोल भगत द्वारा नई दिल्ली में गांधी पीस इंटरनेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पुण्यतिथि पर याद किए गए पूर्व केंद्रीय मंत्री

उन्नाव, अमृत विचार। पूर्व केंद्रीय मंत्री जियाउर रहमान अंसारी की 33वीं पुण्यतिथि पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें निर्भीक, ईमानदार, न्याय प्रिय व धर्म निरपेक्ष नेता बताया गया। इसमें जिले की गंगा जमुनी तहजीब को बचाने का संकल्प लिया गया।

रंजिश में युवक की पीट-पीटकर हत्या

वारदात से क्षेत्र में दहशत, पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ कर शुरू की पूछताछ

संवाददाता, औरास, उन्नाव

अमृत विचार। दुकान पर मोबाइल रिपेयरिंग कराने गए युवक पर पुरानी रंजिश के चलते पिता-पुत्र सहित चार लोगों ने लाठी-डंडे से हमलाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की है।

औरास के मर्दनखेड़ा गांव निवासी पूर्व बीडीसी करन सिंह(45) पुत्र संतराम गांव में बाजार लगवाता था। आरोप है कि पड़ोसी गांव डल्लू खेड़ा निवासी वीरेंद्र पुत्र स्व. सूबेदार, उसका बेटा अमित, सर्वेश पुत्र सुरेंद्र व पप्पू पुत्र छोटे अक्सर नशे में बाजार में दबंगई कर दुकानदारों को परेशान करते थे। करन सिंह ने इसका विरोध किया तो दोनों पक्षों में खुन्नस बढ़ गई। इसे लेकर पहले भी कहासुनी होने की चर्चा रही। बताते हैं कि रविवार देरशाम करन घर से 600 मीटर आगे थानाक्षेत्र के देवतारा गांव स्थित सत्येंद्र की दुकान पर मोबाइल रिपेयरिंग करा रहा था। तभी वीरेंद्र अपने बेटे व साथी सर्वेश और पप्पू के साथ वहां पहुंचा और गालीगलौज करने लगा। विरोध करने पर चारों ने लाठी-डंडों व लोहे की राड से करन पर हमला बोल दिया। गांव वालों के ललकारने पर हमलावर मौके से भाग निकले।

करन(फाइल फोटो)

गांव निवासी संदीप पुत्र माधव से मिली सूचना पर बेटा शुभम चाचा राम सिंह व अन्य परिजन वहां पहुंचे और लहूलुहान हालत में उसे सीएचसी लाए। जहां डॉक्टर ने प्रारंभिक इलाज के बाद उसे हायर सेंटर ले जाने को कहा। रेफर के कागज बन ही रहे थे तभी उसकी मौत हो गई। यह देख परिजनों में चीख-पुकार मच गई। एएसपी दक्षिणी प्रेमचंद ने घटनास्थल का निरीक्षण कर फोरेंसिक जांच कराई। पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा। जहां सोमवार को उसका पोस्टमार्टम कराया गया। बेटे की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। एएसपी ने बताया कि मारपीट में आई चोटों से एक व्यक्ति की मौत हुई है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर एक आरोपी पप्पू को पकड़कर पूछताछ की जा रही है।

घटना के बाद बिलखते परिजन। अमृत विचार

मुठभेड़ में पुलिस ने दो बदमाशों को दबोचा

बांगरमऊ, अमृत विचार। कोतवाली पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम की चेकिंग के दौरान बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में पुलिस ने 10-10 हजार रुपये के इनामिया दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।

बांगरमऊ कोतवाली पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम द्वारा ग्राम डहन रोड पर संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। तभी पुलिस टीम द्वारा एक बाइक पर सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया गया। तभी दोनों ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया गया। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों ने अपना नाम विवेक उर्फ सुआ पुत्र ऋषिकान्त निवासी हरदोई और सोलंकी पुत्र श्यामकुमार निवासी ग्राम कैथोलिया हरदोई बताया है।

पैर में गोली लगने के बाद घायल बदमाशों को ले जाती पुलिस। अमृत विचार

घायल दोनों अभियुक्तों ने अपने साथियों के साथ बीते 3 अक्टूबर को बांगरमऊ क्षेत्रान्तर्गत चन्द्रा धर्मकांटा के पास राम जीवन पुत्र बिहारी लाल निवासी हैबतपुर के थैले से 76 हजार रुपये लेकर भागने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए विवेक के पास से एक तमंचा, 1 खोखा व 1 कारतूस और चोरी के 5200 रुपये और सोलंकी के कब्जे से एक तमंचा, 1 खोखा व 2 कारतूस व चोरी के 4700 रुपए बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि विवेक के खिलाफ उन्नाव, सीतापुर व शाहजहांपुर में लूट, गैंगस्टर, आर्म्स एक्ट व चोरी सहित 8 मुकदमे व सोलंकी के विरुद्ध हरदोई, कन्नौज व मथुरा में आर्म्स एक्ट, चोरी, गैंगस्टर व हत्या के प्रयास सहित कुल 11 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने घायल बदमाशों को सीएचसी बांगरमऊ में भर्ती कराया है। दोनों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है।

13 बीघा जमीन पर अवैध कब्जे की पैमाइश शुरू

शुक्लागंज, अमृत विचार। गंगाघाट के कटरी पीपरखेड़ा ग्राम सभा में सरकारी बंजर जमीनों पर अवैध कब्जा कर प्लाटिंग और बिक्री के प्रयास की शिकायत डीएम उन्नाव तक पहुंची। जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर सहायक अभिलेख अधिकारी ने राजस्व निरीक्षक की अगुवाई में 6 सदस्यीय टीम गठित की, जो सोमवार को चार गाटा संख्याओं में दर्ज करीब 13 बीघा बंजर और रेत में दर्ज जमीन की पैमाइश करने पहुंची।

टीम में सर्वे राजस्व निरीक्षक प्रेम प्रकाश, सर्वे लेखपाल फूलचन्द्र रावत, निर्मल कृष्ण, अभिषेक मिश्रा, महेन्द्र पाल और चेनमैन सर्वेश कुमार शामिल थे। टीम ने गाटा संख्या 295 में 1.0500 हेक्टयर, 296 में 0.3900 हेक्टयर, 317घ में 0.8505 हेक्टयर और 319क में 0.3900 हेक्टयर भूमि की पैमाइश शुरू की। पैमाइश पूरी होने के बाद टीम अपनी रिपोर्ट जिला मुख्यालय को भेजेगी। इसके बाद सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पूरे दिन जाम के झाम में फंसे रहे वाहन सवार

उन्नाव, अमृत विचार। शहर के व्यस्ततम मार्ग में सदर बाजार, बड़ा चौराहा व छोटा चौराहा के बीच इन दिनों अतिक्रमण और अवैध पार्किंग के चलते भीषण जाम लग रहा है। आलम यह है कि दिन में यहां से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं है और वाहन चालकों के साथ पैदल चलने वालों को भी घंटों जाम में फंसना पड़ता है। सोमवार को पूरे दिन जाम के हालत बने रहे। बता दें कि दुकानदार बेझिझक अपनी दुकान का सामान व स्टॉल सड़क तक फैला देते हैं। इससे फुटपाथ व सड़क का बड़ा हिस्सा घिर जाता है। यह अतिक्रमण मार्ग को बेहद संकरा बना देता है। बाजारों में आए ग्राहक व अन्य लोग अपने वाहन सड़क किनारे बेतरतीब ढंग से खड़े कर देते हैं। लोगों का आरोप है कि उचित पार्किंग व्यवस्था की कमी और नियमों के प्रति उदासीनता ने इस समस्या को स्थायी बना दिया है।

12 केंद्रों पर होगी पीसीएस (प्री) परीक्षा

उन्नाव, अमृत विचार। सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा.) परीक्षा-2025 व सहायक वन संरक्षक/क्षेत्रीय वन अधिकारी सेवा (प्रा.) परीक्षा-2025 के शांतिपूर्ण व नकल विहीन आयोजन के लिए जिलाधिकारी गौरांग राठी ने सोमवार को कलक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में परीक्षा ड्यूटी में तैनात सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेटों और केंद्र व्यवस्थापकों के साथ तैयारियों की बैठक की।

यह लिखित परीक्षा 12 अक्टूबर को जिले के 12 केंद्रों पर दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह साढ़े 9 से साढ़े 11 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर ढाई से साढ़े 4 बजे तक होगी। इसमें 4800 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि परीक्षा को नकल विहीन, सुगमता व पारदर्शिता पूर्ण संपन्न कराएं। परीक्षा में कोई चूक नहीं होनी चाहिए। केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा के दिन सुरक्षा, विद्युत, लाइटिंग, पीने के पानी व सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि सभी सेक्टर व स्टैटिक मजिस्ट्रेट अपनी जिम्मेदारियां गंभीरता से निभाएं। इसमें 12 सेक्टर, 12 स्टैटिक मजिस्ट्रेट व 12 केंद्र व्यवस्थापक नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा 12 सह केंद्र व्यवस्थापक और शिक्षक ड्यूटी पर रहेंगे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए 26 रिजर्व शिक्षकों की सूची भी बनी है। सभी अधिकारियों व शिक्षकों का प्रशिक्षण निर्धारित तिथि से पूर्व करा लिया जाएगा। बैठक में एसपी जय प्रकाश सिंह, एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, एडीएम न्यायिक अमिताभ यादव, एएसपी अखिलेश सिंह, डीआईओएस सुनील द व प्रेक्षक अतुल कुमार आदि अधिकारी रहे।

बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते जिलाधिकारी गौरांग राठी। अमृत विचार

रोजगार मेले में 55 छात्रों का हुआ चयन

उन्नाव। डॉ. हरिवंश राय बच्चन महाविद्यालय में छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के तत्वावधान में रोजगार मेले का आयोजन हुआ। मेले में करीब 300 से अधिक नौकरियां के सापेक्ष करीब 343 छात्र-छात्राओं ने ऑनलाइन आवेदन किया था। जिसमें 271 ने साक्षात्कार दिया और उनमें से 55 को चयनित किया गया। वहीं, 171 को अगले चरण के लिए चयनित किया गया। मेले का शुभारंभ प्रबंध समिति अध्यक्ष रेनू सिंह, प्राचार्य डॉ. कुलभूषण श्रीवास्तव, डायरेक्टर कृष्ण प्रसाद अवस्थी ने दीप प्रज्वलन के साथ किया।

बहनोई के घर में हुई महिला आरक्षी की मौत

बहनोई के यहां पर बिगड़ी हालत

संवाददाता, उन्नाव

- वर्तमान में आरक्षी की तैनाती लखनऊ में थी

अमृत विचार। लखनऊ में तैनात महिला आरक्षी की बहन के घर पर अचानक हालत बिगड़ गई। इस पर उसे जिला अस्पताल लाया गया। जहां इलाज शुरू होते उसकी मौत हो गई। भाई की सूचना पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। इसमें बीमारी से मौत होने की पुष्टि हुई है।

फतेहपुर जिला के बड़ारी गांव निवासी अनुराधा पटेल (36) पुत्र स्व. राजेंद्र प्रसाद पुलिस विभाग में आरक्षी के पद पर वर्ष 2011 में भर्ती हुई थी। वर्तमाम में उसकी तैनाती लखनऊ में थी। पिता की मौत के बाद बड़ी बेटी होने के नाते उसने परिवार की जिम्मेदारी अपने कंधे पर उठा ली। इससे उसने छोटी बहनों की शादी कर दी। लेकिन खुद अविवाहित थी। बीते एक सप्ताह से वह बीमार चल रही थी। परिजनों ने उसे 30 सितंबर को कानपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां से इलाज के बाद उसे डिस्चार्ज किया गया था। फतेहपुर से कानपुर की दूरी अधिक होने से वह अचलगंज थानाक्षेत्र के मैंनहा गांव निवासी बहनोई वैभव पटेल के घर रुक गई थी।

रविवार शाम अचानक उसकी हालत अधिक बिगड़ गई। इस पर उसे जिला अस्पताल लाया गया। जहां इलाज शुरू होने के कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। अस्पताल के मेमो पर शव मोर्चरी में रखवाया गया। जानकारी पर पहुंचे भाई अंकित के प्रार्थनापत्र पर अचलगंज पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। इसमें सेप्टीसीमिया बीमारी के चलते उसकी मौत होने की बात सामने आई है।

हत्या के आरोपी बाल अपचारी को पुलिस ने संरक्षण में लिया

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। एसपी के निर्देश पर चल रहे अपराधियों के विरुद्ध अभियान के तहत गंगाघाट पुलिस ने हत्या के आरोपी बाल अपचारी को संरक्षण में लिया है।

6 अगस्त को जाजमऊ चौकी क्षेत्र के 16 बीघा निवासी पीर मोहम्मद ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रात करीब 9 बजे कुछ किशोरों व अन्य लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते उसके पुत्र नवाब उर्फ फैज आलम और सुल्तान आलम को बुलाकर चाकू से हमला कर दिया था। इलाज के दौरान नवाब की मौत हो गई थी, जबकि सुल्तान का इलाज हैलट अस्पताल कानपुर में चला था। जांच में साक्ष्य एकत्र होने पर मुकदमे में धाराएं बढ़ाई गई थी। इस मामले में आरोपी भूरे उर्फ छोटू को 8 अगस्त को आलाकत्ल सहित गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था, वहीं एक बाल आपचारी को संरक्षण में लिया गया था। जबकि फरार चल रहे 16 वर्षीय बाल अपचारी को सोमवार को पुलिस ने अभिरक्षा में ले लिया। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह, कांस्टेबल कृष्णानंद मौर्य, अनूप कुमार और प्रिय प्रकाश शामिल रहे।

शरद पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

शरद पूर्णिमा पर गंगा स्नान करते श्रद्धालु। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। शरद पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने सुबह से ही गंगा में आस्था की डुबकी लगा कर पुण्य कमाया। जिसके बाद स्नानार्थियों ने घाट पर सत्य नारायन की कथा भी सुनी। गंगा तट पर लगी दुकानों पर जमकर खरीददारी भी की।

शरद पूर्णिमा के अवसर पर नगर के अलावा उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, बालामऊ, हरदोई समेत तमाम स्थानों से सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने गंगा में स्नान किया श्रद्धालुओं की भीड़ नगर के सभी घाटों पर देखी गई। कुछ श्रद्धालुओं ने गंगा तट पर बैठे पंडों को दान दक्षिणा देने के अलावा सत्य नारायन की कथा का भी श्रवण किया। ऐसी मान्यता है कि इस दिन स्नान करने से पूर्व में किए गये पाप कर्म नष्ट हो जाते हैं। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने गंगातट पर लगी दुकानों पर खरीददारी की। गंगा तट पर सुबह से लेकर दोपहर तक स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। इसके साथ ही सभी ने गंगा को स्वच्छ बनाये रखने का संकल्प लिया। वहीं पूर्णिमाओं में शरद पूर्णिमा अनूठी है। उस दिन कामदेव और रति का जादू प्रकृति पर सर्वत्र छाया नजर आता है। प्रथम पूज्य गणेश नृत्य गणपति बन देवता, मनुष्य, पशु-पक्षी सबके साथ मधुर संगीत की सुर-ताल के बीच मस्ती में नाच रहे होते हैं।

दुकान में घुसकर युवकों की पिटाई का वीडियो वायरल

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। नगर के गोपीनाथ पुरम इलाके में सोमवार दोपहर गाड़ी में हल्की टक्कर लगने के बाद कुछ युवकों ने खुलेआम दबंगई दिखाते हुए विरोध करने वाले युवकों की दुकान में घुसकर जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान एक युवक का सिर फट गया, जबकि उसके दो साथी भी घायल हो गए। युवकों की गुंडई का पूरा वीडियो कैमरे में कैद हो गया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, घटना एसवीएम स्कूल जाने वाली गली की है, जहां एक कार में टक्कर लगने पर दुकानदार ने विरोध किया। इसी बात पर भड़ककर तीन-चार युवक दुकान में घुस गए और वहां मौजूद तीन युवकों को घसीटकर लोहे की रॉड, बेल्ट और डंडों से दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। सरेराह हुई मारपीट से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा और मामले की जांच शुरू की है। वायरल वीडियो की पुष्टि आपका अमृत विचार अखबार नहीं करता है।

केशव शाखा का पथ संचलन अनुशासन का बना प्रतीक

आरएसएस के पथ संचालन में शामिल स्वयंसेवक। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। नगर के पोनी रोड स्थित दयानन्द सरस्वती इंटर कॉलेज परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ केशव शाखा का एकत्रीकरण कर शाखा लगाई गई। जिसके बाद दो वाहिनी चार गण के साथ पथ संचलन निकाला गया, जिसमें एनसीसी छात्रों ने घोष बजाकर उत्साह बढ़ाया। संचलन सुबह साढ़े सात बजे विद्यालय से प्रारंभ होकर बिंदानगर बस्ती, सरोजा लान, श्रीनगर, गंगानगर, ब्रह्मनगर, रामनगर, डाक तार कॉलोनी से होता हुआ पुनः विद्यालय पहुंचकर समाप्त हुआ। पूरे मार्ग में लोगों ने पुष्पवर्षा कर भारत माता की जय के नारे लगाए। कोतवाली गंगाघाट की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। तीन वर्षीय स्वयंसेवक यशस्वीन और सात वर्षीय कान्हा आकर्षण का केंद्र बने रहे। कार्यक्रम में लगभग 200 स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। इस दौरान विनायक, ध्वजवाहक अभिषेक तिवारी, नगर संचालक अंजनी कुमार, सह संचालक राकेश कुमार, जिला संपर्क प्रमुख भूपेंद्र जी, प्रधानाचार्य श्रवण कुमार, नगर कार्यवाह नीरज, सह कार्यवाह सुनील, शिवम, सचिन, शिवाकांत, आकाश, अरुण, आशुतोष, संतोष के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अजीत हत्या के वांछित को पुलिस ने दबोचा

पुलिस गिरफ्त में खड़ा हत्या का आरोपी।

शुक्लागंज, अमृत विचार। एसपी के निर्देश पर गंगाघाट पुलिस ने हत्या के वांछित नक्का उर्फ उमेश निषाद (21) पुत्र रामसजीवन उर्फ जुगाड़ी निवासी मोहल्ला चंपापुरवा को नेतुआ मोड़ फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया। नक्का पर 31 अगस्त 2025 को हुए मासूम अजीत हत्याकांड में संलिप्त होने का आरोप है। मुकदमे के अनुसार, सोनू पुत्र राजाराम ने तहरीर दी थी कि 31 अगस्त की रात करीब साढ़े 9 बजे उसके पास आए अशोक, विनोद, सूरज, लल्लू, अमित, सुरेश और अन्य अज्ञात लोग उसके पुत्र अजीत को गोली मारकर हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने पहले ही कई अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसमें अशोक, विनोद, लल्लू, शुभम गौतम, धनंजय सिंह, सुनील, दीपक सविता, साकेत पाल और सूरज शामिल हैं। जबकि अमित और सूरज ने आत्मसमर्पण किया था। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर नक्का को गिरफ्तार किया।

आयोजन जटायु और रावण के बीच युद्ध का दृश्य देख भावुक हुए दर्शक

अशोक वाटिका में सीता हरण का मंचन

संवाददाता, शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। अशोक वाटिका श्री रामलीला पंचायती समिति शंकरपुर सरांय द्वारा सोमवार को रामलीला का मंचन हुआ। इसमें सीता हरण व जटायु-रावण युद्ध की लीला प्रस्तुत की गई।

शाम सात बजे शुभारंभ हुई लीला में रावण ने साधु का भेष धारण कर आश्रम में प्रवेश किया और सीता से भिक्षा मांगी। लक्ष्मण रेखा के कारण सीता बाहर नहीं निकली, लेकिन रावण ने सीता का हरण कर लिया। इसके बाद जटायु और रावण के बीच युद्ध का दृश्य दिखाया गया। मंचन को देखकर दर्शकों की आंखें नम हो गईं और उन्हें भरपूर आनंद मिला। राम, लक्ष्मण और रावण की भूमिकाएं सराहनीय रहीं। स्थानीय और दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने लीला का आनंद उठाया। इस अवसर पर नरेंद्र नारायण, दीपनरायण त्रिवेदी, गोपाल कृष्ण, सुमन त्रिवेदी, अभिनव अवस्थी, करन त्रिवेदी, अश्वनी त्रिवेदी, अतुल अवस्थी, लक्ष्मीशंकर अवस्थी, श्याम दुलारे, सचिन, श्रेष्ठ, रमेश और आशुतोष त्रिवेदी भी मौजूद रहे।

रामलीला का मंचन करते पात्र। अमृत विचार

लक्ष्मण के मूर्छित होने पर भावविभोर हुए दर्शक

उन्नाव। साकेत धाम में वृंदावन के विष्णु दत्तात्रेय के निर्देशन व उमाशंकर व्यास के संचालन में रामलीला का मंचन हुआ। इसमें रावण-विभीषण संवाद व लक्ष्मण मूर्छा की मार्मिक लीला ने सबकी आंखे नम कर दीं। लीला की शुरुआत में रावण द्वारा अपने भाई विभीषण को अपमानित कर लात मारने का दृश्य दिखाया गया। कुपित विभीषण ने तुरंत प्रभु राम की शरण लेने की घोषणा की। श्रीराम ने विभीषण को गले लगाया और उन्हें लंका का राजा घोषित कर दिया। इसके बाद रामादल व लंकेश की सेना में भीषण युद्ध हुआ। निंद्रा से जगाए गए महाबली कुंभकरण का वध श्रीराम ने किया। युद्ध में मेघनाद ने लक्ष्मण को शक्तिबाण से मरणासन्न कर दिया।

अमृत विचार

मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025

कोई भी मार्ग छोड़ा जा सकता है, बदला जा सकता है। पथ-भ्रष्ट होना कुछ नहीं होता, अगर लक्ष्य-भ्रष्ट न हुए।

-अज्ञेय, साहित्यकार

जिम्मेदारियों का स्खलन

दार्जिलिंग की आपदा दर्दनाक और दुखद है, लेकिन यह पहली बार नहीं है। यह त्रासदी अब लगभग नियमित सी हो चली है। दस साल पहले दार्जिलिंग जिले के दार्जिलिंग, कालिमपोंग और कुर्सियांग उपखंडों में भूस्खलन की करीब 25 घटनाएं हुई थीं, जिनसे सैकड़ों घर तबाह हुए थे। बीते वर्ष अक्टूबर के पहले सप्ताह में भी भयंकर भूस्खलन ने तबाही मचाई थी। प्रधानमंत्री ने स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए हरसंभव सहायता की प्रतिबद्धता दोहराई है। प्रश्न यह है कि आखिर यह सिलसिला कब तक जारी रहेगा? दार्जिलिंग के लोगों को इससे निजात दिलाने की जिम्मेदारी आखिर कौन लेगा? तकनीक, विज्ञान और विकास के इस दौर में यह बहाना अब स्वीकार्य नहीं कि 'कुदरत के कहर को कौन रोक सकता है।'

सच है कि दार्जिलिंग हिमालय की संवेदनशील पर्वतीय श्रृंखला में स्थित है, जहां भूगर्भीय अस्थिरता पहले से ही मौजूद है- यह सबको पता है, लेकिन बिना भूगर्भीय परीक्षण के ढलानों पर होटल, घर और सड़कों का निर्माण, मिट्टी को मजबूत करने वाले वनों की अंधाधुंध कटाई, भारी बारिश के दौरान जल निकासी की कोई ठोस व्यवस्था न होना और पर्यटन से कमाई की होड़ में पर्यावरणीय संतुलन को बिगाड़ने की मानवीय लापरवाही- इन सबने मिलकर इस खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। इन तथ्यों से भी कोई अनजान नहीं है, पर समाधान की जिम्मेदारी कोई नहीं लेना चाहता। किसी सामूहिक प्रयास के बजाय कोई स्थानीय राजनीति को जिम्मेदार ठहराता है, कोई ममता बनर्जी को, कुछ विपक्ष को दोष देते हैं, तो कुछ गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन यानी जीटीए की अकर्मण्यता को। वहीं जीटीए दोहरे नियंत्रण का हवाला देती है। साफ है कि राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी और संस्थागत टकराव ने दार्जिलिंग को एक 'स्थायी आपदा क्षेत्र' बना दिया है।

अब समय है दोषारोपण छोड़कर ठोस कदम उठाने का। आवश्यक है कि राज्य में एक एकीकृत आपदा प्रबंधन प्राधिकरण बने, जो स्वतंत्र और विशेषज्ञ-आधारित निकाय हो तथा जीटीए और राज्य सरकार के बीच समन्वय स्थापित करे। हर निर्माण से पहले भूगर्भीय सर्वेक्षण और वैज्ञानिक परीक्षण अनिवार्य हों तथा ढलानों पर निर्माण पूरी तरह वर्जित किया जाए। स्थानीय समुदायों की भागीदारी से वनीकरण और पर्यावरण-संरक्षण अभियानों को पूरे क्षेत्र में जोर-शोर से शुरू किया जाए। बरसात के पानी को नियंत्रित करने के लिए आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम विकसित हो और स्थायी जल निकासी प्रणाली में सुधार किया जाए। स्कूलों, पंचायतों और पर्यटन केंद्रों में आपदा शिक्षा और प्रशिक्षण देकर स्थानीय जागरूकता बढ़ाई जाए। पर्यटन नीति में पर्यावरणीय संतुलन को भी प्रमुखता दी जानी चाहिए और नियमों का कड़ाई से पालन हो। दार्जिलिंग की प्राकृतिक सुंदरता पर अब आपदा का ग्रहण लग चुका है। यह केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि प्रशासनिक और राजनीतिक विफलता का प्रतीक भी है। जब तक राजनीतिक दलों की प्राथमिकता जीवन और प्रकृति की रक्षा की ओर नहीं मुड़ती, तब तक इस सुंदर पर्वतीय क्षेत्र की त्रासदियां यूं ही दोहराई जाती रहेंगी।

प्रसंगवश

उल्टा नाम जपत जग जाना वाल्मीकि भए ब्रह्म समाना

उल्टा नाम जपत जग जाना, वाल्मीकि भए ब्रह्म समाना। वाल्मीकि जी राम नाम का उच्चारण नहीं कर पाते थे। तब नारद जी ने विचार करके उनसे मरा-मरा जपने के लिए कहा और मरा रटते ही यही राम हो गया। निरंतर जाप करते हुए वाल्मीकि जी ऋषि वाल्मीकि बन गए। विश्व के सर्वाधिक प्रसिद्ध धार्मिक ग्रंथों में सिरमौर रामायण, जिसे आदि रामायण भी कहा जाता है और जिसमें भगवान श्रीराम के पवित्र एवं जनकल्याणकारी चरित्र का वर्णन है, के रचयिता महर्षि वाल्मीकि संसार के आदि कवि हैं। उनके द्वारा रचित रामायण एक ऐसा महान महाकाव्य है, जो हमें प्रभु श्रीराम के आदर्श और पावन जीवन के निकट लाता है। उनकी सत्यनिष्ठा, पितृ भक्ति और भ्रातृ प्रेम, कर्तव्यपालन और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का बोध कराता है। वाल्मीकि के जीवन चरित को लेकर समाज व साहित्य में कई तरह की भ्रांतियां प्रचलित हैं।

अरविंद जयतिलक

लेखक

वाल्मीकि ने रामायण में श्लोक संख्या 7/93/16, 7/96/18 और 7/111/11 में स्वयं को प्रचेता का पुत्र कहा है। मनु स्मृति में प्रचेता को वशिष्ठ, नारद व पुलस्त्य का भाई बताया गया है। प्रचेता का एक नाम वरुण भी है और वरुण ब्रह्मा जी के पुत्र थे। यह भी माना जाता है कि वाल्मीकि वरुण अथवा प्रचेता के 10 वें पुत्र थे और उनके दो नाम-अग्निशर्मा और रत्नाकर थे। समाज में एक क्विदंती यह भी है कि बाल्यावस्था में रत्नाकर यानी वाल्मीकि को एक निःसंतान भीलनी ने चुराकर उनका पालन-पोषण किया। भीलनी का समुदाय असभ्य और बर्बर था। वन्य जीवों का शिकार और दस्युकर्म उनके जीवन यापन का मुख्य साधन था। चूंकि रत्नाकर यानी वाल्मीकि इन्हीं असभ्य भीलों की संगति में रहते थे, लिहाजा वे भी दस्यु कर्म करने लगे।

एक बार जंगल में उनकी मुलाकात नारद मुनि से हुई। उन्होंने रत्नाकर को सत्य का ज्ञान कराया। रत्नाकर ने नारद जी से अपने किए गए पापों से उद्धार का मार्ग पूछा। नारद जी ने उन्हें तमसा नदी के तट पर राम-राम का जाप करने का परामर्श दिया। रत्नाकर दस्यु कर्म का परित्याग कर कठोर साधना में जुट गए। कहा जाता है कि वे राम-राम का जप करना भूल मरा-मरा का जप करने लगे। कई वर्षों तक कठोर तपस्या के उपरांत उनके पूरे शरीर पर चीटियों ने बांबी बना ली, जिसके कारण उनका नाम वाल्मीकि पड़ा। वाल्मीकि के बारे में कहा जाता है कि एक बार वे क्रौंच (सारस) पक्षी के जोड़े को प्रेमालाप करते हुए निहार रहे थे, तभी उसी समय एक बहेलिए ने पक्षी के जोड़े में से नर पक्षी का वध कर दिया और मादा पक्षी विलाप करने लगी। उसके इस विलाप से महर्षि वाल्मीकि करुणामय हो गए और उनके मुख से स्वतः ही श्लोक फुट पड़ा- 'मा निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समाः, यत्क्रौंचमिथुनादेकम् अवधीः काममोहितम।' इसका अर्थ यह हुआ कि 'अरे बहेलिए तूने मैथुनरत क्रौंच पक्षी को मारा है, जा तुझे कभी भी प्रतिष्ठा की प्राप्ति नहीं होगी।

वाल्मीकि ने रामायण में अनेक घटनाओं के घटने के समय सूर्य, चंद्र एवं अन्य नक्षत्र की स्थितियों का भी उल्लेख किया है। इससे स्पष्ट जानकारी मिलती है कि वाल्मीकि ज्यातिष व खगोल विद्या के भी विद्वान थे। उन्होंने महाकाव्य में अद्वितीय शैली में प्रकृति का चित्रण, संवाद-संयोजन और विषय का प्रतिपादन किया है। वाल्मीकि रामायण में दर्शन, राजनीति, नैतिकता, शासन कुशलता व मनोविज्ञान का भी विशद् वर्णन है। तात्पर्य यह है कि महर्षि वाल्मीकि विविध विषयों के ज्ञाता थे। शास्त्रों में वर्णित है कि अपने वनवास के मध्य में भगवान श्रीराम वाल्मीकि के आश्रम में गए थे।

मौत का सिरप व जवाबदेही से भागता तंत्र!

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

मध्य प्रदेश और राजस्थान में सर्दी-खांसी की दवा के सेवन से 16 बच्चों की मौत हो गई। इन बच्चों को कफ सिरप स्वास्थ्य लाभ के लिए दिया गया था, किंतु वह मौत का कारण बन गया। इसकी गुणवत्ता संदेह के दायरे में है। मध्य प्रदेश के खाद्य एवं दवा नियंत्रक दिनेश कुमार मौर्य ने कहा है कि संदिग्ध सिरप को परीक्षण के लिए एक अक्टूबर को तमिलनाडु भेजा था। इसकी रिपोर्ट तीसरे दिन मिल गई थी, किंतु मप्र में 29 सितंबर से जांच जारी है, जो अभी तक पूरी नहीं हुई। इसी बीच स्वास्थ्य विभाग का कार्य देख रहे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बयान दे दिया कि सिरप के नौ नमूनों में हानिकारक तत्व नहीं मिले हैं। सिरप की उत्पादन इकाई तमिलनाडु में है।

मप्र सरकार के कहने पर तमिलनाडु सरकार के औषधि प्रशासन विभाग ने कंपनी की उत्पादन इकाई से नमूने लेकर जांच की तो एसआर-13 बैच में हानिकारक रसायन डायथिलीन ग्लायकल (डीईजी) पाया गया। दवा में इसकी निर्धारित मात्रा 0.1 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए, जबकि इसका प्रतिशत जांच में 48 प्रतिशत से अधिक पाया गया। इस रिपोर्ट के बाद प्रदेश सरकार सक्रिय हुई और इसके उपयोग एवं विक्रय पर रोक लगा दी।

बच्चों का इलाज करने वाले छिंदवाड़ा के चिकित्सक डॉ. प्रवीण सोनी पर मामला दर्ज करके, उन्हें फिलहाल जमानत पर रिहा कर दिया गया है। इन मौतों और इस रिपोर्ट के बाद सतर्कता बरतते हुए कई राज्य सरकारों ने इस दवा को प्रतिबंधित कर दिया है। केंद्र सरकार ने भी सलाह दी है कि दो वर्ष से छोटे बच्चों को कफ सिरप नहीं पिलाया जाए। इस पूरी प्रक्रिया से लगता है कि प्रदेश में ही नहीं देश में निगरानी तंत्र कमजोर है।

यूपीए सरकार ने जब नकली दवाओं से छुटकारे के नजरिए से औषधीय एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम बनाया था, तब यह मान लिया गया था कि अब नकली दवाओं पर कमोबेश प्रतिबंध लग जाएगा, क्योंकि इस कानून के तहत न केवल इस धंधे को गैर जमानती बना दिया गया था, बल्कि दवा बनाने वालों से लेकर बेचने वालों तक को दस साल से लेकर आजीवन कारावास का प्रावधान रखा गया था। देखने में आया है कि दवा दुकानों पर लगातार नकली दवाओं के भंडार बरामद हो रहे हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं। नकली दवा कारोबार न केवल बेखौफ जारी है, बल्कि इसमें बेइंतहा इजाफा भी हो रहा है। यही नहीं ये दवाएं सरकारी अस्पतालों के माध्यम से भी धड़ल्ले से उपयोग में लाई जा रही हैं।

इससे जाहिर होता है कि सरकारी चिकित्सा-तंत्र का एक बड़ा हिस्सा इस कारोबार को ताकत दे रहा है। इसके पहले 2019-20 में जम्मू के रामनगर में भी एक फार्मा कंपनी के बनाए सिरप से 12 बच्चों ने दम तोड़ दिया था। कंपनी पर एफआईआर हुई, लेकिन मामला लंबित है। वर्ष 2022 में हरियाणा की दवा कंपनी के सिरप से गांबिया में 70 और उज्बेकिस्तान में 65 बच्चों की मौतें हो गई थीं। सितंबर 2008 में भारत की सबसे बड़ी दवा कंपनी की 30 जेनेरिक दवाओं को अमेरिका ने प्रतिबंधित किया था।

कंपनी की मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में बनने वाली दवाओं के आयात पर अमेरिका ने रोक लगाई थी। अमेरिका की सरकारी संस्था फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) का दावा था कि कंपनी की भारतीय इकाइयों से जिन दवाओं का उत्पादन हो रहा है उनका मानक स्तर अमेरिका में बनने वाली दवाओं से घटिया है। ये दवाएं अमेरिकी दवा आचार संहिता की कसौटी पर भी खरी नहीं उतरी थीं, जबकि भारत की यह दवा कंपनी अमेरिका को सबसे ज्यादा जेनेरिक दवाओं का निर्यात करती है। कंपनी एक साल में कई हजार करोड़ की दवाएं देश और दुनिया में बेचती है।

ऐसी ही बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां किसी आचार संहिता के पालन के पक्ष में नहीं हैं। किसी बाध्यकारी कानून को अमल में लाने में भी ये रोड़ा अटकाने का काम करती हैं, क्योंकि ये अपना कारोबार विज्ञापनों व चिकित्सकों को मुनाफा देकर ही फैलाए हुए हैं। छोटी दवा कंपनियों के संघ का तो यहां तक कहना है कि चिकित्सकों को उपहार देने की कुप्रथा पर कानूनी तौर से रोक लग जाए, तो दवाओं की कीमतें 50 फीसदी तक कम हो जाएंगी। दरअसल इस तथ्य की पृष्ठभूमि में यह मकसद अंतर्निहित है कि लोग दवाओं में विलय रसायनों के असर व अनुपात से अनभिज्ञ होते हैं, इसलिए वे दवा अपनी मर्जी से नहीं ले सकते। इस कारण चिकित्सक की लिखी दवा लेना जरूरी होता है।

इंसान की जीवन-रक्षा से जुड़ा दवा करोबार अपने देश में तेजी से मुनाफे की अमानवीय व अनैतिक हवस में बदलता जा रहा है। चिकित्सकों को महंगे उपहार देकर रोगियों के लिए मंहगी और गैर जरूरी दवाएं लिखवाने का प्रचलन लाभ का धंधा हो गया है। इस गोरखधंधे पर लगाम लगाने के नजरिये से कुछ समय पहले केंद्र सरकार ने दवा कंपनियों से ही एक आचार संहिता लागू कर उसे कड़ाई से अमल में लाने की अपील की थी, लेकिन संहिता का जो स्वरूप सामने लाया गया, वह राहत देने वाला नहीं था। संहिता में चिकित्सकों को उपहार व रिश्वत देकर न तो अनैतिक कारगुजारियों को लेकर कोई साफगोई है और न ही संहिता की प्रस्तावित शर्तें व कानून बाध्यकारी हैं। इन प्रस्तावों को लेकर दवा संघों में भी मतभेद हैं।

विज्ञान की प्रगति और उपलब्धियों के सरोकार आदमी और समाज के हितों में निहित हैं, लेकिन मुक्त बाजार की उदारवादी व्यवस्था के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जब आगमन हुआ, तो जिस तेजी से व्यक्तिगत व व्यवसायजन्य अर्थ-लिप्सा और लूटतंत्र का विस्तार हुआ है, उसके शिकार चिकित्सक तो हुए ही, निगरानी तंत्र भी इसकी चपेट में है।

यूपीए सरकार ने नकली दवाओं से छुटकारे के नजरिए से औषधीय एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम बनाया था, लेकिन धरातल पर उसका असर दिखा नहीं।

आमने

हमारे प्रदेश अध्यक्ष चुनाव आयोग की बैठक में शामिल थे। पार्टी के शीर्ष नेताओं ने साफ कहा कि औरतों के चेहरे का मिलान कराकर ही वोटिंग कराई जाए। अगर बुर्का चलता है, तो फिर घूंघट पर भी रोक नहीं लगनी चाहिए। दोनों पर समान नियम लागू हों।

-कृष्ण नंदन पासवान

गन्ना उद्योग मंत्री, बिहार

सामने

चुनावी प्रक्रिया पहले से ही पारदर्शी है। बीजेपी सिर्फ चुनाव को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रही है। यह विवाद वोट बैंक की सियासत का हिस्सा है, इस बयान का मकसद वोटों का ध्रुवीकरण करना है।

-मृत्युंजय तिवारी

आरजेडी प्रवक्ता, बिहार

दिशाहीन कृषि और खेती से विमुख होते युवा

अनिल त्रिगुणायत

लखनऊ

उत्तम खेती मध्यम बान, अधम चाकरी, भीख निदान की किवदंती उनके लिए गुजरे जमाने की बात हो गई है। ग्रामीण युवा मानते हैं कि अब कृषि कार्य न तो सर्वोत्तम रह गया है न ही नौकरी करना निकृष्ट कार्य। खेती-किसानी नहीं वरन नौकरी-सेवा आज के ग्रामीण युवाओं की पहली पसंद बन चुका है। देश की कुल आबादी में युवाओं की हिस्सेदारी करीब 29 प्रतिशत है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2036 तक आंकड़ा घटकर करीब 23 प्रतिशत तक रह जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को यदि जल्द ही मानव संपदा में तब्दील नहीं किया गया, तो परिणाम नकारात्मक ही मिलेंगे। उच्च जीवन स्तर की तलाश में आज के युवा गांवों की डीह लांघकर शहरों में चकाचौंध भरा जीवन गुजारने को उन्मुख हैं।

हमारे आर्थिक ढांचे की कभी रीढ़ रही कृषि अब दिशाहीन हो चली है। कृषि लागत दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। संबंधित संसाधन तो बढ़े हैं, किंतु बढ़ती महंगाई ने किसानों की कमर लगभग तोड़ ही दी है। उच्च उपज देने वाले बीज, फर्टिलाइजर व कीटनाशक दवाओं की अनवरत वृद्धि से मझोले व सीमांत किसान निराश हो गए हैं। अनियमित मौसम पर निर्भरता, घटती कृषि उत्पादकता, बढ़ती लागत, अनिश्चित बाजार मूल्य, साहूकारों का कर्ज व भूमि क्षरण जैसी समस्याएं कोढ़ में खाज का काम कर रही है। रासायनिक खेती के बढ़ने से, जहां मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित हुई है, वहीं जलवायु परिवर्तन के कारण सूखा व बाढ़ जैसी समस्याओं ने अन्नदाताओं की कमर ही तोड़ दी है। ये कुछ बड़े कारण हैं, गांवों से युवाओं के मोहभंग का। खेती-किसानी को पटरी पर लाने व युवाओं को गांवों में ही रोजगार देकर पलायन रोकने के लिए सरकार की सारी योजनाएं व सारे जतन फाइलों में हैं, कागजों में सरपट दौड़ रहे हैं। सरकारी मशीनरी उदासीनता से उबर नहीं पा रही, बेहतर करने की इच्छा शक्ति दम तोड़ चुकी है। सरकार द्वारा घोषित व देय संदर्भित संसाधन उनके लिए वैसे ही हैं, जैसे नंगा नहाएगा क्या निचोड़ेगा क्या?

आधारभूत संरचनाओं की कमी, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव भारतीय गांवों के लिए अभी भी अभिशाप ही बना हुआ है। उक्त मूल कारणों से ही युवाओं का अपने गांवों से मोहभंग होता जा रहा है। गांवों का मूल आधार खेती-किसानी अब अपना स्वरूप बदल चुका है। आज का ग्रामीण युवा अपना भविष्य गांव में नहीं, वरन शहरों में तलाशने लगा है। एक अनुमान के अनुसार भारत में किसानों की संख्या करीब 15 करोड़ है। करीब 67 प्रतिशत किसानों की जोत का आकार एक हेक्टेयर से कम है, जबकि 18 प्रतिशत के पास एक से दो हेक्टेयर जमीन है। मात्र दो प्रतिशत किसानों के पास ही 10 हेक्टेयर से ज्यादा भूमि है। कह सकते हैं, 0.7 प्रतिशत किसानों के पास कुल खेती की जमीन का 10.5 प्रतिशत हिस्सा है।

भारत की 45 प्रतिशत ग्रामीण आबादी भूमिहीन है, जिसमें से कुछ के पास नाममात्र की जमीन है। आधुनिक खेती से भारत में खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि तो हुई है। वर्तमान में देश का अनुमानित खाद्यान्न उत्पादन करीब 330 मिलियन टन है। कृषि व संबद्ध क्षेत्रों का योगदान भी करीब 18.3 प्रतिशत है। देश की कुल आबादी के करीब 69 प्रतिशत जन आज भी गांवों में ही निवास करते हैं। आज भारत की 60 प्रतिशत खेती बटाई या ठेके पर हो रही है समय के साथ ग्रामीण परिवारों में भी वृद्धि दर बढ़ती जा रही है। आज से 50 वर्ष पूर्व जिस परिवार के पास 20 बीघे खेत था, वह परिवार बढ़ने के बाद कई भागों में विभक्त हो गई है। कृषि जोतों का आकार धीरे-धीरे इस कदर घटता जा रहा कि आगामी दिनों में सीमांत किसान कहीं भूमिहीनों की श्रेणी में न आ जाए?

भविष्य को देखते हुए ही ग्रामीण युवा आज पलायन को मजबूर होता दिख रहा है। एक आंकड़े के अनुसार 1990 से 2001 के मध्य गांवों से शहरों में पलायन की वार्षिक वृद्धि दर 2.4 फीसदी थी, जो वर्ष 2001 व 2011 के बीच बढ़कर 4.5 प्रतिशत हो गई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की वर्तमान रिपोर्ट के अनुसार रोजगार के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य में 87.5 फीसदी लोग पलायन करते हैं। खेतिहर मजदूर युवाओं के लिए तो गांवों में जीवन यापन दुरूह हो गया है। शहरों में जाकर गुजर-बसर करना उनकी मजबूरी बन चुकी है। यक्ष प्रश्न यह कि आखिर ग्रामीण युवाओं के पलायन को रोका कैसे जाए? खेती-किसानी के अलावा कृषि उद्यमिता से कैसे जोड़ा जाए?

कृषि विशेषज्ञों व समाजशास्त्रियों का मानना है कि विभिन्न फसलों की खेती, खाद्य प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन, जैव-उर्वरक, जैविक उत्पाद, कृषि उपकरण, कस्टम हायरिंग सेंटर और कई अन्य इनपुट्स का उत्पादन जैसे आयाम पलायन रोकने का बड़ा माध्यम बन सकते हैं। खेती-किसानी को व्यापारिक बनाकर, उच्च प्रौद्योगिकी से जोड़कर युवा पीढ़ी को खेत-खलिहान की ओर मोड़ा जा सकता है। कौशल विकास के माध्यम से दक्ष बनाकर भी युवाओं का पलायन रोका जा सकता है। सीमांत व भूमिहीन किसानों के लड़के/लड़कियां मिट्टी तैयार करने, जुताई, बुवाई, रोपण, निराई, कटाई आदि कार्य करना नहीं चाहते। अब वे गांवों से निकलकर कस्बों व शहरों में जाकर धन कमाने की अभिलाषा रख रहे हैं।

उत्तम खेती मध्यम बान, अधम चाकरी, भीख निदान की किवदंती ग्रामीण युवाओं के लिए गुजरे जमाने की बात हो गई है। अब न खेती सर्वोत्तम रह गई है और न ही नौकरी करना निकृष्ट कार्य।

सोशल फोरम

मिथः भूलन बेल दिमाग का सब कुछ भुला दे!

पुष्प लता

ब्लॉगर

कहते है यदि एक बार भूलन बेल पर आपने पैर रख दिया या उसके करीब से गुजर गए, तो कुछ समय के लिए आप सब कुछ भूल जाएंगे। पौराणिक ग्रंथों में भी इसका वर्णन मिलता है, क्योंकि वन प्रवास के दौरान पांडव कई दिनों तक घने वन की भूल-भुलैया में फंसकर रह गए। वैसे कई लोग अकाव जैसे चौड़े पत्ते वाली बेल को भूलन बेल कहते हैं। मानते हैं कि ये इतना असरकारक है कि देखने वाला खुद ही भूल जाता है कि कौन सी भूलन बेल है।

इसे क्लाइंबिंग फर्न भी कहते है। फर्न की तरह दिखने वाला यह बेल नुमा पौधा छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और मध्यप्रदेश के पूर्वी क्षेत्र खासकर पातालकोट में पाया जाता है। चूंकि इसका सबसे ज्यादा प्रयोग तंत्र मंत्र और टोटके में किया जाता है, इसलिए स्थानीय आदिवासी लोग इसका नाम लेने से भी कतराते हैं।

पहले जब घने जंगल हुआ करते थे, तब कोई जंगल में कंदमूल लेने या शिकार करने जाता और कई दिनों तक नहीं लौटता, तो कबीले वाले अक्सर कहते- उसे भूलन लग गई। कई दिन बाद जब वह बदहवास सा लौटता तो मान लिया जाता कि बात सच है।

प्राचीन काल में इसका अर्क शत्रु राज्य के विरोध में उपयोग किया जाता था। कहते हैं, कभी कोई गुप्तचर, भेदी राज्य के भेद जान जाए, तो भूलन बेल का अर्क पिलाकर उसे सब कुछ भुला दिया जाता। इससे जुड़ी और भी कई किवदंतियां और कथाएं प्रचलित हैं। वैसे ये मस्तिष्क ज्वर, टायफाइड, पीलिया, कृमि नाशक और कई असाध्य रोगों के उपचार में उपयोग होता है।

इससे जुड़ी भ्रांतियां या प्रचलित लोक मान्यता इतनी प्रबल है कि आदिवासी क्षेत्र में यदि आप जाओ और किसी को कह दो- चलो वन में भूलन बेल खोजने चलते हैं तो वह भाग जाएगा।

सामयिकी

बच्चों के खिलाफ अपराधों में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि

आज इंसान अपने घर तक में सुरक्षित नहीं है। हाल में ही ऐसी कई खबरें सामने आई हैं, जहां घरवालों ने ही व्यक्ति को मौत के घाट उतार दिया। शादी होने के कुछ समय उपरांत ही पत्नी द्वारा पति को मार दिया गया। कहीं किसी बहू को मारा गया, तो कहीं किसी के बेटे ने अपने पिता को ही जान से मार दिया। फिर हम कैसे कह सकते कि इंसान अपने घर पर सुरक्षित है? हालांकि सभी घर-परिवार ऐसे नहीं हैं, बहुतेरे घरों की आपसी प्रेम और सौहार्द की मिसालें दी जाती हैं, लेकिन अपराध के बढ़ते दायरे का अंदाजा अखबार की खबरों से होता है। बच्चे, बूढ़े, महिलाएं, पुरुष, लड़के-लड़कियां सभी किसी न किसी अपराध के शिकार हैं। इस डिजिटल युग में डिजिटल अपराध भी अपने चरम पर है। कब कौन और कहां पर ठगी का शिकार बन जाए, कहा नहीं जा सकता। जरा सी बात कब हिंसात्मक रूप धारण करके अपराध का चोला पहन ले, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती।

शिवालिक अवस्थी

लेखक

हाल ही में एनसीआरबी यानी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने विभिन्न अपराधों से जुड़ी 'क्राइम इन इंडिया 2023' रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में लगभग हर क्षेत्र से जुड़ी आपराधिक गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया है। वर्ष 2023 की बात करें तो कुल 62,41,569 आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि वर्ष 2022 में यह आंकड़ा कुल 58,24,946 का था। यानी इस वर्ष 2023 में वर्ष 2022 की तुलना में कुल 7.2 प्रतिशत की वृद्धि पाई गई है। मर्डर यानी हत्या के मामलों में इनमें थोड़ी गिरावट जरूर आई है। 2022 में जहां 28,522 मामले सामने आए थे, वहीं 2023 में यह आंकड़ा 27,721 तक सिमट कर रह गया है। यानी 2.8 प्रतिशत की गिरावट सामने आई है। दूसरी ओर अपहरण के मामलों में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि सामने आई है। वर्ष 2022 में अपहरण के जो आंकड़े 1,07,588 थे, वर्ष 2023 में वही बढ़कर 1,13,564 तक पहुंच गए हैं।

महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में भी 0.7 प्रतिशत की वृद्धि सामने आई है। वर्ष 2022 में, जहां कुल मामले 4,45,256 थे, वहीं वर्ष 2023 में बढ़कर 4,48,211 पहुंच गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा मामले (29.8 प्रतिशत) घरेलू हिंसा के तहत दर्ज किए गए हैं। वर्ष 2023 में प्रति लाख महिला जनसंख्या पर दर्ज अपराध 66.2 हैं। बच्चों के विरुद्ध अपराधों में भी 9.2 प्रतिशत की वृद्धि पाई गई है। 2022 में जो आंकड़ा 1,62,449 था, 2023 में बढ़कर 1,77,335 तक पहुंच गया है। इसमें सबसे ज्यादा मामले (45 प्रतिशत) बच्चों के अपहरण के ही हैं। वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराधों में 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई है।

अब बात करते हैं साइबर अपराध की। डिजिटल युग में डिजिटल अपराध भी बढ़ने लगे हैं। साइबर क्राइम के तहत 31.2 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखने को मिली है। 2022 में जो मामले 65,893 थे, वहीं 2023 में बढ़कर 86,420 तक पहुंच गए हैं। इसमें 68.9 प्रतिशत मामले फ्रॉड अथवा ठगी से जुड़े हैं। इस वर्ष मानव तस्करी के मामलों में भी 3 प्रतिशत गिरावट देखने को मिली है। हर छोटे-बड़े अपराध को रोकने के लिए हम सभी का एकजुट होना अनिवार्य है और इसकी शुरुआत अपने घर से ही करनी होगी। जब हम सभी अपने बच्चों और युवाओं को सही सीख देंगे तो वह कल एक अच्छे नागरिक बनेंगे। अब समय आ चुका है, जहां अपराध के विरुद्ध आवाज उठाई जाए और समाज को बेहतर दिशा की ओर ले जाया जाए। स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज का निर्माण ही हम सभी का नवीन संकल्प होना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***

0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

2500 वर्ष पुराना है कुमाऊं मंडल में मंदिरों का यह समूह

250 मंदिर हैं यहां, जिनमें एक ही स्थान पर छोटे-बड़े 224 मंदिर

6200 फीट की ऊंचाई पर स्थित समुद्रतल से यह धाम

यह भी जानें

- सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन काठगोदाम (हल्द्वानी) है। यहां से सड़क मार्ग से जागेश्वर धाम की दूरी करीब 120-125 किलोमीटर है।
- सबसे नजदीकी हवाई अड्डा पंतनगर एयरपोर्ट है। यहां से सड़क मार्ग से जागेश्वर धाम की दूरी करीब 150 किमी है।
- अल्मोड़ा जिला मुख्यालय से जागेश्वर धाम की दूरी करीब 35 किलोमीटर है।
- मौसम के लिहाज से बरसात का क्रम थमने के बाद सितंबर से नवंबर तक यहां मौसम सुहावना रहता है।

पावन जागेश्वर धाम
यहां मिलती है महादेव की अलौकिक कृपा

सदियों से शिवभक्ति को समर्पित भगवान महादेव की अलौकिक कृपा पाने के लिए पौराणिक जागेश्वर धाम का आध्यात्मिक जगत में अपना विशिष्ट महत्व है। समुद्रतल से करीब 6200 फीट की ऊंचाई पर कुमाऊं मंडल के अल्मोड़ा जिले में स्थित 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह पावन धाम आस्था का विशिष्ट केंद्र है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता करीब 2500 वर्ष पुराना 250 मंदिरों का समूह है, जिनमें एक ही स्थान पर छोटे-बड़े 224 मंदिर हैं। धार्मिक लिहाज से महत्वपूर्ण अल्मोड़ा जिले में कई पौराणिक और ऐतिहासिक मंदिर हैं। इसमें जागेश्वर धाम विश्व के प्रसिद्ध मंदिरों में शामिल है। जागेश्वर धाम के पुजारी हरिमोहन भट्ट पुराणों के हवाले से बताते हैं कि यहां भगवान शिव और सप्त ऋषियों ने तपस्या की थी। इस मंदिर में स्थापित शिवलिंग को लेकर मान्यता है कि आदि शंकराचार्य ने इसकी प्राण प्रतिष्ठा की थी। जागेश्वर मंदिरों के समूह व ज्योतिर्लिंगों आदि के लिए जागेश्वर धाम का नाम इतिहास में दर्ज है। शिव पुराण, लिंग पुराण और स्कंद पुराण आदि पौराणिक कथाओं में भी मंदिर का उल्लेख है। मंदिर में शिलालेख, नक्काशी और मूर्तियों का अनुपम खजाना है। पवित्र जाटगंगा नदी की घाटी में स्थित मंदिर में वास्तुकला और इतिहास के लिहाज से भी कई पौराणिक स्थान है। भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग होने से इसका महत्व और बढ़ जाता है।

प्रस्तुति- कमलेश कनवाल

श्रद्धालुओं की मनोकामना होती है पूरी

जागेश्वर धाम में मुख्य तौर पर शिव, विष्णु, शक्ति और सूर्य देव की पूजा होती है। दंडेश्वर मंदिर, चंडी मंदिर, जागेश्वर मंदिर, कुबेर मंदिर, मृत्युंजय मंदिर, नंदा देवी या नौ दुर्गा, नवग्रह मंदिर और सूर्य मंदिर यहां के प्रमुख मंदिर हैं। पुष्टि माता और भैरव देव की भी पूजा होती है। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की हर मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

हरिमोहन भट्ट
पुजारी जागेश्वर धाम

शुद्ध मन और पवित्र हृदय से ही आएं यहां

पुजारी भट्ट कहते हैं कि जागेश्वर धाम आकर भगवान शिव की कृपा पाना चाहते हैं तो मन के भाव शुद्ध और हृदय पवित्र होना चाहिए। शिव तो बड़े दयालु हैं, लेकिन आप किसी का अनिष्ट करने की कामना लेकर यहां आते हैं तो वह कभी पूरी नहीं होगी। यहां केवल अपने और अपने प्रियजनों की मंगलकामनाएं ही पूरी होती हैं।

बोध कथा

सकारात्मक सोच

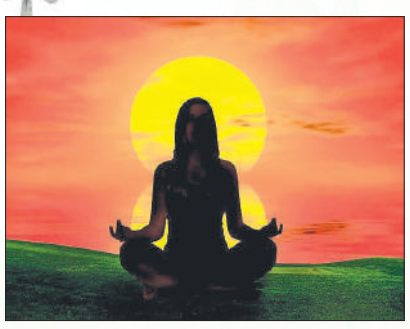

एक राजा था, जिसके एक पैर और एक आंख थी। उस राज्य में सभी लोग खुशहाल थे, क्योंकि राजा बहुत बुद्धिमान और प्रतापी था। एक बार राजा को विचार आया कि क्यों खुद की एक तस्वीर बनवाई जाए। फिर क्या था, देश-विदेश से चित्रकारों को बुलवाया गया और एक से एक बड़े चित्रकार राजा के दरबार में आए। राजा ने उन सभी से हाथ जोड़कर आग्रह किया कि वो उसकी एक बहुत सुंदर तस्वीर बनाएं, जो राजमहल में लगाई जाएगी। सारे चित्रकार सोचने लगे कि राजा तो पहले से ही विकलांग हैं, फिर उसकी तस्वीर को बहुत सुंदर कैसे बनाया जा सकता है? ये तो संभव ही नहीं है और अगर तस्वीर सुंदर नहीं बनी तो राजा गुस्सा होकर दंड देगा। यही सोचकर सारे चित्रकारों ने राजा की तस्वीर बनाने से मनाकर दिया।

तभी पीछे से एक चित्रकार ने अपना हाथ खड़ा किया और बोला कि मैं आपकी बहुत सुंदर तस्वीर बनाऊंगा जो आपको जरूर पसंद आएगी। फिर चित्रकार जल्दी से राजा की आज्ञा लेकर तस्वीर बनाने में जुट गया। काफी देर बाद उसने एक तस्वीर तैयार की जिसे देखकर राजा बहुत प्रसन्न हुआ और सारे चित्रकारों ने अपने दांतों तले उंगली दबा ली। उस चित्रकार ने एक ऐसी तस्वीर बनाई, जिसमें राजा एक टांग को मोड़कर जमीन पे बैठा है और एक आंख बंद करके अपने शिकार पे निशाना लगा रहा है। राजा ये देखकर बहुत प्रसन्न हुआ कि उस चित्रकार ने राजा की कमजोरियों को छिपाकर कितनी चतुराई से एक सुंदर तस्वीर बनाई है। राजा ने उसे खूब इनाम एवं धन दौलत दी।

-सुरेन्द्र अग्निहोत्री

भारतीय संस्कृति में दांपत्य जीवन का पावन विधान

भारतीय संस्कृति में विवाह को संस्कार माना गया है। यह दो आत्माओं का विशुद्ध मिलन है। इसमें पति-पत्नी के शरीर दो रहते हुए भी मन एकाकार हो जाता है। जिस प्रकार हाइड्रोजन एवं ऑक्सीजन अपना अस्तित्व खोकर जलरूप बन जाते हैं, उसी प्रकार पति-पत्नी अपना अस्तित्व खोकर दंपती कहलाते हैं। भारतीय संस्कृति में पति-पत्नी का संबंध काया एवं छाया की भांति है। जिस परिवार में पति-पत्नी के विचार मिलते हों, वह परिवार स्वर्ग होता है। वहां प्रेम की सरिता बहती है। पति-पत्नी के बीच स्नेह-सम्मान, विचार-विनिमय, सहानुभूति सुखी दांपत्य के आधार हैं। यदि दोनों के बीच छिपाव-दुराव, प्रपंच एवं अहंकार उत्पन्न हो जाए तो वह परिवार नरक-तुल्य हो जाता है। पति व पत्नी एक दूसरे के प्रतियोगी नहीं, बल्कि सहयोगी एवं पूरक होते हैं। भारतीय संस्कृति में गठबंधन के बाद पति के लिए पत्नी को छोड़कर विश्व की सारी स्त्रियां मां व बहन बन जाती हैं। उसी प्रकार पत्नी के लिए सारे पुरुष भाई और पिता तुल्य बन जाते हैं।

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

आधुनिक युग में पाश्चात्य सभ्यता का प्रभाव भारतीय संस्कृति पर पड़ा है। परिणाम यह हुआ कि पति व पत्नी की इच्छाएं अलग-अलग हो गईं। जब भी पति एवं पत्नी के विचार में मतभिन्नता होगी तो पारिवारिक जीवन की नींव कमजोर जो जाएगी। आजकल लोग भौतिक सुख-सुविधाओं को अधिक प्रमुखता देते हैं और ये सुविधाएं मृगतृष्णा की भांति कभी पूरी नहीं होती। पति-पत्नी का पवित्र संबंध भौतिक सुखों पर आधारित हो गया है। रसना और वासना संबंधी सुख प्राप्त करना मानो युगधर्म बन गया है, जिसके कारण परिवार रूपी प्रेम की गंगा सूखी जा रही है। पति-पत्नी का संबंध पवित्रता, श्रद्धा, विश्वास, सहयोग एवं सम्मान पर आधारित होता है, लेकिन वर्तमान में श्रद्धा, विश्वास एवं सम्मान के बदले स्वार्थ तथा अहंकार की भावना काम करने लगी है, जिसके कारण पारिवारिक जीवन विखंडित होने लगे हैं। आज प्रायः अधिकांश पुरुषों व नारियों के चरित्र दूषित हो गए हैं। आज पश्चिमी सभ्यता का अनुसरण करते हुए लोग स्वच्छंद आचरण को प्रमुखता दे रहे हैं, जबकि भारतीय संस्कृति पति-पत्नी के संबंध को जन्म-जन्म का संबंध मानती है।

प्राचीन काल में वर-वधु का चुनाव गुण, कर्म एवं स्वभाव के आधार पर होता था, लेकिन आज फैशन, पैसा एवं वेश-विन्यास विवाह का असली मापदंड बन गया है। आज आजादी से रहने की इच्छा और आपसी सामंजस्य के अभाव में विवाह जैसे पवित्र संबंध को हिला दिया है। युवा वर्ग इस संस्कार को बंधन करार दे रहा है। ऐसे में अहम की जबरदस्त टकराहट विवाह के मायने ही बदलकर रख देती है। पश्चिमी सभ्यता अपनाने के कारण ही विवाह के बाद भी संबंध बन रहे हैं। बदलता दृष्टिकोण परंपराओं को कितना धक्का पहुंचाएगा, यह तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन इतना तय है कि युवाओं का दृष्टिकोण पारस्परिक संबंध को लंबे समय तक जोड़े रखने में असफल हो रहा है। भारतीय संस्कृति में पति को परमेश्वर व पत्नी को घर की लक्ष्मी माना जाता है। इस परंपरा को स्थायी बनाने के लिए भारत में तीज एवं करवाचौथ जैसे कई व्रत-उपवासों की परंपरा कायम है।

अध्यात्म

अनंत यात्रा

शरीर में समाहित ऊर्जापुंज को आत्मा कहा गया है। यह आत्मा अनंत ऊर्जा अर्थात परमात्मा का एक अति सूक्ष्म अंशमात्र है। भौतिक जगत में रहते हुए यह भौतिक शरीर एक यात्री के सदृश होता है। शरीर के जन्म के साथ ही यात्रा प्रारंभ होती है एवं मृत्यु के उपरांत समाप्त हो जाती है अर्थात भौतिक शरीर के लिए जीवन एक यात्रा के समतुल्य है। जन्म के साथ ही ऊर्जापुंज अर्थात आत्मा भौतिक शरीर से संयुक्त होकर उसकी यात्रा में सहयात्री की भूमिका का निर्वहन करने लगता है एवं मरणोपरांत स्वयं को यात्रा से अलग कर लेता है।

यह कहा जा सकता है कि भौतिक शरीर की यात्रा का आदि व अंत स्पष्टत: ज्ञात होता है। विशेष बात यह है कि भौतिक शरीर भी यात्रा के साथ आरंभ होकर यात्रा की समाप्ति पर स्वयं समाप्त हो जाता है। परंतु ऊर्जापुंज जिसे आत्मा कहकर संबोधित किया जाता है, अपनी यात्रा के आदि व अंत से सर्वथा अपरिचित होता है। आत्मा की यात्रा कब व क्यों प्रारंभ हुई तथा कब व क्यों पूर्ण होगी? इन प्रश्नों का हल आज भी एक चुनौती के रूप में खड़ा है। ऊर्जापुंज अगणित भौतिक शरीरों की भौतिक यात्रा में सहयात्री की भूमिका को निभाता हुआ अपनी अनंत दिव्ययात्रा को जारी रखता है अर्थात आत्मा की इस अलौकिक यात्रा में अनंत लौकिक यात्राएं शामिल होती हैं। इस अलौकिक यात्रा के संबंध में केवल इतना ही कहा जा सकता है कि यह यात्रा अनंत से प्रारंभ होकर अनंत पर ही पूर्ण होगी, किंतु अनंत को परिभाषित करना भी असंभव है। अनंत को अज्ञात का पर्याय माना जा सकता है।

शिशिर शुक्ला
प्रोफेसर

प्रश्न यह उठता है कि इस अनंत गति को अनवरत जारी रखने के लिए आवश्यक बल किस स्रोत से प्राप्त होता है। संभवत: यह भी अभी तक एक रहस्य है। वस्तुत: यही बल ऊर्जा का अनंत स्रोत है अर्थात अनंत ऊर्जा जिसे परमात्मा कहकर संबोधित किया गया है। परमात्मा का आत्मा से अटूट संबंध है। आत्मा की अनंतयात्रा परमात्मारुपी बल के द्वारा ही नियंत्रित होती है, परंतु इस अनंत ऊर्जापुंज की उत्पत्ति का रहस्य सर्वथा अज्ञात है।

सप्ताह के प्रमुख व्रत

10 अक्टूबर- करवा चौथ, 13 अक्टूबर- अहोई अष्टमी

करवा चौथ

उत्तर भारत में प्रचलित पूर्णिमांत कैलेण्डर के अनुसार करवा चौथ पर्व, कार्तिक माह की संकष्टी चतुर्थी पर मनाया जाता है। धर्म-सिन्धु, निर्णय-सिन्धु तथा व्रतराज जैसे धर्म ग्रंथों में करवा चौथ को करक चतुर्थी के रूप में उल्लेखित किया गया है। करक अथवा करवा मिट्टी से निर्मित एक पात्र होता है, जिसका उपयोग करवा चौथ पूजन, अर्घ्य तथा पारवारिक कुशलता हेतु दान के रूप में किया जाता है। धर्म ग्रंथों में मात्र स्त्रियों को ही इस व्रत के पालन का अधिकार दिया गया है, क्योंकि करक चतुर्थी पर किए जाने वाले इस करवा चौथ व्रत के परिणाम स्त्रियों को ही फलीभूत होते हैं। करवा चौथ व्रत का पालन पति की दीर्घायु एवं सकुशलता के साथ ही पुत्रों, पौत्रों, संपत्ति तथा परिवार की अनंत समृद्धि हेतु भी किया जाता है।

करक चतुर्थी पर की जाने वाली विशेष पूजा मुख्यत: देवी पार्वती को समर्पित है। अखण्ड सौभग्यवती होने के कारण सर्वप्रथम देवी पार्वती की पूजा की जाती है, तत्पश्चात् भगवान शिव, भगवान कार्तिकेय एवं भगवान गणेश की पूजा की जाती है। करवा चौथ के अवसर पर स्त्रियां देवी गौरा तथा देवी चौथ माता का पूजन भी करती हैं, जिन्हें स्वयं देवी पार्वती का रूप माना जाता है।

देवी-देवता

देवी पार्वती करवा चौथ व्रत की मुख्य आराध्य हैं। देवी पार्वती के अतिरिक्त उनके कुटुम्ब के अन्य सदस्यों को भी पूजा जाता है, जिनमें उनके पति भगवान शिव तथा उनके पुत्र भगवान कार्तिकेय एवं भगवान गणेश सम्मिलित हैं।

देवी पार्वती

चौथ माता (देवी चौथ), करवा चौतह तिथि एवं समय

पूर्णिमांत कैलेण्डर के अनुसार - कार्तिक माह (आठवां चन्द्र माह) की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि (चतुर्थ दिवस)

अमांत हिन्दु कैलेण्डर के अनुसार - आश्विन माह (सातवां चन्द्र माह) के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि (चतुर्थ दिवस)

अहोई अष्टमी

अहोई अष्टमी के दिन मातायें अपने पुत्रों की कुशलता के लिए उषाकाल, अर्थात भोर से लेकर गोधूलि बेला, अर्थात सायंकाल तक उपवास करती हैं। सायंकाल के समय आकाश में तारों का दर्शन करने के पश्चात व्रत संपूर्ण किया जाता है। कुछ महिलाएं चन्द्रमा के दर्शन करने के पश्चात व्रत पूर्ण करती हैं, किन्तु इसका अनुसरण करना कठिन होता है, क्योंकि अहोई अष्टमी की रात्रि में चन्द्रोदय विलंब से होता है। अहोई अष्टमी व्रत का दिन करवा चौथ के चार दिन पश्चात तथा दीवाली पूजा से आठ दिन पूर्व पड़ता है। करवा चौथ के समान ही अहोई अष्टमी भी उत्तर भारत में अधिक लोकप्रिय है। अहोई अष्टमी का दिन अहोई आठें के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह व्रत अष्टमी तिथि के समय किया जाता है, जो माह का आठवां दिन होता है। करवा चौथ के समान अहोई अष्टमी का दिन भी कठोर उपवास का दिन होता है तथा अनेक स्त्रियां पूरे दिन जल तक ग्रहण नहीं करती हैं। आकाश में तारों का दर्शन करने के पश्चात ही उपवास का पारण किया जाता है।

अष्टमी प्रारम्भ-13 अक्टूबर को 12:24 दोपहर से 14 अक्टूबर को 11:09 बजे समाप्त।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,790.12	25,077.65
बढ़त	582.95	183.40
प्रतिशत में	0.72	0.74

सोना 1,23,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,57,400 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 7 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

ओएनजीसी 8,110 करोड़ करेगी निवेश

हैदराबाद। तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) आंध्र प्रदेश में आठ पीएमएल (उत्पादन खनन लाइसेंस) ब्लॉक में 172 कुओं से तेल एवं गैस के निकालने तथा तटवर्ती विकास के लिए 8,110 करोड़ रुपये का निवेश करने की तैयारी में है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत समिति ने पिछले महीने आयोजित बैठक में परियोजना के लिए पर्यावरणीय संबंधी मंजूरी देने की सिफारिश की थी। विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने बैठक में कहा कि परियोजना की अनुमानित लागत 8110 करोड़ है। ईएमपी (पर्यावरण प्रबंधन योजना) की पूंजीगत लागत 172 करोड़ होगी और ईएमपी की आवर्ती लागत 91.16 करोड़ प्रति वर्ष होगी। उद्योग ने जन सुनवाई में की गई प्रतिबद्धताओं के लिए 11 करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव रखा है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र की ऋण वृद्धि 16.8% बढ़ी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 16.8% की बढ़ोतरी के साथ 2.54 लाख करोड़ रुपये की ऋण वृद्धि दर्ज की है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि 30 सितंबर 2024 तक कुल अग्रिम 2.17 लाख करोड़ था। उसकी कुल जमा राशि 12.1% बढ़कर 3.09 लाख करोड़ हो गई, जबकि 2024-25 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही के अंत में यह 2.76 लाख करोड़ थी। बैंक का कुल कारोबार 14.2% बढ़कर 5.64 लाख करोड़ हो गया जो एक साल पहले 4.94 लाख करोड़ था।

केनरा रोबेको एएमसी का आईपीओ नौ को

नई दिल्ली। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 253-266 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। इससे कंपनी का ऊपरी छोर पर मूल्यांकन 5,300 करोड़ आंका गया है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि 1,326 करोड़ का आईपीओ नौ अक्टूबर को खुलेगा और 13 अक्टूबर को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक आठ अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। प्रवर्तक केनरा बैंक और ओरिक्स कॉर्पोरेशन यूरोप एनवी (पहले का नाम रोबेको ग्रुप एनवी) क्रमशः 2.59 करोड़ शेयर तथा 2.39 करोड़ शेयर बेचेंगे। यह 4.98 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश पर आधारित है जिसमें कोई नया निर्गम घटक नहीं है।

खरीदारी से शेयर बाजार में आई तेजी

आईटी एवं वित्तीय शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 583 अंक उछला, निफ्टी 25,000 के पार

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को आईटी एवं वित्तीय शेयरों में खरीदारी आने से लगातार तीसरे दिन तेजी रही। मानक सूचकांक सेंसेक्स 583 अंक उछल गया जबकि निफ्टी ने 25,000 का स्तर पार कर लिया।

बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 582.95 अंक बढ़त के साथ 81,790.12 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 639.25 अंक चढ़कर 81,846.42 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी 183.40 अंक की बढ़त के साथ 25,077.65 अंक पर बंद हुआ। निवेशकों के निचले स्तर पर खरीदारी करने से निफ्टी तीन सत्रों में कुल 466 अंक यानी 1.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,000 के स्तर पर पहुंच गया।

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, इटर्नल, इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयरों में प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ, टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड और टाइटन के शेयरों में गिरावट का रुख रहा।

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की सूचकांक लगभग पांच प्रतिशत उछल गया, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। चीन और दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टियों के कारण बंद रहे। यूरोप के शेयर बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.78 प्रतिशत बढ़कर 65.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,583.37 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

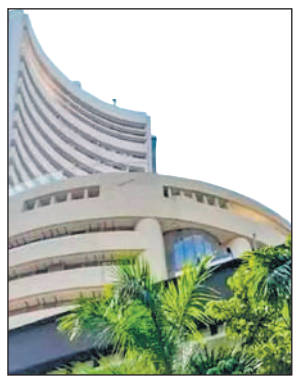

- निचले स्तर पर खरीदारी से निफ्टी तीन सत्रों में 466 अंक चढ़ा
- कारोबारी सत्र के दौरान सेंसेक्स 639.25 अंक तक चढ़ा

मिडकैप-स्मालकैप ने भी दर्ज की बढ़त

मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सूचकांक 0.68 प्रतिशत चढ़ गया जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सूचकांक में 0.20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार सूचकांकों में बीएसई आईटी केंद्रित खंड में सर्वाधिक 2.21 प्रतिशत की तेजी रही जबकि आईटी खंड 1.96 प्रतिशत, प्रौद्योगिकी खंड 1.60 प्रतिशत और बैंकिंग खंड 1.10 प्रतिशत चढ़ गया। दूसरी तरफ जिंस, एफएमसीजी (दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों), दूरसंचार, उपयोगिता एवं धातु खंडों में गिरावट रही।

वित्तीय सेवाओं और आईटी क्षेत्रों में तेजी से बाजार ने सकारात्मक रुख में किया कारोबारी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि दूसरी तिमाही के नतीजे आने से पहले, वित्तीय सेवाओं और आईटी क्षेत्रों में तेजी आने से घरेलू शेयर बाजार ने सकारात्मक रुख के साथ कारोबारी सत्र का समापन किया। बैंकिंग सूचकांक ने बड़े अनुसूचित बैंकों के मजबूत तिमाही विवरणों और आकर्षक मूल्यांकन से बेहतर प्रदर्शन किया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा कि बैंकों, आईटी एवं स्वास्थ्य देखभाल शेयरों में बढ़त आने से बाजार सकारात्मक दायरे में बना रहा। हालांकि व्यापक दायरे में तेजी नहीं थी और यह दर्शाता है कि कमजोर धारणा के साथ निवेशक अभी सतर्क बने हुए हैं।

कुछ समय में ईवी की कीमत पेट्रोल वाहन के बराबर होगी : गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतें चार से छह महीनों में पेट्रोल से चलने वाले वाहनों के बराबर होने की उम्मीद है।

मंत्री ने कहा कि जीवाश्म ईंधन (कोयला, पेट्रोल) पर भारत की निर्भरता आर्थिक बोझ है, क्योंकि ईंधन आयात पर सालाना 22 लाख करोड़ रुपये खर्च होते हैं और यह पर्यावरण के लिए खतरा है। ऐसे में देश की प्रगति के लिए स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना महत्वपूर्ण हो जाता है। गडकरी ने 20वें फिक्की उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन 2025 में कहा कि 4-6 महीनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत पेट्रोल वाहनों के बराबर हो जाएगी। हमारा लक्ष्य पांच वर्षों के भीतर भारत के वाहन उद्योग को दुनिया में अव्वल बनाना है। गडकरी ने कहा कि जब मैंने परिवहन मंत्री का कार्यभार संभाला था, तब वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ था। अब यह 22 लाख करोड़ रुपये है।

भारत-अमेरिका के बीच जल्द व्यापार समझौते की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने सोमवार को भरोसा जताया कि भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही एक व्यापार समझौता हो जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत को शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को कम करना चाहिए और विनिर्माण क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए अपने बाजारों को खोलना चाहिए। उन्होंने तिमाही आधार पर व्यापार विश्लेषण रिपोर्ट ट्रेड वॉच क्वार्टरली जारी करते हुए कहा कि अच्छी बात ये है कि दोनों पक्ष अभी भी एक व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछले महीने बातचीत हुई थी, इसलिए मुझे लगता है कि दोनों पक्षों को उम्मीद है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगस्त में भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिया था। इसमें भारत के रूस से कच्चे तेल खरीदने के कारण लगाया गया 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क शामिल है। इसके बाद नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में तनाव आ गया। भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को अनुचित बताया था।

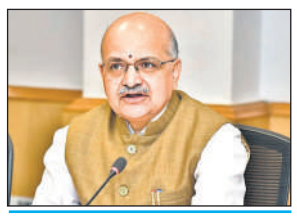

- नीति आयोग के सीईओ ने कहा- दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए प्रतिबद्ध

सुब्रह्मण्यम ने कहा कि अमेरिकी शुल्क का क्रिसमस तक कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा, हालांकि अगर दोनों देश व्यापार समझौते पर सहमत नहीं होते हैं, तो उसके बाद एक समस्या देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम नुकसान में हैं... । 50 प्रतिशत शुल्क से कीमत बहुत बढ़ जाती है... इससे कोई बच नहीं सकता। लोगों को उम्मीद है कि अगर नवंबर तक व्यापार समझौता हो जाता है, तो कोई व्यवधान नहीं होगा। सुब्रह्मण्यम ने कहा कि भारत का व्यापार घाटा प्रबंधनीय है, लेकिन असंतुलित है।

भारत की ऊर्जा मांग 2050 तक होगी अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रिटिश तेल कंपनी बीपी ने सोमवार को कहा कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के दम पर भारत की तेल एवं ऊर्जा मांग 2050 तक अन्य देशों से अधिक बढ़ेगी और यह वैश्विक ऊर्जा बाजार का 12% से अधिक हिस्सा बन जाएगा।

बीपी के मुख्य अर्थशास्त्री स्पेंसर डेल ने बीपी की ऊर्जा परिदृश्य 2025 रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि भारत इस समय दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल और चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक है। भारत की तेल मांग 54 लाख बैरल प्रतिदिन के मौजूदा स्तर से बढ़कर 2050 तक 91 लाख बैरल प्रतिदिन हो जाएगी। इस दौरान प्राकृतिक गैस की खपत भी दोगुनी होकर 63 अरब घन मीटर से बढ़कर 153 अरब घन मीटर हो जाएगी। यदि भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2023 से 2050 तक औसतन 5% प्रति वर्ष रहती है तो देश की प्राथमिक ऊर्जा खपत में भी मजबूती आएगी। 2023 में वैश्विक मांग का 7% हिस्सा रखने वाले भारत की 2050 तक 12% हिस्सेदारी के साथ विश्व ऊर्जा बाजार में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। रिपोर्ट में दो परिदृश्य पेश किए गए हैं। पहला मौजूदा वृद्धि-पथ पर आधारित है जबकि दूसरा वैश्विक तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की कमी लाने से संबंधित है। पहले में भारत में कोयले का हिस्सा 2050 तक 40% से ऊपर रहेगा, जबकि दूसरे में यह घटकर 16% रह जाएगा। प्राकृतिक गैस की खपत दोनों ही परिदृश्यों में 1-3% की सालाना दर से बढ़ती रहेगी। डेल ने कहा कि सौर एवं पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय संसाधनों का हिस्सा बढ़ेगा, लेकिन जीवाश्म ईंधन की मांग भी बनी रहेगी।

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर मासिक आधार पर घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर नए ऑर्डर एवं गतिविधियों की धीमी गति के कारण सितंबर में अगस्त के उच्च स्तर से नीचे आ गई। सोमवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक सितंबर में 60.9 पर आ गया जो अगस्त में 15 साल के उच्च स्तर 62.9 पर था। इस नरमी के बावजूद सितंबर माह का सेवा पीएमआई सूचकांक 50.0 के तटस्थ स्तर से काफी ऊपर रहा जो उत्पादन में एक और महत्वपूर्ण वृद्धि का संकेत देता है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है।

एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि देश के सेवा क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियां अगस्त के हालिया उच्च स्तर से सितंबर में कम हुईं। मंदी का एक कारण भारतीय सेवाओं की अंतर्राष्ट्रीय मांग में नरमी भी है। सितंबर में बाहरी बिक्री में फिर भी वृद्धि हुई लेकिन मार्च के बाद से यह सबसे कम रही।

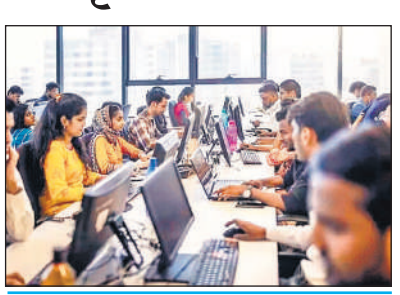

- नए ऑर्डर एवं गतिविधियों की धीमी गति के कारण सितंबर में आई गिरावट

निजी क्षेत्र में मजबूत वृद्धि

सितंबर के दौरान रोजगार सृजन धीमा रहा। इसमें मामूली वृद्धि हुई क्योंकि निगरानी में रखी गई कंपनियों में से पांच प्रतिशत से भी कम ने नियुक्ति में वृद्धि दर्ज की। इस बीच, भारत के निजी क्षेत्र में मजबूत वृद्धि जारी रही लेकिन सितंबर के दौरान नए ऑर्डर, अंतर्राष्ट्रीय बिक्री, व्यावसायिक गतिविधि और रोजगार में धीमी वृद्धि हुई। इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट आउटपुट सूचकांक सितंबर में 61.0 पर पहुंचा जो अगस्त में 63.2 रहा था। यह जून के बाद से विस्तार की सबसे कमजोर दर को दर्शाता है। समग्र पीएमआई सूचकांक तुलनीय विनिर्माण व सेवा पीएमआई सूचकांकों का भारित औसत है। ये भार आधिकारिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों के सापेक्ष आकार को दर्शाते हैं।

राष्ट्रीय

वांगचुक की हिरासत पर केंद्र-लद्दाख को सुप्रीम नोटिस

उच्चतम न्यायालय ने सोनम की पत्नी की याचिका पर की सुनवाई, जलवायु कार्यकर्ता रासुका के तहत जेल में

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिए जाने को चुनौती देने वाली उनकी पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की याचिका पर केंद्र और लद्दाख से जवाब मांगा है। याचिका में वांगचुक की तत्काल रिहाई का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन. वी. अंजारिया की पीठ ने वांगचुक को हिरासत में लिए जाने के कारणों के बारे में उनकी पत्नी को जानकारी उपलब्ध कराने के संबंध में आदेश देने से इन्कार कर दिया और मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर तक स्थगित कर दी।

पीठ ने कहा कि फिलहाल कुछ कदम उठाए गए हैं। वांगचुक को 26 सितंबर को रासुका के तहत हिरासत में लिया गया था। इससे दो दिन पहले लद्दाख को राज्य का दर्जा देने एवं इसे छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों में इस केंद्र शासित प्रदेश में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हुए थे। वांगचुक राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद हैं।

वांगचुक की पत्नी के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया कि हिरासत में लिए जाने का कारण अंगमो को बताए जाने चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील दी कि जिन कारणों से हिरासत में लिया गया है, उसके बारे में वांगचुक को सूचित कर दिया गया है। पत्नी को हिरासत के कारण बताए जाने की कोई कानूनी आवश्यकता नहीं है। सिब्बल ने हिरासत का कारण बताने के लिए अंतरिम आदेश देने पर जोर देते हुए कहा कि बिना एक प्रति के हिरासत आदेश को चुनौती नहीं दी जा सकती। इस पर न्यायमूर्ति कुमार ने कहा कि इस समय हम कुछ नहीं कहेंगे। हालांकि, पीठ ने सॉलिसिटर जनरल की इस दलील पर गौर किया कि वह हिरासत के आधार की जानकारी देने की व्यवहार्यता की पड़ताल करेंगे।

परिसंपत्तियों की सूची के लिए पोर्टल पर होगी सुनवाई

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें कई संस्थाओं में मौजूद सभी वित्तीय परिसंपत्तियों की व्यापक सूची तक पहुंच के लिए केंद्रीकृत पोर्टल स्थापित करने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, भले ही वे सक्रिय हों या निष्क्रिय। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति व्यक्त की और आरबीआई, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), केंद्र एवं अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया। न्यायालय ने मामले की सुनवाई के लिए चार हफ्ते बाद की तारीख तय की। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को अवगत कराया कि यह मामला छोटे निवेशकों या जमाकर्ताओं से संबंधित है।

विजयन के खिलाफ जांच का अनुरोध खारिज

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कांग्रेस विधायक मैथ्यू कुझालनादन की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) से जुड़े वित्तीय लेन-देन के संबंध में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और उनकी बेटी वीना के खिलाफ जांच का निर्देश देने का अनुरोध किया था। न्यायालय ने कहा कि राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के बीच लड़ी जानी चाहिए। केरल हाईकोर्ट ने 28 मार्च को कुझालनादन की उस याचिका को खारिज किया, जिसमें विजयन की बेटी की बंद हो चुकी आईटी फर्म और निजी खनन कंपनी सीएमआरएल के बीच लेनदेन को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ जांच का अनुरोध किया था।

बंगाल में भूस्खलन-बाढ़ से मरने वालों की संख्या हुई 28, बचाव कार्य जारी

- कई लोग अब भी लापता, सैंकड़ों पर्यटकों के पहाड़ी इलाकों में फंसे होने की आशंका

दार्जिलिंग/सिलीगुड़ी/कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। आपदा प्रबंधन कर्मियों ने सोमवार को भी बचाव अभियान जारी रखा क्योंकि कई लोग अब भी लापता हैं और सैंकड़ों पर्यटक पहाड़ी इलाकों में फंसे हुए हैं।

उत्तर बंगाल विकास मंत्री उदयन गुहा ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। स्थिति अत्यंत चुनौतीपूर्ण है। अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। रात भर में कुछ और शव निकाले गए हैं। ये मौतें दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी दोनों जिलों में हुई हैं। लगातार हो रही बारिश से बचाव अभियान में बाधा आ रही है।

सिलीगुड़ी रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बाढ़ और उससे हुई तबाही को मानव निर्मित करार दिया। उन्होंने जान गंवाने वालों के परिजनों के लिए पांच-पांच लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की। उन्होंने पीड़ित परिवारों के एक सदस्य को होम गार्ड की नौकरी देने की भी घोषणा की। इस क्षेत्र में शनिवार रात और रविवार तड़के 12 घंटे से अधिक समय में 300 मिमी से अधिक बारिश हुई। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में दार्जिलिंग के मिरिक, सुखियापोखरी और जोरेबंगलो तथा जलपाईगुड़ी जिले के नागराकाटा शामिल हैं। एनडीआरएफ के नेतृत्व में बचाव अभियान जारी है व मलबे में फंसे लोगों का पता लगाने को भारी मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

भूस्खलन के कारण आपदा प्रभावित क्षेत्र में क्षतिग्रस्त मकान।

कटक हिंसाः आठ लोग गिरफ्तार, बंद जारी

कटक। ओडिशा के कटक शहर में हुई हिंसा में सोमवार को आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। कटक में निषेधाज्ञा लागू है और सुरक्षा व्यवस्था के बीच 12 घंटे का बंद जारी है।

पुलिस आयुक्त एस. देव दत्त सिंह ने बताया कि रविवार को विहिप कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस पर किए हमले के तीन मामले दर्ज हुए हैं और आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थिति नियंत्रण में है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अमरेंद पांडा और कटक के डीसीपी केआर दिनयानदेव सहित 25 लोग इस हमले में घायल हुए हैं। पांडा को श्रीराम चंद्र भंज (एससीबी) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आईसीयू (गहन चिकित्सा इकाई) में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए कुछ शरारती तत्वों की पहचान होने के बाद कटक के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी की जा रही है।

बंगाल में सांसद मुर्मू व विधायक घोष भीड़ के हमले से घायल

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष राज्य के उत्तरी भाग में बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित दुआर क्षेत्र के दौरे के दौरान भीड़ के हमले से घायल हो गए। इस घटना से एक नया राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है।

जलपाईगुड़ी जिले के नागराकाटा इलाके में हुए संघर्ष के बाद भाजपा ने टीएमसी पर क्षेत्र में असंतोष को दबाने के लिए हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया और इस घटना को टीएमसी के जंगल राज का उदाहरण बताया। टीएमसी ने कहा कि व्यापक पीड़ा के बीच भाजपा नेताओं के फोटो खिंचवाने से लोगों के गुस्से से यह घटना हुई। मुर्मू व घोष भाजपा नेताओं की उस टीम का हिस्सा थे जो आपदा प्रभावित दुआर क्षेत्र में स्थिति का आकलन करने गए थे। टेलीविजन पर प्रसारित वीडियो अनुसार बाढ़ प्रभावित लोगों के बातचीत से पहले ही भीड़ ने भाजपा नेताओं को घेर लिया और दीदी, दीदी के नारे लगाने लगी। इसके बाद नागराकाटा शहर से 10 किमी दूर बामनडांगा के पास उनके काफिले पर पथराव किया गया।

घायल भाजपा सांसद खगेन मुर्मू।

- बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने गए थे दोनों प्रतिनिधि

कर्नाटक एमयूडीए मामले में 40 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने सोमवार को कहा कि उसने कर्नाटक एमयूडीए से जुड़ी धन शोधन जांच में 40 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। ईडी ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चार अक्टूबर को 34 अचल संपत्तियों को कुर्क करने का अनंतिम आदेश जारी हुआ था, जिसमें एमयूडीए (मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण) के कुछ भूखंड भी शामिल हैं।

संघीय जांच एजेंसी ने बताया कि इन संपत्तियों का बाजार मूल्य 40.08 करोड़ है। धन शोधन का यह मामला कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस की प्राथमिकी से जुड़ा है। ईडी ने पहले भी संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए थे और इस नई कार्रवाई के साथ ही जांच के तहत 400 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है।

नकली दवाओं की बिक्री पर लगाए रोक : एनएचआरसी

कफ सिरप से मौत

- मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकार सहित डीसीजीआई को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों को नोटिस जारी कर उन्हें दूषित कफ सिरप से बच्चों की मौत की जांच और नकली दवाओं की बिक्री पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। एनएचआरसी ने भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई), केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को नकली दवाओं की आपूर्ति की जांच और राज्यों में सभी क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं को नकली दवाओं के नमूने एकत्र करने और परीक्षण रिपोर्ट पेश करने का निर्देश देने को भी कहा है।

आयोग ने नोटिस में कहा कि प्राधिकारियों को ये निर्देश दिया गया है कि वह संबंधित राज्यों के सभी मुख्य औषधि नियंत्रकों को नकली दवाओं पर तुरंत रोक लगाने की प्रक्रिया शुरू करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दें। आयोग ने कहा कि उसे मध्य प्रदेश (छिंदवाड़ा और विदिशा) और राजस्थान के कुछ जिलों में कफ सिरप पीने से 12 बच्चों की मौत के मामलों में हस्तक्षेप वाली शिकायत मिली है।

मप्र में औषधि नियंत्रक का तबादला, तीन अन्य अधिकारी निलंबित

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने छिंदवाड़ा में संदिग्ध रूप से गुर्दों के खराब होने से 14 बच्चों की मौत के मामले में सोमवार को दो औषधि निरीक्षकों, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के उपनिदेशक को निलंबित कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि बच्चों की मौत एक 'विषाक्त' कफ सिरप के सेवन से हुई थी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने के बाद राज्य के औषधि नियंत्रक दिनेश मौर्य का भी तबादला कर दिया। निलंबित औषधि निरीक्षकों में गौरव शर्मा और शरद जैन है, जो क्रमशः छिंदवाड़ा और जबलपुर में तैनात हैं। अधिकारी ने बताया कि निलंबित उपनिदेशक शोभित कोस्टा है।

केरल में 12 साल से कम उम्र के बच्चों को दुकान से नहीं मिलेगी दवा

तिरुवनंतपुरम। केरल स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को आदेश दिया कि 12 साल से कम उम्र के बच्चों को डॉक्टर के पर्चे के बिना कोई दवा नहीं दी जानी चाहिए। यह कदम कुछ कफ सिरप संबंधी चिंताओं के मद्देनजर उठाया गया है। स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने उच्चस्तरीय बैठक के बाद कहा कि राज्य सरकार ने बच्चों में खांसी की दवाओं के इस्तेमाल का अध्ययन करने के लिए तीन-सदस्यीय विशेषज्ञ समिति गठित की है और उसे तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। मंत्री ने कहा कि इस समिति में राज्य औषधि नियंत्रक, बाल स्वास्थ्य नोडल अधिकारी और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के राज्य अध्यक्ष शामिल हैं। इसके निष्कर्ष बच्चों को कफ सिरप पिलाने को लेकर नए दिशानिर्देश तैयार करने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में औषधि नियंत्रक को निर्देश जारी कर दिए गए हैं और जागरूकता प्रयासों को भी मजबूत किया जाएगा।

वर्ल्ड ब्रीफ

ब्रिटेन की मशहूर लेखक जिली कूपर का निधन

लंदन। 'राइवल्स' और 'राइडर्स' जैसे चर्चित उपन्यासों की ब्रिटिश लेखिका जिली कूपर का 88 साल की उम्र में निधन हो गया। उनकी एजेंट ने सोमवार को यह जानकारी दी। उनके परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि लेखिका का अचानक दुनिया से जाना परिवार के लिए बड़ा सदमा है। उनकी एजेंट फेलिसिटी ब्लंट ने कहा, मेरे करियर का सौभाग्य रहा है कि मैंने एक ऐसी महिला के साथ काम किया जिन्होंने पचास साल पहले अपनी पहली रचना के प्रकाशन के बाद से ही संस्कृति, लेखन और संवाद को परिभाषित किया। उन्होंने कहा, जिली को निस्संदेह उनकी शानदार शृंखला 'द रटशायर क्रॉनिकल्स' और उसके बहादुर एवं आकर्षक नायक रूपर्ट कैंपबेल-ब्लैक के लिए सबसे अधिक याद किया जाएगा। कूपर के कई प्रशंसकों में ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भी शामिल हैं।

बर्फीले तूफान से एक की मौत, 137 बचाए

बीजिंग। माउंट एवरेस्ट के तिब्बती ढलानों पर बर्फीले तूफान के कारण एक पर्वतारोही की मौत हो गई और फंसे हुए 137 पर्वतारोहियों को बचा लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि लापता पर्वतारोहियों की तलाश जारी है। समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर में स्थानीय अधिकारियों के हवाले से कहा गया कि 'हाइपोथरमिया' और अत्यधिक ऊंचाई पर पहुंचने से जुड़ीं समस्याओं के कारण 41 वर्षीय पर्वतारोही की मौत हो गई। खबर में कहा गया कि उत्तर पश्चिमी किंगाई प्रांत में लगातार बर्फबारी होने के कारण फंसे 137 पर्वतारोहियों को अब तक सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है तथा उनकी हालत स्थिर है।

स्कूल के मलबे से मिले कई और छात्रों के शव

सिदोअर्जो। इंडोनेशिया में पिछले हफ्ते एक इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल के प्रार्थना कक्ष के ढहने के बाद लापता छात्रों की तलाश कर रहे बचावकर्मियों ने सप्ताहांत में कई छात्रों के शव बरामद किए, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है। स्कूल ढहने की इस घटना में अब भी 14 छात्रों के लापता होने का अंदेशा है। बचाव दल लापता छात्रों को खोजने के प्रयास में मशीनों और उपकरणों की मदद से अब तक कई टन मलबा हटा चुके हैं। बचावकर्मियों को सप्ताहांत में ही 35 शव मिले। इंडोनेशिया के जावा द्वीप के पूर्वी हिस्से में सिदोअर्जो स्थित एक सदी पुराने 'अल खोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल' की इमारत 29 सितंबर को ढह गई थी।

ट्रंप के ओरेगन में सेना भेजने के आदेश पर अदालत की रोक

वाशिंगटन, एजेंसी

- कैलिफोर्निया ने भी राज्य में सेना की तैनाती के फैसले को दी चुनौती

अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को ओरेगन में नेशनल गार्ड की तैनाती से रविवार को अस्थाई रूप से रोक दिया, जिसमें कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड तैनाती भी शामिल है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कैलिफोर्निया से सैनिकों को ओरेगन भेज दिया था, जिसके बाद कैलिफोर्निया और ओरेगन ने अदालत से रोक लगाने का आदेश जारी करने का अनुरोध किया था। शनिवार को इसी न्यायाधीश ने ओरेगन नेशनल गार्ड को पोर्टलैंड भेजने पर भी रोक लगाई थी। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के एक प्रवक्ता के अनुसार, पहले लॉस एंजिलिस में तैनात कैलिफोर्निया गार्ड के लगभग 200 सदस्यों को पोर्टलैंड भेजा जा रहा था। ओरेगन और कैलिफोर्निया ने अब अदालत से सभी राज्यों की नेशनल गार्ड तैनाती पर रोक लगाने की मांग की है।

ओरेगन के अटॉर्नी जनरल डैन रेफील्ड ने कहा, जो कल अवैध था, वह आज भी अवैध है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजोम ने इस कदम को कानून और शक्ति का दुरुपयोग बताया और कहा कि राष्ट्रपति सेना को राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। कैलिफोर्निया ने भी इस फैसले को चुनौती देने के लिए ओरेगन के साथ मुकदमा दायर किया है।

ऐसे अमेरिकी राष्ट्रपति जिनके सर्वाधिक फैसलों पर लगी रोक

ट्रंप बनाम अदालतें

दुनिया भर में पिछले एक दशक में यह संघर्ष काफी तेज होने के साथ खुलकर सामने आया है। अदालतें एक ओर जहां लोकतंत्र की रक्षा की आखिरी दीवार बन गई हैं, वहीं कई देशों की सरकारें न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सीमित करने की कोशिश कर रही हैं। अदालतें अब केवल न्याय नहीं दे रहीं बल्कि वे लोकतांत्रिक संतुलन की भी रखवाली कर रही हैं। जहां भी सरकारें पूर्ण नियंत्रण चाहती हैं, वहां अदालतें ही उनके आगे एकमात्र अवरोध बन रही हैं। दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड सबसे बड़ा उदाहरण हैं जिनके सर्वाधिक फैसलों पर अमेरिकी इतिहास में अदालतों ने रोक लगाई है या गलत ठहराया है। आंकड़े बताते हैं कि उनके कार्यकाल में कानूनी चुनौतियों की संख्या और अदालतों में हार का प्रतिशत दोनों ऐतिहासिक रूप से सबसे ज्यादा हैं।

ट्रंप की हार

2017 से 2021 के बीच संघीय अदालतों ने ट्रंप प्रशासन के 200 से ज्यादा कार्यकारी आदेशों, नीतियों को चुनौती दी, जिनमें लगभग 80% मामलों में अदालतों ने उनके खिलाफ फैसला दिया।

दूसरे राष्ट्रपति

- ओबामा प्रशासन को इसी अवधि में लगभग 30% मामलों में हार।
- जॉर्ज बुश प्रशासन को 25% मामलों में हार का सामना करना पड़ा।

प्रमुख फैसले जिन पर रोक लगी

- वर्ष 2017 में मुस्लिम देशों पर ट्रैवल बैन ट्रंप का पहला बड़ा फैसला था जिसे अदालतों ने इसे संविधान के धार्मिक भेदभाव विरोधी सिद्धांत के खिलाफ बताते हुए कई बार खारिज किया। संशोधित संस्करण को 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दी।
- डिफर्ड एक्शन फॉर चाइल्डहुड अराइवल्स प्रोग्राम खत्म करने की कोशिश नाकाम, सुप्रीम कोर्ट ने भी 2020 में इस फैसले को रद्द कर दिया। यह नीति उन अप्रवासियों को सुरक्षा देती है जो बचपन में अमेरिका आए थे, और ड्रीमर्स कहलाते हैं
- ट्रंप ने कई पर्यावरणीय सुरक्षा नियम हटाए, अदालतों ने कई बार रोक लगाई या अवैध घोषित किया। पब्लिक चार्ज इमिग्रेशन नियम को अदालतों ने इसे गरीब प्रवासियों के प्रति भेदभावपूर्ण बताते हुए रोक दिया। टिकटॉक और वीचैट पर बैन के आदेश पर भी अदालतों ने रोक लगाई।

क्यों बार-बार हारे ट्रंप

- कई फैसले जल्दबाजी में जारी किए, कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ।
- ज्यादातर फैसलों में वैज्ञानिक या संस्थागत परामर्श को नजरंदाज किया।
- कार्यपालिका शक्ति बढ़ाने पर जोर, न्यायपालिका के साथ टकराव बढ़ा।

लोकतांत्रिक देशों का वैश्विक परिदृश्य

- अमेरिका में अदालतों ने ट्रंप और बाइडन दोनों के आदेशों पर बार-बार रोक लगाई। इससे बौखलाए अमेरिकी राष्ट्रपति ने न्यायाधीशों को राजनीतिक कहा और सुप्रीम कोर्ट को पूर्वाग्रह ग्रसित तक कहा।
- भारत में सुप्रीम कोर्ट ने कुछ मामलों में सरकार का पक्ष माना, मगर इसके साथ आलोचना भी झेली कि उसने कार्यकारी शक्ति का अतिक्रमण नहीं रोका। न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर बहस जारी है।
- इजराइल में 2023 में नेतन्याहू सरकार ने ज्यूडिशियल रिफॉर्म लाने की कोशिश की, जिससे सुप्रीम कोर्ट की शक्तियां घट जातीं। भारी विरोध और देशव्यापी आंदोलन के बाद सरकार को पीछे हटना पड़ा।
- पोलैंड और हंगरी की सरकारों ने सुप्रीम कोर्ट और संवैधानिक अदालतों पर नियुक्ति का नियंत्रण बढ़ाया। यूरोपीय संघ की ओर से इस पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया गया।
- ब्राजील में सुप्रीम कोर्ट ने बोल्सोनारो की चुनावी साजिशों और फेक न्यूज पर सख्ती दिखाई। बोल्सोनारो की ओर से इसके जवाब में न्यायाधीशों पर राजनीतिक षड्यंत्र के आरोप लगाए गए।
- पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट और सरकार के बीच लगातार टकराव, तुर्किए में एर्दोआन ने न्यायपालिका पर कड़ा नियंत्रण स्थापित किया। राष्ट्र सुरक्षा के नाम पर हजारों जजों को बर्खास्त कर दिया।

अमेरिका: यूएस हाउस पर कब्जे की लड़ाई शुरू

कैलिफोर्निया में नए नक्शों पर मतदान जारी, ट्रंप के भविष्य पर भी असर डालेंगे चुनाव के नतीजे

लॉस एंजिलिस, एजेंसी

मध्यावधि चुनाव में भले ही अभी एक साल बाकी हो लेकिन अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (यूएस हाउस) पर नियंत्रण की लड़ाई कैलिफोर्निया में शुरू हो चुकी है। कांग्रेस के जिलों को बदलने के एक प्रस्ताव पर पूरे कैलिफोर्निया राज्य में सोमवार को मतदान शुरू हो गया है। इस बदलाव से डेमोक्रेटों को पांच और सीटें मिल सकती हैं, जो 2026 के चुनाव में रिपब्लिकनों को फायदा पहुंचाने की ट्रंप की कोशिशों का सफल जवाब हो सकता है।

इस 70-शब्दों के 'हां' या 'नहीं' वाले प्रश्नों का नतीजा तय करेगा कि विभाजित प्रतिनिधि सभा पर कौन सी पार्टी नियंत्रण करेगी। साथ ही यह भी निर्धारित होगा कि क्या डेमोक्रेट आप्रवासन से लेकर प्रजनन अधिकारों जैसे मुद्दों पर ट्रंप के कार्यकाल के दूसरे भाग में उनकी शक्ति को कमजोर कर पाएंगे या नहीं। डेमोक्रेटिक सलाहकार रोजर सालाजार ने कहा कि यह प्रस्ताव 2026 की दौड़ के लिए एक शुरुआती बिंदु है। उन्होंने कहा, सब कुछ 2026 के चुनाव पर निर्भर करता है। कैलिफोर्निया के इस मतदान उपाय का राष्ट्रीय महत्व साफ दिखाई देता है। यह महत्व इस बात से पता चलता है कि इसने कितना पैसा आकर्षित किया है और इसमें कौन-कौन सी हस्तियां शामिल हो रही हैं।

ओबामा और अर्नाल्ड श्वार्जनेगर जैसे दिग्गजों ने संभाली कमान, चुनाव में झोंके गए करोड़ों डॉलर

इस चुनावी दौड़ में करोड़ों डॉलर झोंके जा रहे हैं, जिसमें हाउस स्पीकर माइक जॉनसन से जुड़े सुपर पीएसी, कांग्रेसनल लीडरशिप फंड की ओर से विरोधियों को दिया गया 50 लाख अमेरिकी डॉलर का चंदा भी शामिल है। पूर्व एक्शन फिल्म अभिनेता और रिपब्लिकन गवर्नर अर्नाल्ड श्वार्जनेगर ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। वहीं पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा इसके समर्थन में हैं। ओबामा ने इसे प्रतिनिधि सभा पर नियंत्रण सुरक्षित रखने के उद्देश्य से रिपब्लिकनों की पैंतरेबाजी का मुकाबला करने का स्मार्ट तरीका बताया है। ये चुनाव चार नवंबर को समाप्त होगा और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव को भी प्रभावित करेगा। नए और बदले हुए जिलों के अभियान का मुख्य चेहरा माने जाने वाले डेमोक्रेटिक गवर्नर गैविन न्यूजोम को इस चुनाव में व्यापक रूप से संभावित दावेदार के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप की शक्ति को कम करने के लिए डेमोक्रेट्स का चुनावी दांव

यह असामान्य विशेष चुनाव डेमोक्रेटों का एक दांव है। इसका उद्देश्य टेक्सास में पांच रिपब्लिकन जिले हासिल करने के ट्रंप के प्रयास को कमजोर करना है। देश के दो सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों के बीच यह मुकाबला पूरे राष्ट्र में फैल गया है। मिसौरी राज्य भी अपने प्रतिनिधि सभा के मानचित्रों को फिर से बना रहा है। जल्द ही अन्य राज्य भी इसका अनुसरण कर सकते हैं। यह विवाद अब अदालतों के दांवपेंच में भी उलझ गया है। इस बीच टेक्सास में संघीय न्यायाधीशों का एक पैनल विचार कर रहा है कि क्या राज्य नए बनाए गए कांग्रेस मानचित्र का उपयोग कर सकता है, जो रिपब्लिकनों को अधिक फायदा पहुंचाता है। अगर टेक्सास के मानचित्र पर अस्थाई रोक लगा दी जाती है तो यह स्पष्ट नहीं है कि इस फैसले का कैलिफोर्निया पर क्या असर होगा या होगा भी या नहीं, जहां मतदान अभी जारी है।

> इस चुनाव में डेमोक्रेटिक गवर्नर न्यूजोम को संभावित दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। न्यूजोम ने हाल ही में समर्थकों को भेजे गए एक पत्र में लिखा, अगर हम हार गए तो भगवान ही हमारी मदद करे। कहा, डेमोक्रेटों के लिए यह पूरी तरह एकजुट होकर काम करने का समय है।

छठे दिन भी शटडाउन: राजनीतिक टकराव से अनिश्चितता बढ़ी, छंटनी शुरू

वाशिंगटन। अमेरिका में संघीय सरकार के छह दिन से जारी 'शटडाउन' को खत्म करने के लिए रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों के बीच गतिरोध बना हुआ है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इसके कारण सरकारी कर्मचारियों की छंटनी शुरू हो चुकी है और उन्होंने डेमोक्रेट्स को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया।

ट्रंप प्रशासन का मानना है कि शटडाउन के दौरान सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर बजट पर नियंत्रण पाया जा सकता है। रविवार रात जब ट्रंप से पूछा गया कि संघीय कर्मचारियों को कब निकाला जाएगा, जैसा कि उन्होंने धमकी दी है, तो उन्होंने कहा, यह अभी हो रहा है और यह सब डेमोक्रेट्स

- सत्ता और विपक्ष में नहीं बन पा रही सहमति, ट्रंप ने डेमोक्रेट्स को ठहराया छंटनी का जिम्मेदार

की वजह से हो रहा है। उन्होंने कहा, डेमोक्रेट्स बहुत सारी नौकरियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ट्रंप ने इस सवाल का जवाब नहीं दिया कि किन एजेंसियों में कटौती की जाएगी। अमेरिका में 'शटडाउन' के कारण सरकारी वित्तपोषण पर रोक है। शटडाउन खत्म करने के लिए संसद के दोनों सदनों, सीनेट और प्रतिनिधि सभा में सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी और विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच सहमति नहीं बन पाई है। डेमोक्रेटिक पार्टी स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी जारी रखने की मांग कर रही है।

मंदी और महंगाई की आशंका

इस राजनीतिक टकराव के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मंदी और महंगाई को लेकर चिंता बढ़ी है। डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीज ने कहा कि पिछले सोमवार के बाद से रिपब्लिकन नेताओं के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने ट्रंप पर गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार का आरोप लगाया। वहीं, सदन के स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन राष्ट्रपति ऐसा नहीं चाहते। डेमोक्रेटिक सीनेटर एडम शिफ ने चेतावनी दी कि स्वास्थ्य बीमा सब्सिडी खत्म होने से लाखों अमेरिकियों के लिए इलाज महंगा हो जाएगा। उन्होंने ट्रंप प्रशासन पर कांग्रेस द्वारा स्वीकृत वित्त पोषण रोकने का भी आरोप लगाया।

फ्रांस : प्रधानमंत्री लेकोर्नू ने महीने भर से कम समय में दिया इस्तीफा

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस के नए प्रधानमंत्री सेबेस्तियन लेकोर्नू ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लेकोर्नू ने एक दिन पहले ही अपने मंत्रिमंडल का गठन किया था और वह एक महीने से भी कम समय तक पद पर रहे। लेकोर्नू के इस्तीफे के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के पास बहुत कम विकल्प बचे हैं।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति मैक्रों ने लेकोर्नू का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। कई ओपिनियन पोल के अनुसार मैक्रों की लोकप्रियता गिरकर रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंच गई है। लेकोर्नू सितंबर में फ्रांस्वा बायरू के स्थान पर प्रधानमंत्री बने थे। पिछले साल मैक्रों द्वारा अचानक चुनाव की घोषणा किए जाने के बाद से फ्रांसीसी राजनीति में राजनीतिक गतिरोध है। नेशनल असेंबली में धुर-दक्षिणपंथी और वामपंथी सांसदों के पास 320 से अधिक सीट हैं, जबकि मध्यमार्गी और उनके सहयोगी रूढ़िवादियों के पास 210 सीट हैं और किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं है।

मैक्रों के भरोसेमंद सहयोगी लेकोर्नू ने कहा कि एक आम सहमति बनाने में नाकाम रहने के बाद अब पद पर बने रहने की कोई स्थिति नहीं थी। लेकोर्नू ने अपने त्यागपत्र में कहा, किसी को भी अपने देश को हमेशा अपनी पार्टी से पहले रखना चाहिए। अगले राष्ट्रपति चुनाव में दो वर्ष से भी कम समय बचा है।

माना जा रहा है कि लेकोर्नू ने अपनी नई सरकार के गठन के कुछ ही घंटों बाद इस्तीफ़ा देकर देश को एक बार फिर से राजनीतिक अनिश्चितता में धकेल दिया था। इस तरह 27 दिनों के कार्यकाल के बाद लेकोर्नू फ्रांसीसी संसदीय इतिहास में सबसे कम समय तक रहने वाले प्रधानमंत्री बन गए हैं।

- और गहराया राजनीतिक संकट राष्ट्रपति मैक्रों की मुश्किलें बढ़ीं

इस्तीफे के बाद यूरो गिरा, सेंसेक्स में भी दर्ज की गई गिरावट

पेरिस। लेकोर्नू के इस्तीफे की घोषणा के बाद व्यापारिक आंकड़ों के अनुसार डॉलर के मुकाबले यूरो में लगभग 0.7 प्रतिशत की गिरावट आई। भारतीय मानक समय दोपहर 1:28 बजे तक यूरो-डॉलर विनिमय दर 1.1743 अमेरिकी डॉलर प्रति यूरो से गिरकर 1.1666 अमेरिकी डॉलर प्रति यूरो हो गई, यानी 0.66 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। वहीं दोपहर 1:23 बजे तक फ्रांस का सीएसी 40 सूचकांक 1.79 प्रतिशत गिरकर 7,936.87 अंक पर आ गया।

इटली में हुई सड़क दुर्घटना में चार भारतीयों की मौत

लंदन। दक्षिणी इटली के मटेरा शहर में एक सड़क दुर्घटना में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। रोम स्थित भारतीय दूतावास ने सोमवार को यह जानकारी दी। ये लोग सात सीटों वाली रेनॉल्ट सीनिक कार में छह अन्य लोगों के साथ सवार थे।

- सात सीटर कार में बैठे थे 10 लोग, ट्रक से टकराकर हुआ हादसा

शनिवार को एग्री घाटी के मटेरा शहर के स्कैनजानो जोनिको नगरपालिका क्षेत्र में एक ट्रक से टकरा गई। रिपोर्ट के मुताबिक मृतकों की पहचान 34 वर्षीय कुमार मनोज, 33 वर्षीय सिंह सुरजीत, 31 वर्षीय सिंह हरविंदर और 20 वर्षीय सिंह जसकरण के रूप में की गई है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, हम स्थानीय इतालवी अधिकारियों के संपर्क में हैं। एएनएसए ने बताया कि पांच घायलों को पोलिकोरो (के अस्पताल में भेजा गया, जबकि छठे गंभीर घायल को पोटेंजा के सैन कार्लो अस्पताल में स्थानांतरित किया गया।

टेक्सास में मां ने अपने चार बच्चों पर गोलियां चलाईं, दो की मौत

एंगलटन। अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक महिला ने अपने चार बच्चों पर गोलियां चलाईं, जिससे उनमें से दो की मौत हो गई। उस पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है। साथ ही हिरासत में ले लिया गया है।

ब्रेजोरिया काउंटी के शेरिफ बो स्टालमैन ने बताया कि उस 31 वर्षीय महिला पर हत्या और घातक हथियार से गंभीर हमले के दो-दो मामले दर्ज किए गए हैं। स्टालमैन ने कहा कि दो बच्चों की उम्र 13 और 4 साल थी, जो एक वाहन के अंदर गोली लगने से मारे गए। अन्य बच्चों की उम्र 8 और 9 साल है, जिन्हें एक मेडिकल हेलीकॉप्टर से ह्यूस्टन क्षेत्र के एक अस्पताल में ले जाया गया है, उनकी हालत स्थिर है। स्टालमैन ने बताया कि गोली चलाने के बाद महिला ने अधिकारियों को कॉल की थी। अधिकारियों ने घटनास्थल से एक हथियार बरामद किया है। स्टालमैन ने कहा, इस तरह की संवेदनहीन त्रासदी को समझना असंभव है।

- दो बच्चों को हेलीकॉप्टर से ले अस्पताल ले जाया गया, हालत गंभीर

रूस ने रात भर में 251 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए

मॉस्को। रूस की वायु रक्षा प्रणाली ने रात भर में 251 यूक्रेनी ड्रोन और यूएवी को नष्ट किया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में इसकी जानकारी दी।

कहा गया कि कल रात से अब तक वायु रक्षा चेतावनी प्रणाली ने 251 यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग मानवरहित हवाई वाहनों और ड्रोन को नष्ट किया। इनमें से 40 क्रीमिया गणराज्य में मारे। कुर्स्क में 34, बेलगोरोद में 30, निज़नी नोवगोरोड क्षेत्र में 20, वोरोनिश क्षेत्र में 17, क्रास्नोडार क्षेत्र में 11, ब्रांस्क और तुला में आठ-आठ यूएवी और ड्रोन मार गिराए गए।

वार्ता के लिए मिस्र पहुंचे इजराइल और हमास के वार्ताकार, गाजा में हमले जारी

काहिरा। गाजा में युद्ध विराम पर सहमति के लिए इजराइल और हमास के अधिकारी सोमवार को मिस्र के एक रिसॉर्ट में बैठक करेंगे। सोमवार शाम दोनों पक्षों के प्रतिनिधि यहां पहुंच गए थे। इस बीच इजराइल ने गाजा पर हमले जारी रखे हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि अप्रत्यक्ष वार्ता लाल सागर के शर्म अल शेख रिसॉर्ट में होगी, जहां शीर्ष वार्ताकार रॉन डेरमर के नेतृत्व में इजराइली प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पहुंच रहा है। हमास ने एक बयान में कहा कि खलील अल-हय्या के नेतृत्व में हमास का प्रतिनिधिमंडल रविवार को मिस्र पहुंचा। इसमें कहा गया है कि वार्ता युद्ध विराम के प्रथम चरण पर केन्द्रित रहेगी, जिसमें इजराइली सेना की आंशिक वापसी तथा इजराइली हिरासत में मौजूद फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में, गाजा में चरमपंथियों द्वारा बंधक बनाये गए लोगों की रिहाई शामिल है।

इजराइल ने रविवार को रात भर उत्तरी गाजा में हवाई और जमीनी हमले किए। ● एजेंसी

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 7 अक्टूबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 09.16 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

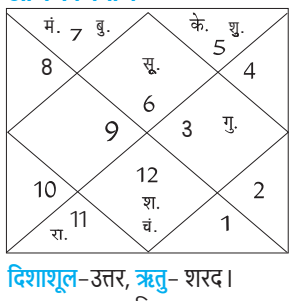

दिशाशूल-उत्तर, ऋतु- शरद। चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन। ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र- रेवती 08 अक्टूबर 01.28 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। अपेक्षित कार्य के समय से पूर्ण न होने से थोड़े उदास हो सकते हैं। परोपकार के कार्यों में धन खर्च होगा। आज किसी कार्य में मन नहीं लगेगा। किसी नए कार्य की योजना बना सकते हैं।

वृष — आज कार्यशैली में सुधार लाने का प्रयास करेंगे। संतान के भविष्य की चिंता दूर होगी। धन के लेन-देन में आपको सावधानी रखनी चाहिए। ससुराल पक्ष से आपको सम्मान प्राप्त होगा। घर का वातावरण अत्यंत सुखद रहेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

मिथुन — आज सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे। मांगलिक कार्यक्रमों में आप सम्मिलित हो सकते हैं। दांपत्य समस्याओं का समाधान होने की संभावना बन रही है। कानूनी मामलों को आसानी से सुलझा लेंगे। युवा नया व्यवसाय करने का विचार बना सकते हैं।

कर्क — आज कारोबार में आपको थोड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। किसी मित्र और रिश्तेदार की आपको सहायता करनी पड़ सकती है। महिलाओं के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। लोग आपकी बातों को अत्यधिक महत्व देंगे। विरोधियों के बीच आपका वर्चस्व बढ़ेगा।

सिंह — आज अपने महत्वपूर्ण सामानों को संभालकर रखें। महिलाओं को स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए। रुके हुए कार्यों को लेकर थोड़ा चिन्तित रहेंगे। व्यर्थ के झगड़ों के कारण आपका व्यवहार खराब हो सकता है। तंत्र-मंत्र और गुप्त साधनाओं के प्रति आपकी रुचि जागृत हो सकती है।

कन्या — आज राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अति अनुकूल है। बैंकिंग और मैनेजमेन्ट से जुड़े लोगों के लिए भी दिन बहुत अच्छा है। सोशल मीडिया में आपके नए मित्र बन सकते हैं। व्यवसाय को लेकर यात्रा कर सकते हैं। बचे हुए माल को सेल में बेचने की योजना बना सकते हैं।

तुला — आज भविष्य को लेकर योजना बना सकते हैं। बच्चे पढ़ाई में काफी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। आवश्यक कार्यों को समय पर पूर्ण कर लेंगे। प्रशासन से जुड़े लोगों को ख्याति मिल सकती है। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। प्रेम-संबंधों में नजदीकी बढ़ेगी।

वृश्चिक — आज आप अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। संपत्ति विवादों का निपटारा होगा। नौकरी को लेकर परेशानी दूर होगी। ऑनलाइन कारोबार से लाभ होगा। शोध कार्यों से जुड़े लोगों को अच्छी सफलता मिल सकती है। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

धनु — आज महिलाओं को पीठ दर्द की शिकायत हो सकती है। आपके ऊपर घर वालों का दबाव रहेगा। प्रियजनों से अपने मन की बातें शेयर करेंगे। घर वालों के कारण आपको कुछ अनावश्यक खर्च करने पड़ सकते हैं। एक साथ कई सारे काम न करें।

मकर — आज अपने लक्ष्यों के प्रति अत्यंत गंभीर रहेंगे। परिजनों के साथ आप महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर सकते हैं। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। नजदीकी लोगों से आपको शुभ समाचार मिलेंगे। भौतिक सुख-साधनों का आनंद उठायेंगे। स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में आपको बहुत अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। आवश्यक वस्तुओं को खरीदने के लिए बाजार जा सकते हैं। नकारात्मक लोगों की संगत से आपको बचना चाहिए। विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा पर अत्यधिक ध्यान देना चाहिए।

मीन — आज कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता का अनुभव होगा। अधिक सोचने के कारण सिरदर्द की समस्या हो सकती है। बड़े बुजुर्गों से आपकी मतभिन्नता दूर होगी। जॉब की समस्या आज दूर होगी। उच्चाधिकारियों से अधिक बहस न करें। शेयर मार्केट आदि से आपको लाभ मिलेगा।

सुडोकू-122

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

9	4			5				
	1				9			
		5						9
				6	4			
	8						2	
2			3	1		6		
5				4			9	
			7				1	
	6			9	2		8	4

सुडोकू - 121 का हल

1	3	8	7	2	5	4	6	9
5	6	7	1	4	9	3	8	2
2	9	4	8	3	6	7	1	5
6	2	5	4	7	8	9	3	1
7	1	9	5	6	3	8	2	4
4	8	3	9	1	2	5	7	6
8	7	1	2	9	4	6	5	3
3	4	2	6	5	7	1	9	8
9	5	6	3	8	1	2	4	7

टीम हमेशा पहले आती है और रोहित शर्मा भी इस फैसले से सहमत होंगे क्योंकि टीम को दो साल आगे के बारे में सोचना है। अगर कोई खिलाड़ी नॉन कमिटेड है और यह नहीं कह सकता कि वह अगले दो सालों के लिए तैयार होगा, तो उसे बुरी खबर के लिए तैयार रहना चाहिए।

सुनील गावस्कर

स्टेडियम

कानपुर नगर, मंगलवार 7 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

ओलंपियन दीपक स्कूल एसपीएल के मुख्य कमिश्नर

नई दिल्ली : इंटरनल स्पोर्ट्स प्रमोशन फ़ाउंडेशन ने ओलंपियन दीपक कुमार को स्कूल शूटिंग प्रीमियर लीग (एसएसपीएल) का मुख्य लीग कमिश्नर नियुक्त करने का एलान किया। यह भारत की पहली संरचित स्कूल-स्तरीय निशानेबाजी लीग है। यह नियुक्ति लीग के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है और निशानेबाजी को एक मुख्यधारा के खेल के रूप में जमीनी स्तर पर विकास, सुलभता, सामर्थ्य और जन जागरूकता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को और पुष्ट करती है। एसएसपीएल की शुरुआत निशानेबाजी को स्कूलों तक गहराई से पहुंचाने और युवा प्रतिभाओं की एक स्थायी श्रृंखला बनाने के उद्देश्य से की गई थी। भारत के सबसे सम्मानित निशानेबाजों में से एक, दीपक कुमार की नियुक्ति से लीग को तकनीकी विश्वसनीयता और उत्कृष्ट मार्गदर्शन मिलेगा, साथ ही इसकी राष्ट्रीय पहुंच भी मजबूत होगी।

चोटिल मोहम्मद सलीम वनडे सीरीज से बाहर

नई दिल्ली : अफगानिस्तान के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सलीम ग्रोइन (एडक्टर) की चोट के कारण अबू धाबी में बंगलादेश के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, सलीम पुनर्वास के लिए एसीबी के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में रिपोर्ट करेंगे। सलीम की जगह दाएं हाथ के मध्यम गति के गेंदबाज बिलाल सामी को अफगानिस्तान की टीम में शामिल किया गया है।

भारतीय टीम पुरुष वाटर पोलो में कजाखस्तान से हारी

अहमदाबाद : भारतीय पुरुष वाटर पोलो टीम सोमवार को एशियाई एक्वाटिक्स चैंपियनशिप (वाटर पोलो और कलात्मक तैराकी) के तीसरे दिन कजाखस्तान से 6-20 से हार गई। भारत के लिए भागेश कुथे ने तीन गोल जबकि उदय उतेकर और प्रवीण गोपीनाथन ने पुरुषों के ग्रुप बी मुकाबले में एक एक गोल किया। कजाखस्तान के लिए बाल्टाबकुली आदिल और नेदोकोंत्सेव ने चार चार, तोसोय एडुआर्ड ने तीन गोल किए जबकि लामायेव मैक्सिम, शाकेनोव मूरत और अकिम्बे अल्दियार ने दो-दो गोल किए।

ब्रिट्स के शतक से अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को हराया

म्लाबा की उम्दा गेंदबाजी के आगे न्यूजीलैंड 231 रन पर ढेर, दक्षिण अफ्रीका ने 9.1 ओवर व 6 विकेट शेष रहते जीता मैच

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप

गुवाहाटी, एजेंसी

तेजमिन ब्रिट्स (101) के शानदार शतक एवं सुने लुस की बेहतरीन नाबाद अर्द्धशतकीय पारी और एन म्लाबा (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने सोमवार को महिला एकदिवसीय विश्वकप के सातवें मुकाबले में न्यूजीलैंड को एकतरफा अंदाज में 9.1 ओवर शेष रहते छह विकेट से पीट दिया। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड की पूरी टीम को 47.5 ओवर में 231 रन के स्कोर पर समेटने के बाद 40.5 ओवर में चार विकेट पर 234 रन बनाकर दो मैचों में अपनी पहली जीत हासिल की। दूसरी तरफ न्यूजीलैंड को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। ब्रिट्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 89 गेंदों पर 101 रन में 15 चौके और एक छक्का लगाया। सुने लुस ने भी शानदार प्रदर्शन करते 114 गेंदों पर नाबाद 83 रन में 10 चौके और एक छक्का लगाया। ब्रिट्स और लुस ने दूसरे विकेट के लिए 159 रन की मैच विजयी साझेदारी की। ब्रिट्स को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इससे पहले यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में सूजी बेट्स (शून्य) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद 13वें ओवर में एन डी क्लार्क ने एमेलिया केर (23) को आउटकर दक्षिण अफ्रीका को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये सोफी डिवाइन ने जॉर्जिया पिलमर के साथ तीसरे विकेट के लिए 57 रन जोड़े। 26वें ओवर में क्लोई ट्राइऑन ने जॉर्जिया (31) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। ब्रूक हैलिडे और सोफी डिवाइन के बीच चौथे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी हुई। 39वें ओवर में एन म्लाबा ने ब्रूक हैलिडे (45) को अपना शिकार बनाकर न्यूजीलैंड को चौथा झटका दिया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे न्यूजीलैंड की बल्लेबाज बेबस दिखीं और अपने विकेट गंवाती रहीं। म्लाबा ने मैडी ग्रीन (चार) को आउट किया। शतक की ओर बढ़ रही सोफी डिवाइन को भी म्लाबा ने बोल्ड आउट न्यूजीलैंड को बड़ा झटका दिया। डिवाइन ने 98 गेंदों में नौ चौके लगाते हुए 85 रनों की पारी खेली। इसाबेला गेज 10 रन बनाकर आउट हुई। जस केर (चार) के रूप में न्यूजीलैंड का आठवां विकेट गिरा। लिया तहुहू (पांच) को म्लाबा ने आउट किया। ईडन कार्सन (चार) आखिरी विकेट के रूप में रनआउट हुई। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे न्यूजीलैंड की पूरी टीम 47.5 ओवर में 231 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका के लिए एन म्लाबा ने 10 ओवर में 40 रन देकर चार विकेट लिये। मैरिजान कप्प, अयाबोंगा खाका, एन डी क्लर्क और क्लोई ट्राइऑन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

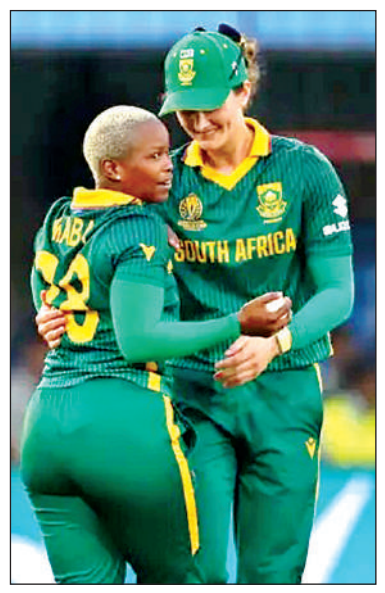

शतक का तेजमिन ब्रिट्स मैदान पर कुछ इस अंदाज मनाया जश्न, साथ में विकेट लेने पर म्लाबा को बधाई देतीं साथी खिलाड़ी।

देश	मैच	जीत	हार	टाई	अनिर्णित	अंक
भारत	2	2	0	0	0	4
आस्ट्रेलिया	2	1	0	0	1	3
इंग्लैंड	1	1	0	0	0	2
बांग्लादेश	1	1	0	0	0	2
सा.अफ्रीका	2	1	1	0	0	2
श्रीलंका	2	0	1	0	1	1
न्यूजीलैंड	2	0	2	0	0	0
पाकिस्तान	2	0	2	0	0	0

बोपन्ना, डार्डेरी और मौटेट टीपीए में पेश करेंगे चुनौती

नई दिल्ली: अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और विश्व के 29वें नंबर के खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी सहित शीर्ष-50 रैंकिंग में शामिल कम से कम तीन एकल खिलाड़ी नौ दिसंबर से अहमदाबाद में शुरू होने वाली टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) के सातवें सत्र में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

विश्व के 38वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट और उनके हमवतन विश्व के 39वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर मुलर इस लीग में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ शामिल होंगे जिसकी नीलामी नौ अक्टूबर को मुंबई में होगी। दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन बोपन्ना ने पिछले साल टीपीएल में पदार्पण किया था। वह एसजी पाइपर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व करेंगे। इटली के डार्डेरी राजस्थान रेंजर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे जबकि मौटेट गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। मुलर और आर्थर रिंडरकनेच क्रमशः गुजरात पैंथर्स और हैदराबाद स्ट्राइकर्स की टीम को मजबूत करेंगे।

अंकुशिता व अरुंधति ने स्वर्ण जीते

बीएफआई कप

चेन्नई, एजेंसी

पूर्व युवा विश्व चैंपियन अंकुशिता बोरो और अरुंधति चौधरी चेन्नई में आयोजित पहले बीएफआई कप 2025 के महिला फाइनल में शानदार प्रदर्शन बदलौत स्वर्ण पदक जीता। अंकुशिता (असम) ने (60-65 किग्रा) वर्ग में राजस्थान की पार्थवी ग्रेवाल को 3:2 से हराया, जबकि अरुंधति (सर्विसेज) ने (65-70 किग्रा) भार वर्ग में स्नेहा (एआईपी) को 5:0 से पराजित किया। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा (साई) ने भी (57-60 किग्रा) फाइनल में प्रिया (हरियाणा) को 3:2 से हराकर जीत हासिल की और एलीट महिला प्रतियोगिता ने सभी दस भार वर्गों में अपनी चैंपियन का ताज पहनाया। वहीं, निवेदिता कार्की (उत्तराखंड) ने विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मंजू रानी (रेलवे) को 3:2 से हराकर (45-48 किग्रा) भार वर्ग का खिताब जीता, जबकि भावना शर्मा (रेलवे) ने सविता (रेलवे) को (48-51 किग्रा) भार वर्ग में 5:0 से हराया। महाराष्ट्र की खुशी जाधव ने दिव्या पवार (एआईपी) को 3:2 से हराकर (51-54 किग्रा) स्वर्ण पदक जीता, और हिमाचल प्रदेश की विनाक्षी धोटा ने मुश्कन (एआईपी) को (54-57 किग्रा) भार वर्ग में 5:0 से हराया। मोनिका (साई) ने निशु (हरियाणा) पर 4:1 से जीत हासिल कर (70-75 किग्रा) का ख़िताब जीता, बबीता बिष्ट (एआईपी) ने कोमल (पंजाब) को (75-80 किग्रा) वर्ग में 3:2 से हराया, और रितिका (साई) ने शिवानी तोमर को 5:0 से हराकर (80-80 किग्रा) का ख़िताब जीता। पुरुष वर्ग में, एस. विश्वनाथ (सर्विसेज) ने (47-50 किग्रा) भार वर्ग में गोपी मिश्रा (सर्विसेज) को 5:0 से हराकर फ़ाइनल में प्रवेश किया। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल (सर्विसेज) को (50-55 किग्रा) सेमीफाइनल में टीम के ही आशीष (सर्विसेज) से 1:4 से हार का सामना करना पड़ा।

स्वर्ण पदक के साथ अंकुशिता एवं साथ में रजत पदक विजेता पार्थवी ग्रेवाल। एजेंसी

आचार संहिता के उल्लंघन पर सिदरा अमीन को फटकार

कोलंबो: पाकिस्तान की बल्लेबाज सिदरा अमीन को रविवार को भारत के खिलाफ मैच के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इसके लिए उन्हें औपचारिक रूप से फटकार लगाई है और उनके नाम एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है।

अमीन इस मैच में पाकिस्तान के लिए 106 गेंदों में 81 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं थी। अमीन ने आउट होने के बाद अपना बल्ला जोर से पिच पर मारा था। उन्हें आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो कि "अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरणों या कपड़ों, मैदानी उपकरणों या फिक्स्चर और फिटिंग के दुरुपयोग" से संबंधित है। लेवल 1 के अपराध में खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं।

रोमांचक मुकाबले में भारत ने नेपाल को हराया, श्रीलंका विजयी

विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप

गुवाहाटी, एजेंसी

मेजबान भारत ने सोमवार को नेशनल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में शुरू हुई बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप 2025 के पहले दिन ग्रुप-एच के एक रोमांचक मुकाबले में नेपाल को हराने के साथ सुहांदिनाता कप के मिश्रित टीम अभियान की शानदार शुरुआत की। वहीं, श्रीलंका ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) को हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त भारत ने अपने लाइन-अप के साथ प्रयोग किया, लेकिन ग्रुप-एच के अपने पहले मैच में 45-18, 45-17 से आसानी से जीत हासिल कर ली।

श्रीलंका ने यूएई द्वारा किए गए बदलावों का फायदा उठाते हुए 30-45, 45-34, 45-44 से जीत हासिल की। 14 बार के चैंपियन चीन, पूर्व चैंपियन इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया ने भी अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों को लगातार दो सेटों में हराया। मिश्रित टीम चैंपियनशिप नए बेस्ट ऑफ़ थ्री रिले स्कोरिंग फॉर्मेट प्रारूप में खेली जा रही है। जहां सभी पांच मैच 9 अंकों की रेस के साथ खेले जाते हैं, जिसमें जो टीम पहले 45 अंक तक पहुंचती है वह सेट जीत जाती है। टीमों को प्रत्येक सेट के लिए अपने खिलाड़ी बदलने की भी अनुमति है।

श्रीलंका और यूएई के बीच हुए मुकाबले ने स्टेडियम में सभी को अपनी सीटों से चिपकाए रखा क्योंकि श्रीलंका ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल की। पहला सेट आसानी से हारने के बाद, श्रीलंका को यूएई द्वारा बालक एकल में भरत लतीश की जगह रियान मल्हान को उतारने के फैसले का फायदा मिला। केनेथ अरुगोडा, जो पहले सेट में 4-9 से हार गए थे, ने अपना दूसरा मैच 9-6 से जीत लिया और श्रीलंका ने इसी लय का फायदा उठाते हुए निर्णायक सेट तक का सफर तय किया। अरुगोडा ने निर्णायक चरण में लतीश पर 9-5 से जीत के साथ टीम को एक और मजबूत शुरुआत दी और ऐसा लग रहा था कि श्रीलंका आसानी से जीत जाएगा, जब रंथिमा लियानागे ने प्रकृति भरत के खिलाफ इस बढ़त को 18-8 तक बढ़ा दिया। लेकिन मल्हान और लतीश ने फिर सानुदा अरियासिंघा और थिसाथ रूपाथुंगा पर 15-9 से जीत हासिल करके अपनी टीम को मुकाबले में वापस ला दिया और स्कोर 23-27 कर दिया। यूएई की लड़कियों ने 14 अंक बनाए और 44-44 के स्कोर पर सेट और टाई के लिए सर्विस कर रही थीं, लेकिन स्कोर बराबर नहीं कर सकीं। श्रीलंका ने यूएई पर 30-45, 45-34, 45-44 से जीत हासिल की। भारत अब मंगलवार को अपने दूसरे ग्रुप मैच में श्रीलंका से भिड़ेगा।

प्रमोद ने पैरा बैडमिंटन में तीन स्वर्ण जीते

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने नाइजीरिया के अबिया में हुए पहले अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में तीन खिताब जीतकर अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा। सैंतीस वर्षीय पैरा खिलाड़ी भगत ने तोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन तीन बार स्थान की जानकारी देने से संबंधित चूक के कारण पेरिस पैरालंपिक से बाहर हो गए थे।

भगत ने फाइनल में हमवतन मंटू कुमार को 21-7, 9-21, 21-9 से कड़ी टक्कर देते हुए पुरुष एकल एसएल3 का खिताब जीता। अठारह महीने के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए चाइना पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल जीतने वाले भगत ने दूसरा गेम हारने के बाद मजबूती से वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता जिसमें उन्होंने पेरू के गेर्सन जेयर वर्गास लोस्टानौल और डायना रोजास गोलाक को 21-13, 21-17 से हराया। भगत को तीसरा खिताब मिश्रित युगल (एसएल3-एसयू5) में मिला जिसमें उन्होंने आरती पाटिल के साथ मिलकर एक और करीबी फाइनल जीता। भगत ने कहा, ''हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। भारत को गौरव दिलाना हमेशा खास होता है।

पैरा शटलर प्रमोद भगत।

वहीं, रणजीत सिंह ने तीन कांस्य पदक जीते। उन्होंने पुरुष एकल डब्ल्यूएच1, पुरुष युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (परमजीत सिंह के साथ) और मिश्रित युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (शबाना के साथ) में तीसरा स्थान हासिल किया। नुरुल हुसैन खान ने पुरुष एकल डब्ल्यूएच2 में रजत पदक जीता जबकि उमा सरकार ने महिला एकल एसएल3 में रजत पदक हासिल किया। सरकार ने आरती के साथ मिलकर महिला युगल एसएल3-एसयू5 में कांस्य पदक भी जीता। अन्य नतीजों में नीलेश गायकवाड़ (पुरुष एसएल4) और कनक सिंह जादौन (महिला एसएल4) ने कांस्य पदक जीते। पुरुष एकल एसयू5 में भारत के लिए करण पनीर, राहुल विमल और सतीवाड़ा ने क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया।

संजू भारत में ईपीएल के एम्बेसडर

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेटर संजू सैमसन को भारत में इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) का आधिकारिक एम्बेसडर नियुक्त किया गया है। यह महत्वपूर्ण घटनाक्रम भारतीय उपमहाद्वीप में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए ईपीएल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। क्रिकेट के मैदान पर अपने गतिशील प्रदर्शन के लिए माने जाने वाले सैमसन से ईपीएल के ब्रांड को बढ़ावा देने और देश भर के प्रशंसकों से जुड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। अपने एम्बेसडर के कर्तव्यों के तहत, सैमसन ने मुंबई में प्रीमियर लीग के एक प्रशंसक जुड़ाव कार्यक्रम के दौरान इंग्लैंड और लिवरपूल के पूर्व स्ट्राइकर माइकल ओवेन से मुलाकात की। इस कार्यक्रम में नेस्को सेंटर में फैन-पार्क शैली की स्क्रीनिंग और सामुदायिक गतिविधियाँ शामिल थीं। सैमसन, जो स्वयं लिवरपूल के प्रशंसक हैं, ने क्लब के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की और फुटबॉल के साथ अपने गहरे जुड़ाव पर चर्चा की, जिसका श्रेय वे केरल में अपने पालन-पोषण और अपने परिवार की फुटबॉल पृष्ठभूमि को देते हैं।

ओवेन ने इस कार्यक्रम में उपस्थित आर्सेनल समर्थकों की संख्या पर आश्चर्य व्यक्त किया और भारत में बढ़ती फुटबॉल संस्कृति पर प्रकाश डाला।

दिल्ली ने जयपुर पिंक पैंथर्स को हराया

चेन्नई: दबंग दिल्ली प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को रोमांचक मुकाबले में गत विजेता जयपुर पिंक पैंथर्स को 29-26 से हराकर इस सत्र में 20 अंक हासिल करने वाली पहली टीम बन गई। दिल्ली के लिए संदीप ने हाई फाइव के साथ शानदार प्रदर्शन किया और सात टैकल प्वाइंट हासिल किए जबकि कप्तान आशु मलिक ने आठ रेड प्वाइंट दिए।

एआईएफएफ के लोग एक ही पद चुनें

नई दिल्ली: अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की विशेष आम बैठक (एसजीएम) में रविवार को प्रस्तावित मसौदा संविधान को अपनाए जाने की स्थिति में कार्यकारी समिति के अधिकांश सदस्यों को इस शीर्ष निकाय या अपने संबंधित राज्य संघों के पद में से किसी एक को त्यागना पड़ सकता है। हाईकोर्ट ने 19 सितंबर को पूर्व न्यायाधीश एल. नागेश्वर राव द्वारा तैयार किए गए एआईएफएफ के मसौदा संविधान को कुछ संशोधनों के साथ मंजूरी दी थी और निर्देश दिया था कि महासंघ इसे चार सप्ताह के भीतर एजीएम में अपनाए। इसके पालन में एआईएफएफ ने रविवार को विशेष आम बैठक बुलाई है ताकि संविधान को न्यायालय के आदेश के अनुरूप अपनाया जा सके। मसौदा संविधान के विशेष अनुच्छेद से हालांकि एआईएफएफ के आला अधिकारियों के लिए परेशानी का सबब बना है क्योंकि कार्यकारी समिति के अधिकांश सदस्य अपने-अपने राज्य संघों में भी शीर्ष पदों पर हैं।

नायर की कर्नाटक रणजी टीम में वापसी

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज करुण नायर दो सत्र के अंतराल के बाद फिर से कर्नाटक की टीम में वापसी करेंगे। नायर को 15 अक्टूबर से राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ शुरू होने वाले सत्र के पहले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए राज्य टीम में शामिल किया गया है। नायर इससे पहले दो सत्र तक विदर्भ की टीम का हिस्सा थे, जहां उन्होंने पिछले सत्र में में टीम के रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनने के अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मयंक अग्रवाल कर्नाटक के कप्तान रहेंगे। कृतिका कृष्णा, शिखर शेट्टी और मोहसिन खान जैसे कुछ नए चेहरों को टीम में शामिल किया है। दिग्गज राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ इस सत्र में नौ से 17 अक्टूबर तक देहरादून में होने वाली वीनू मांकड़ ट्रॉफी में कर्नाटक की कप्तानी करेंगे।

कर्नाटक की टीम: मयंक अग्रवाल (कप्तान), करुण नायर, आर स्मरण, केएल श्रीजीत (विकेटकीपर), श्रेयस गोपाल, विशक विजयकुमार, विद्वथ कावेरप्पा, अभिलाष शेट्टी, एम वेंकटेश, निकिन जोस, अभिनव मनोहर, कृतिक कृष्णा (विकेटकीपर), केवी अनीश, मोहसिन खान, शिखर शेट्टी। वीनू मांकड़ ट्रॉफी के लिए कर्नाटक टीमः अन्वय द्रविड़ (कप्तान, विकेटकीपर), नितीश आर्य, आदर्श डी उर्स, एस मणिकांत, प्रणीत शेट्टी, वासव वेंकटेश, अक्षत प्रभाकर, सी वैभव, कुलदीप सिंह पुरोहित, रतन बीआर, वैभव शर्मा, केए तेजस, अथर्व मालविया, सनी कांची, रेहान मोहम्मद (विकेटकीपर)।

विश्व पैरा एथलेटिक्स — भारत ने छह स्वर्ण, नौ रजत और सात कांस्य सहित रिकॉर्ड 22 पदक जीते हैं

मोदी बोले : भारत का प्रदर्शन ऐतिहासिक

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताते हुए सोमवार को कहा, इस प्रतियोगिता में देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगा। भारत ने छह स्वर्ण, नौ रजत और सात कांस्य सहित रिकॉर्ड 22 पदक जीते जो जापान के कोबे में 2024 में में जीते 17 पदक के उसके पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से बेहतर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सभी पदक विजेताओं की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए 'एक्स' पर लिखा, हमारे पैरा एथलीटों का ऐतिहासिक प्रदर्शन! इस साल की विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप बहुत खास रही। भारतीय दल ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें छह स्वर्ण पदक सहित 22 पदक जीते। हमारे एथलीटों को बधाई। उन्होंने कहा, उनकी सफलता कई लोगों को प्रेरित करेगी। मुझे हमारे दल के प्रत्येक सदस्य पर गर्व है और मैं उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। यह पहली बार था जब भारत ने इस प्रतिष्ठित पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता की मेजबानी की जिसमें 100 से अधिक देशों के 2,200 से अधिक प्रतिभागियों ने 186 पदक स्पर्धाओं में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, दिल्ली में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करना भी भारत के लिए सम्मान की बात है। इस टूर्नामेंट का हिस्सा रहे सौ देशों के एथलीटों और सहयोगी स्टाफ का आभार जताया।

भारत की 2036 ओलंपिक की दावेदारी के लिए सुलभ बुनियादी ढांचा अहम: झाझड़िया

नई दिल्ली : भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझड़िया और हाल में समाप्त हुई विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के सुगम्यता भागीदार 'स्वंय' का मानना है कि 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए देश की दावेदारी को ध्यान में रखते हुए दिव्यांगों के लिए भारत के बुनियादी ढांचे को बड़े पैमाने पर उन्नत करने की जरूरत है। 'स्वयं' ने रविवार को समाप्त हुई चैंपियनशिप में भाग लेने वाले पैरा एथलीटों के लिए सुलभ परिवहन प्रदान किया था। झाझड़िया ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, हमने बड़े खेल टूर्नामेंट में 'एक्सेसिबिलिटी' (सुगम्यता) का ध्यान रखने के महत्व को देखा। 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की भारत की महत्वाकांक्षा के साथ सुगम्यता को एक प्राथमिकता के तौर पर मुख्यधारा में लाने की जरूरत पहले से कहीं अधिक अहम हो गई है। वर्ष 1988 से ओलंपिक खेल और पैरालिंपिक एक ही स्थान पर होते आ रहे हैं।